रायपुर, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित

हमेशा सच के साथ

RNI NO. CHHHIN/2016/70655

पायनियर

www.dailypioneer.com रायपुर, बुधवार 23 अक्टूबर 2024 पृष्ठ-12 वर्ष-09, अंक-63 मूल्य 3.00 ₹

क्विक न्यूज

कोर्ट ने देवेन्द्र यादव की न्यायिक रिमांड अवधि 4 नवंबर तक बढ़ायी

रायपुर। बलौदाबाजार आगजनी और हिंसा केस में जेल में बंद विधायक देवेंद्र यादव को कोर्ट ने उनकी रिमांड अवधि 4 नवंबर तक के लिए बढ़ा दी है। दीपावली में देवेंद्र यादव जेल से बाहर नहीं आ सकेंगे। बार-बार रिमांड की अवधि बढ़ने से इस बार उनकी दीपावली जेल में ही मनेगी। देवेन्द्र यादव बलौदाबाजार हिंसा मामले में 17 अगस्त से जेल में बंद है। विधायक देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी को 66 दिन हो चुके हैं। इसके बाद भी उन्हें कोर्ट से राहत नहीं मिली है। विधायक देवेंद्र यादव की सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बलौदाबाजार के सीजेएम कोर्ट में पेश हुए। पुलिस ने कोर्ट से देवेंद्र यादव की न्यायिक रिमांड बढ़ाने की मांग की थी, जिस पर कोर्ट ने उनकी न्यायिक रिमांड 4 नवंबर तक बढ़ा दी है। देवेंद्र यादव के वकील अनादि शंकर मिश्रा ने बताया कि, पुलिस ने 4 नवंबर तक रिमांड बढ़ाने की मांग की थी। जिस पर हमने आपत्ति जताई।

पंजाब, मेघालय के उपचुनावों के लिए भाजपा के उम्मीदवार घोषित

नयी दिल्ली। भाजपा ने मेघालय और पंजाब की चार विधानसभा सीटों के उप चुनाव के लिए अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए। पार्टी महासचिव अरुण सिंह ने यहां एक विज्ञप्ति में कहा कि भाजपा की केन्द्रीय चुनाव समिति ने आगामी मेघालय और पंजाब के विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों पर अपनी स्वीकृति प्रदान की है। सिंह ने कहा कि मेघालय विधानसभा में गाम्बेग्रे सीट से बर्नार्ड मारक तथा पंजाब विधानसभा के लिए डेरा बाबा नानक से सरदार रविकरण कहलों, गिद्देरबाहा से सरदार मनप्रीत बादल और बरनाला सरदार केवल सिंह ढिल्लों को टिकट दिया गया है।

मुनाफावसूली से शेयर बाजार धड़ाम

मुंबई। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले फेड रिजर्व के ब्याज दर में बड़ी कटौती के संभावना से विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर हुई भारी मुनाफावसूली से शेयर बाजार धराशायी हो गया। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 930.55 अंक अर्थात 1.15 प्रतिशत की भारी गिरावट से दो माह बाद 81 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 80,220.72 अंक रह गया।

विकास और वैश्विक संगठनों में सुधार के मुद्दों पर चर्चा का एक महत्वपूर्ण मंच बना ब्रिक्स : पीएम मोदी

वार्ता ✓ कजान
www.dailypioneer.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस के कजान में कहा कि 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में चर्चायें ग्रह को बेहतर बनाने में योगदान देंगी, जहां इस बड़े आयोजन की मेजबानी की जा रही है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिये कजान पहुंचे। यह एक महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन है और यहां की चर्चायें बेहतर ग्रह के निर्माण में योगदान देंगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक पोस्ट में कहा, तातारस्तान गणराज्य के प्रमुख रुस्तम मिन्निखानोव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। कजान अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री के विमान से उतरने पर विमान के दोनों ओर सैनिकों ने उनका औपचारिक स्वागत किया। इसके अलावा रूसी अधिकारियों और पारंपरिक वेशभूषा में महिलाओं ने भी उनका स्वागत किया। इस अवसर पर रूस में भारतीय राजदूत विनय कुमार भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि कजान रूस के तातारस्तान का सबसे बड़ा शहर और राजधानी है। यह शहर वोल्गा और कजांका नदियों के संगम पर स्थित है। मोदी बाद में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक करने वाले हैं। बुधवार को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले प्रधानमंत्री ने कहा कि वह ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान विभिन्न विषयों पर व्यापक चर्चा के साथ-साथ वहां विभिन्न नेताओं से मिलने के लिये उत्सुक हैं। मोदी ने कहा, कजान में स्वागत के लिये आभारी हूं। भारतीय समुदाय ने अपनी उपलब्धियों से पूरी दुनिया में अपनी अलग पहचान बनायी है। वैश्विक स्तर पर भारतीय संस्कृति की लोकप्रियता भी उतनी ही खुशी देने वाली है। गौरतलब है कि ब्रिक्स पांच उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतरराष्ट्रीय समूह है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। इस बार हालांकि चार न देश ईरान, मिस्र, इथियोपिया और संयुक्त अरब अमीरात भी इसमें शामिल हो गये हैं।

प्रकृति की गोद से लिखी जाएगी सरगुजा क्षेत्र के विकास की नई इबारत

पायनियर संवाददाता ✓ जशपुर
www.dailypioneer.com

प्रकृति की गोद से सरगुजा क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखी जाएगी। जशपुर जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मयाली में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक आयोजित है। जिसमें शामिल होने खड़सा व्यू प्वाइंट पहुंचने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं सभी अतिथियों का कर्मा नृत्य और पारंपरिक वाद्य यंत्रों ढांक एवं नगाड़े की धुनों के बीच परम्परागत बांस की टोपी और डुंबर के फल और आम की पत्तियों की माला पहना कर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय खड़सा व्यू प्वाइंट से बैठक में शामिल होने मयाली डैम में बोट से सभी अतिथियों के साथ मयाली नेचर कैंप की खूबसूरती को निहारते हुए बैठक स्थल तक पहुंचे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ बैठक में शामिल होने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा, उपाध्यक्ष सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण गोमती साय, सांसद रायगढ़ राधेश्याम राठिया, विधायक जशपुर रायमुनी भगत, राम प्रताप सिंह, कृष्ण कुमार राय, मुख्यमंत्री के सचिव पी दयानंद, कमिश्नर जी आर चुरेंद्र, आईजी अंकित गर्ग, कलेक्टर डॉ रवि मित्तल, एसपी शशिमोहन सिंह भी पहुंचे।

जिले का प्रमुख पर्यटन स्थल मयाली स्वदेश दर्शन योजना में शामिल, 10 करोड़ से होगा कायाकल्प

नेचर कैंप से एक ओर डैम की खूबसूरती तो दूसरी ओर विशालतम प्राकृतिक शिवलिंग मधेश्वर पहाड़ का विहंगम दृश्य और दिखाई पड़ता है। चारों ओर फैली हरियाली इसकी सुंदरता और बढ़ जाती है। मयाली नेचर कैंप को स्वदेश दर्शन योजना में शामिल करने के साथ ही पर्यटन विभाग ने मयाली के विकास के लिए 10 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

मयाली नेचर कैंप- प्रकृति का अनुपम उपहार

जशपुर की सुरम्य पहाड़ियों की गोद में स्थित है प्रकृति का अनुपम उपहार मयाली। यहां मयाली नेचर कैंप जिले के कुनकुरी ब्लॉक में चराईडांड़ बगीचा स्टेट हाईवे के करीब स्थित है। डेम के किनारे, हरियाली से भरे हुए प्राकृतिक स्थल पर परिवार के साथ भारी संख्या में पर्यटक आते हैं। वीकेंड के दिनों में मयाली में लोगों की भीड़ ज्यादा जुटती है। मयाली नेचर कैंप में बोटिंग की भी सुविधा है।

मणिपुर की 50 परियोजनाओं को मंजूरी नागालैंड में कार्य प्रगति की समीक्षा : गडकरी

पायनियर संवाददाता ✓ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मणिपुर में 1,026 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी दी है और नागालैंड में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण कार्यो की प्रगति की समीक्षा की है। गडकरी यह जानकारी देते हुए सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि मणिपुर में 1,026 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग की 50 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है जिसमें 902 किमी की 44 परियोजनाएं राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में हैं। इन क्षेत्रों में 125 किमी की आठ परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और 12,000 करोड़ रुपये की लागत वाली 777 किमी की शेष 36 परियोजनाएं प्रगति पर हैं। उन्होंने कहा कि 2024-25 की वार्षिक योजना में पर्वतीय क्षेत्र में 1,350 करोड़ रुपये की दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं शामिल हैं जिनकी कुल लंबाई 90 किलोमीटर है। केंद्रीय सड़क और अवसंचरना निधि के तहत मंत्रालय राज्य सरकार द्वारा प्राथमिकता के आधार पर दी गई।

बुलडोजर मामला: बहराइच हिंसा आरोपियों की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट बुधवार करेगा सुनवाई

पायनियर संवाददाता ✓ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में हिंसा और दंगों में कथित रूप से शामिल आरोपियों के खिलाफ 'बुलडोजर' चलाने की प्रस्तावित कार्रवाई के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई की जायेगी। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सी यू सिंह और अन्य वकीलों की शीघ्र सुनवाई करने की गुहार स्वीकार करते हुए इस मामले को 23 अक्टूबर के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख करते हुए अधिवक्ताओं ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार कथित रूप से दंगों में शामिल लोगों के खिलाफ तोड़-फोड़ की कार्रवाई इस आधार पर करना चाहती है कि उनका निर्माण अवैध है। इस पर पीठ ने कहा, आप इस अदालत द्वारा पारित आदेशों से

राष्ट्रपति मुर्मु ने राष्ट्रीय जल पुरस्कार प्रदान किये

पायनियर संवाददाता ✓ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पांचवें राष्ट्रीय जल पुरस्कार प्रदान किये। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि पानी हर व्यक्ति की बुनियादी आवश्यकता और मौलिक मानव अधिकार है और सभी के लिए स्वच्छ जल सुनिश्चित किए बिना स्वच्छ और समृद्ध समाज का निर्माण नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि जल की उपलब्धता और इसकी स्वच्छता में कमी से सुविधाहीन लोगों के स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और आजीविका पर अधिक असर पड़ता है। मुर्मु ने कहा कि पृथ्वी पर सीमित मात्रा में जल संसाधन की उपलब्धता के सर्वविदित तथ्य के बाद भी हम जल संरक्षण और इसके प्रबंधन पर ध्यान नहीं देते। मानवीय उपेक्षा से ये संसाधन प्रदूषित और समाप्त हो रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि अच्छी बात है कि केन्द्र सरकार ने जल संरक्षण और जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि जल संरक्षण हमारी परंपरा रही है। हमारे पूर्वज गांवों के पास ही तालाब बनवाते थे। वे मंदिरों या उनके पास जलाशय बनवाते थे ताकि पानी की कमी होने पर संग्रहित जल का उपयोग किया जा सके। दुर्भाग्यवश हम अपने पूर्वजों की विवेकपूर्ण समझ को भुला रहे हैं। कुछ लोगों ने निजी स्वार्थवश जलाशयों का अतिक्रमण कर लिया है। इससे सूखे की स्थिति में पानी की उपलब्धता प्रभावित होती है और अत्यधिक बारिश होने पर बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। मुर्मु ने ज़ोर देकर कहा कि जल संसाधनों का संरक्षण और संवर्द्धन सभी का सामूहिक दायित्व है और हमारी सक्रिय भागीदारी के बिना देश को जल-सुरक्षा संपन्न बनाना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि हम अपने छोटे प्रयासों से भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उदाहरण स्वरूप हम अपने घरों के नल खुले न छोड़ें, ध्यान रखें कि ओवरहेड वॉटर टैंक से पानी भर कर बेकार न जाए, घरों में जल संचयन की व्यवस्था हो और पारंपरिक जलाशयों का सामूहिक रूप से जीर्णोद्धार किया जाए। राष्ट्रपति ने कहा कि जल संसाधनों के प्रति प्रासंगिक दृष्टिकोण और इसके संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में राष्ट्रीय जल पुरस्कार दिया जाना सराहनीय कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जल संरक्षण के लिए सम्मानित किए जाने वाले लोगों और इस आयोजन से 'सर्वश्रेष्ठ प्रचलन' के उपाय लोगों तक पहुंचेंगे। राष्ट्रीय जल पुरस्कारों का उद्देश्य लोगों में पानी के महत्व के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना और उन्हें स्वच्छ जल के उपयोग के सर्वोत्तम प्रचलन अपनाने के लिए प्रेरित करना है। पांचवें राष्ट्रीय जल पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ राज्य, सर्वश्रेष्ठ जिला, सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत, सर्वश्रेष्ठ शहरी स्थानीय निकाय, सर्वश्रेष्ठ स्कूल या कॉलेज, सर्वश्रेष्ठ उद्योग, सर्वश्रेष्ठ जल उपयोगकर्ता संघ, सर्वश्रेष्ठ संस्थान (स्कूल या कॉलेज के अलावा) और सर्वश्रेष्ठ नागरिक समाज सहित नौ श्रेणियों में प्रदान किए गए।

संचार तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे भारत, भूटान

वार्ता ✓ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने निवास पर भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे का स्वागत किया और दोनों देशों के बीच संचार के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग पर लंबी चर्चा की। सूत्रों के अनुसार सिंधिया और भूटान के प्रधानमंत्री के बीच दो देशों के बीच दूरसंचार और सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर लंबी बातचीत हुई। सिंधिया ने भूटान के प्रधानमंत्री का विशेष स्वागत करते हुए उन्हें चंदेरी के बुनकरों द्वारा बनाया गया अंगवस्त्र भेंट किया। यह अंगवस्त्र खासतौर से तोबगे के लिए चंदेरी से कल दिल्ली मंगवाया गया था। लाल रंग के इस अंगवस्त्र पर हाथ से बाघ चित्रित किए गए थे, जो भूटान और ग्वालियर चम्बल क्षेत्र की बढ़ती बाघ संख्या का प्रतीक हैं। मुलाकात के बाद सिंधिया ने 'एक्स' पर अपनी एक पोस्ट में लिखा, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे से मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। भूटान के साथ दूरसंचार और आईसीटी क्षेत्रों में सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा की गई। भारत ने अपना स्वयं का 4जी स्टैक और यूपीआई विकसित करने और उन्हें सामाजिक विकास के लिए उपकरण के रूप में उपयोग करने में एक उदाहरण स्थापित किया है।

10 आईएएस अफसरों का बदला प्रभार रवि मित्तल बने जनसंपर्क आयुक्त

पायनियर संवाददाता ✓ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ सरकार ने 10 आईएएस अफसरों का ट्रांसफर कर दिया है। इसमें तीन जिलों के कलेक्टर भी शामिल हैं। सामान्य प्रशासन विभाग से जारी आदेश के अनुसार रवि मित्तल को जनसंपर्क विभाग का नया आयुक्त बनाया गया है। सूजरपुर कलेक्टर रोहित व्यास का जशपुर तबादला कर दिया गया है, उन्हें सीएम के गृह जिले का कलेक्टर बनाया गया है। मोहला-मानपुर कलेक्टर एस जयवर्धन को सूरजपुर का नया कलेक्टर बनाया गया है। तुलिका प्रजापति को मोहला-मानपुर का कलेक्टर बनाया गया है। जन्मेजय महोबे को महिला बाल विकास विभाग का संचालक बनाया गया है। जगदीश सोनकर को बिना विभाग में मंत्रालय में पदस्थ किया गया है। विजय दयाराम को प्रबंध संचालक राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन बनाया गया है। प्रतिष्ठा ममगाई को बस्तर जिला पंचायत का सीईओ बनाया गया है। कुमार विश्वरंजन को उप सचिव मंत्रालय पदस्थ किया गया है। जयंत नाहटा को सीईओ जिला पंचायत दंतेवाड़ा पदस्थ किया गया है।

आप ने दिल्ली महिला आयोग में कार्यरत संविदा कर्मचारियों को निकालने की निंदा की

नयी दिल्ली। आप ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा आदेश पारित करके दिल्ली महिला आयोग में कार्यरत संविदा कर्मचारियों को बर्खास्त करने के फैसले की कड़ी निंदा की है। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद कजेरीवाल ने 'एक्स' पर कहा, मेरी जिन बहनों को दिल्ली महिला आयोग से निकला गया है, मैं उन्हें भरोसा दिलाता हूं कि उन्हें उनकी नौकरी वापस दिलवाऊंगा, चाहे इसके लिए कुछ भी करना पड़े। दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा ने जिस तरह दिवाली से पहले सैकड़ों लोगों के घर उजाड़े और उनकी नौकरियां छीनी हैं, यह भाजपा द्वारा किया गया बड़ा पाप है। भाजपा अपने भाषणों और घोषणापत्र में नौकरियां देने की बात करती है।

केंद्रीय जलमंत्री सीआर पाटिल ने किया पुरस्कृत

जल संरक्षण के लिए कांकेर जिले के मासुलपानी को राष्ट्रीय पुरस्कार

पायनियर संवाददाता ✓ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए कांकेर जिले की ग्राम पंचायत मासुलपानी को 5वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार समारोह में श्रेष्ठ पंचायत की श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में केंद्रीय जलमंत्री सीआर पाटिल द्वारा ग्राम पंचायत मासुलपानी की सरपंच रमिया नेताम को पुरस्कृत किया।

गौरतलब है कि जल संरक्षण के क्षेत्र में मासुलपानी पंचायत ने उल्लेखनीय कार्य किया है। इस ग्राम पंचायत में 161 जल शेड संरचनाएं बनाई गई हैं, जिनमें 99 फार्म तालाब शामिल हैं। इसके अलावा, वर्ष 2023 के दौरान पंचायत द्वारा 39 नंबर ब्रशवुड, एक सामुदायिक तालाब डी-सिल्टिंग, 02 कुएं, 02 भूमिगत बांध, 03 गेबियन और अन्य संरचनाओं का निर्माण किया गया है। इसके चलते लोगों ने सिंचाई के लिए सतही जल का उपयोग करना शुरू कर दिया है। जल संरक्षण और इसके समुचित उपयोग की दिशा में इस नवाचार के लिए मासुलपानी ग्राम पंचायत को पुरस्कृत किया गया है। जल शक्ति मंत्रालय राष्ट्रीय स्तर पर जल प्रबंधन और जल संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। लोगों में जल के महत्व के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने और लोगों को सर्वोत्तम जल उपयोग प्रणालियों को अपनाने के लिए प्रेरित करने के लिए राष्ट्रीय जल पुरस्कार प्रदान किया जाता है। राष्ट्रीय जल पुरस्कार (एनडब्ल्युए) देश भर में व्यक्तियों और संगठनों द्वारा जल समृद्ध भारत के सरकार के विज़न को प्राप्त करने में किए गए अच्छे काम और प्रयासों पर केंद्रित है। ये पुरस्कार लोगों में जल के महत्व के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने और उन्हें सर्वोत्तम जल उपयोग प्रणालियों को अपनाने के लिए प्रेरित करने के लिए हैं।

वायनाड के लिए मेरी बहन से बेहतर प्रतिनिधि की कल्पना नहीं कर सकता: राहुल

पायनियर संवाददाता ✓ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के केरल में वायनाड संसदीय क्षेत्र से नामांकन दाखिल करने से एक दिन पूर्व लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपने पूर्व निर्वाचन क्षेत्र की सराहना करते इस सीट के लिए कांग्रेस महासचिव को सबसे अच्छा प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि वह कल्पना नहीं कर सकते कि वायनाड के लिए उनकी बहन से अच्छा कोई और प्रतिनिधि हो सकता है। नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि वाड्रा वायनाड की जरूरतों की एक जुनूनी पैरवीकार और संसद में एक शक्तिशाली आवाज होंगी। गांधी ने 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में कहा, वायनाड के लोगों के लिए मेरे दिल में एक विशेष स्थान है, और मैं अपनी बहन प्रियंका गांधी से बेहतर उनके लिए किसी और प्रतिनिधि की कल्पना नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि वह वायनाड की जरूरतों की जोशीली पैरोकार और संसद में एक शक्तिशाली आवाज साबित होंगी। आप लोग कल, 23 अक्टूबर को हमारे साथ जुड़ें, जब वह वायनाड लोकसभा क्षेत्र के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगी। साथ मिलकर, आइए सुनिश्चित करें कि वायनाड का प्यार से प्रतिनिधित्व होता रहे। वाड्रा के बुधवार को नामांकन दाखिल करने के मौके पर उनके साथ कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और गांधी भी मौजूद रहेंगे। गांधी के उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा सीट को बरकरार रखने का फैसले के बाद वायनाड सीट रिक्त हो गयी थी।

रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस ने आकाश शर्मा पर जताया भरोसा

पायनियर संवाददाता ✓ रायपुर
www.dailypioneer.com

रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस ने युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा को उम्मीदवार बनाने का फैसला किया है। प्रदेश संगठन की अनुशंसा पर दिल्ली से इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी गई है, जिससे आकाश शर्मा को रायपुर दक्षिण से चुनाव लड़ने का अवसर मिला है। रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर है। मतदान 13 नवंबर को होगा और मतगणना 23 नवंबर को की जाएगी। कांग्रेस ने आकाश शर्मा पर भरोसा जताते हुए उन्हें इस महत्वपूर्ण चुनाव में मैदान में उतारा है। पार्टी को उम्मीद है कि युवा नेतृत्व उन्हें जीत दिलाने में सफल रहेगा।

दक्षिण से आकाश शर्मा प्रचंड मतो से चुनाव जीतेंगे : दीपक बैज

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी आकाश शर्मा प्रचंड मतो से चुनाव जीतेंगे। कांग्रेस का प्रत्याशी युवा है, उनके साथ व्यापक जनसमर्थन है। वे जुझारू है। इसके विपरीत भाजपा प्रत्याशी पर सांसद रहते हुये निष्क्रियता का तमगा लगा हुआ है। रायपुर की जनता ने सांसद के रूप में सुनील सोनी को अवसर दिया था लेकिन वे जन आकांक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाये। कांग्रेस ने उनके मुकाबले सक्रिय युवा को मौका दिया है। विधायक के रूप में आकाश शर्मा रायपुर दक्षिण की जनता की बेहतर सेवा करेंगे। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में दक्षिण उपचुनाव को लेकर उत्साह है। कांग्रेस का कार्यकर्ता दक्षिण में कांग्रेस का विधायक बनाने को तत्पर है।

विंध्य क्षेत्र को निवेश और औद्योगिक केन्द्र के रूप में करेंगे स्थापित : यादव

पायनियर संवाददाता ◀ भोपाल
www.dailypioneer.com

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य को और सशक्त बनाने के उद्देश्य से 23 अक्टूबर को रीवा में प्रदेश की पांचवीं रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव होने जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य विंध्य क्षेत्र को निवेश और औद्योगिक अवसरों के केंद्र के रूप में स्थापित करना है। आधिकारिक जानकारी में डॉ यादव ने कहा कि वर्ष 2025 को 'उद्योग एवं रोजगार वर्ष' घोषित किया गया है। इसके दृष्टिगत प्रदेश में हुई आरआईसी को एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में देखा जा रहा है। रीवा स्थित कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में होने वाली कॉन्क्लेव में 4 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है, जिसमें 50 से अधिक प्रमुख निवेशक और 3 हजार से अधिक एमएसएमई उद्यमी शामिल होंगे। सम्मेलन का मुख्य फोकस राज्य के प्रमुख क्षेत्रों- ऊर्जा, खनन, कृषि, डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण, पर्यटन एवं हस्तशिल्प में निवेश को प्रोत्साहित करने पर होगा। मुख्यमंत्री की इस पहल का उद्देश्य राज्य में निवेशकों और उद्यमियों के बीच एक सार्थक संवाद स्थापित करना है, जिससे औद्योगिक विकास के नए द्वार खुलेंगे। कॉन्क्लेव में राज्य सरकार के विभिन्न विभाग औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, एमएसएमई, आईटी, खनन, ऊर्जा और पर्यटन विभागों द्वारा प्रमुख प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इसके अलावा नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा पर एक विशेष राउंडटेबल-सत्र भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें उद्योग के उभरते अवसरों और चुनौतियों पर विचार-विमर्श होगा। चार सेक्टोरल-सत्र भी होंगे, जो एमएसएमई, स्टार्टअप्स, खनन एवं खनिज, पर्यटन और कुटीर उद्योगों में निवेश अवसरों पर केंद्रित होंगे। डॉ यादव से 20 से अधिक निवेशक वन-टू-वन बैठक करेंगे, जिससे सरकार और निवेशकों के बीच सीधा संवाद स्थापित हो सकेगा। साथ ही, मुख्यमंत्री द्वारा रीवा आईटी

पार्क और चुरहटा औद्योगिक क्षेत्र में विद्युत उपकेंद्र सहित 20 से अधिक औद्योगिक प्रतिष्ठानों का वर्चुअल भूमिपूजन किया जाएगा। इसके अलावा, 80 से अधिक निवेशकों को भूमि आवंटन पत्र भी वितरित किए जाएंगे, जो प्रदेश में निवेश की प्रक्रिया को और सरल बनाएंगे। कॉन्क्लेव में ओडीओपी (एक जिला-एक उत्पाद) और जी-2-सी (सरकार से नागरिक) स्टॉल भी स्थापित किए जाएंगे। इनमें एमपी इंडस्ट्रियल डेवेलपमेंट कॉर्पोरेशन, एमपी स्टेट इलेक्ट्रॉनिक डेवेलपमेंट कॉर्पोरेशन, डायरेक्टोरेट ऑफ़ फ़ॉरेन ट्रेड, कस्टम विभाग, ईसीजीसी लिमिटेड, फेडरेशन ऑफ़इंडियन एक्सपोर्ट और हस्तशिल्प विकास निगम सहित 16 से अधिक विभाग और संस्थान शामिल होंगे। यह प्रदर्शनी उद्यमियों को सरकारी योजनाओं और नीतियों की विस्तृत जानकारी प्रदान करेगी, जिससे वे अपने व्यावसायिक निर्णयों को प्रभावी ढंग से ले सकेंगे। कॉन्क्लेव का उद्देश्य न केवल व्यापारिक अवसरों को बढ़ावा देना है, बल्कि निवेशकों और उद्यमियों के लिए राज्य में उद्योग स्थापित करने की प्रक्रिया को और आसान बनाना है। बिज़नेस प्रमोशन सेंटर के अंतर्गत, विभिन्न ट्रेड एसोसिएशन और सरकारी विभागों के प्रतिनिधि व्यापारिक संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा करेंगे। एमपी इंडस्ट्रियल डेवेलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा व्यापारिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए नवीनतम नीतियों और योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। कॉन्क्लेव में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा पर एक विशेष राउंड टेबल-सत्र होगा, जिसमें उद्योग जगत के विशेषज्ञ पर्यावरणीय संतुलन और औद्योगिक विकास पर चर्चा करेंगे। साथ ही, चार थीमेटिक-सत्रों के माध्यम से एमएसएमई, स्टार्टअप्स, खनन, पर्यटन और कुटीर उद्योगों में उभरते अवसरों पर विचार-विमर्श होगा। रीवा में होने वाली कॉन्क्लेव विंध्य क्षेत्र के औद्योगिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव की पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहित करना है, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश को एक औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। 'इन्वेस्ट मध्यप्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025' के लिए जारी किए गए विशेष आमंत्रण के साथ, यह सम्मेलन राज्य के आर्थिक विकास और निवेश के लिए नए अवसरों का द्वार खोलने में सहायक सिद्ध होगा।

वाइब्रेंट विंध्य का यह आयोजन न केवल विंध्य क्षेत्र, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य को एक नई दिशा देने का कार्य करेगा।

भारत टेक्स 2025 ने अंतरराष्ट्रीय गति हासिल की

पायनियर संवाददाता ◀ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

कपड़ा मंत्रालय ने कल सुषमा स्वराज भवन, नई दिल्ली में भारत टेक्स 2025 के लिए भारत में विदेशी मिशनों के साथ एक संवाद सत्र का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में भारत में 30 से अधिक विदेशी मिशनों जैसे ऑस्ट्रेलिया, अजरबैजान, ब्राजील, कोलंबिया, चिली, डेनमार्क, मिस्र, फिनलैंड, इंडोनेशिया, इटली, कजाकिस्तान, केन्या, लेसोथो, मोंटेनेग्रो, मलेशिया, मंगोलिया, मैक्सिको, पेरू, फिलीपींस, कोरिया, रूस, श्रीलंका, सोमालिया, ताइवान, टोगो, थाईलैंड, उज़्बेकिस्तान और वियतनाम की भागीदारी देखी गई। केंद्रीय विदेश एवं कपड़ा राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में शामिल हुए। सत्र में कपड़ा मंत्रालय की सचिव रचना शाह, विशेष सचिव, विदेश मंत्रालय, पी. कुमारन; कपड़ा मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव, रोहित कंसल; व्यापार सलाहकार, कपड़ा मंत्रालय, शुभ्रा, प्रमुख उद्योगपतियों और अधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने विभिन्न देशों के राजदूतों और प्रतिनिधियों को भारत टेक्स 2025 में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। इसे अब तक का सबसे बड़ा और सबसे व्यापक कपड़ा आयोजन बताते हुए उन्होंने भारत टेक्स के संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को एक साथ लाने का एक अनूठा प्रयास बताया। उन्होंने वैश्विक कपड़ा उद्योग द्वारा उत्पन्न चुनौतियों के लिए नवीन समाधान खोजने में भारतीय कपड़ा उद्योग की उद्यमशीलता की भावना पर प्रकाश डाला। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत टेक्स एक विश्वसनीय, सतत सोर्सिंग गंतव्य के साथ-साथ वस्त्रों के लिए बड़े पैमाने पर निवेश गंतव्य के रूप में पुष्टि करेगा। इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार प्रदान करने और सभी सामाजिक क्षेत्रों के लोगों के जीवन को प्रभावित करने की क्षमता है। उन्होंने कहा, नवाचार, सहयोग और मेक इन इंडिया भावना के मूल में, यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री के 5एफ दृष्टिकोण- फार्म से फाइबर से फैक्ट्री से फैशन से फॉरेन है। रचना शाह ने वैश्विक कपड़ा उद्योग में भारत टेक्स की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने उपस्थित लोगों को मेगा टेक्सटाइल वैश्विक कार्यक्रम में भागीदार देश के रूप में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। इसके अलावा उन्होंने पीएलआई और पीएम-मित्र पार्क सहित विभिन्न प्रोत्साहनों और योजनाओं द्वारा समर्थित मजबूत नीति समर्थन के साथ कपड़ा क्षेत्र पर भारत की भूमिका पर जोर दिया।

कोल इंडिया की शाखा एसईसीएल ने विशेष अभियान 4.0 के दौरान डिजिटलीकरण को बढ़ावा दिया

वार्ता ◀ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

कोल इंडिया की दूसरी सबसे बड़ी सहायक कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने विशेष अभियान 4.0 के तहत डिजिटलीकरण में महत्वपूर्ण प्रगति की है। एसईसीएल ने नवाचार, समावेशिता और परिचालन दक्षता पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, सहयोग बढ़ाने और संगठन के भीतर निरंतर सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल पहल की एक श्रृंखला शुरू की है।

सीएमडी डैशबोर्ड कार्य निगरानी और सहयोग के लिए एक एकीकृत मंच एसईसीएल का सीएमडी डैशबोर्ड एक व्यापक ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म है जिसे एसईसीएल के मुख्यालय और परिचालन क्षेत्रों में विभिन्न कार्यों और परियोजनाओं की निगरानी के लिए डिज़ाइन किया गया है। डैशबोर्ड उपयोगकर्ताओं को किसी भी विभाग के साथ आवश्यकताओं को प्रस्तुलत करने और वास्तविक समय में उनके अनुरोधों का पता लगाने में सक्षम बनाता है। यह नए, प्रगति पर और विलंबित कार्यों का अवलोकन प्रदान करता है, जिससे एसईसीएल के अंतर-कंपनी संचालन में अधिक पारदर्शिता, सहयोग और दक्षता को बढ़ावा मिलता है। एसईसीएल ने भूमि अधिग्रहण प्रबंधन प्रणाली (एलएएमएस) के माध्यम से अपनी भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को भी डिजिटल बना दिया है। यह प्रणाली परंपरागत रूप से जटिल भूमि अधिग्रहण प्रक्रियाओं को सरल बनाती है। एलएएमएस का उपयोग करके कुसमुंडा महापरियोजना के तहत खोडरी गांव एंड-टू-एंड डिजिटल भूमि अधिग्रहण पूरा करने वाले पहला गांव बन गया है। पिछले साल, एसईसीएल कर्मचारियों के बीच ज्ञान साझा करने को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई। अभिमन्यु ई-पत्रिका की सफलता के बाद एसईसीएल अब अभिमन्यु ई-लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म शुरू कर रहा है। यह प्लेटफ़ॉर्म कर्मचारियों को सामूहिक अधिगम, ज्ञान साझा करने और कौशल एवं व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एक ऑनलाइन मंच प्रदान करता है।

बिक्री (पुनर्निर्गम) की घोषणा 6.79% सरकारी प्रतिभूति 2034, 7.46% सरकारी प्रतिभूति 2073

नई दिल्ली। भारत सरकार ने मूल्य आधारित नीलामी, विविध मूल्य विधि के माध्यम से 22,000 करोड़ रुपये (अंकित) की अधिसूचित राशि के लिए 6.79% सरकारी प्रतिभूति 2034 और मूल्य आधारित नीलामी, विविध मूल्य विधि के माध्यम से 10,000 करोड़ रुपये (अंकित) की अधिसूचित राशि के लिए 7.46% सरकारी प्रतिभूति 2073 की बिक्री (पुनर्निर्गम) करने की घोषणा की है। भारत सरकार के पास उपरोक्त प्रत्येक प्रतिभूति में 2,000 करोड़ रुपये की सीमा तक, अतिरिक्त अभिदान बनाए रखने का विकल्प होगा। ये नीलामियाँ, भारतीय रिजर्व बैंक, मुंबई कार्यालय, फोर्ट, मुंबई द्वारा 25 अक्टूबर, 2024, को संचालित की जाएगी। प्रतिभूतियों की बिक्री की अधिसूचित राशि के 5 प्रतिशत तक की राशि सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामी में अप्रतिस्पर्धी बोली सुविधा योजना के अनुसार पात्र व्यक्तियों और संस्थाओं को आवंटित की जाएगी। नीलामी हेतु प्रतिस्पर्धी और अप्रतिस्पर्धी दोनों बोलियां भारतीय रिजर्व बैंक कोर बैंकिंग सोल्यूशन (ई-कुबेर) प्रणाली पर इलेक्ट्रॉनिक प्रपत्र में 25 अक्टूबर, 2024 को प्रस्तुत की जानी चाहिए। अप्रतिस्पर्धी बोलियां पूर्वाह्न 10:30 बजे से पूर्वाह्न 11:00 बजे के बीच और प्रतिस्पर्धी बोलियां पूर्वाह्न 10:30 बजे से पूर्वाह्न 11:30 बजे के बीच प्रस्तुत की जानी चाहिए। नीलामियों के परिणाम की घोषणा 25 अक्टूबर, 2024 (शुक्रवार) को की जाएगी।

नगर निगम ग्रेटर और आईसीएलईआई यूएसए एंड आईसीएलईआई साउथ एशिया के बीच हुआ एमओयू

एजेंसी ◀ जयपुर
www.dailypioneer.com

जयपुर नगर निगम ग्रेटर ने राइजिंग राजस्थान निवेश शिखर सम्मेलन के मद्देनजर ऐतिहासिक पहल करते हुये मंगलवार को शहर के आधुनिकिरण, तीव्र एवं सुव्यवस्थित विकास के लिए आईसीएलईआई यूएसए एंड आईसीएलईआई साउथ एशिया के साथ समझौता किया। दक्षिण एशिया क्लीन एनर्जी फोरम (एसएसीईएफ) की ओर से आयोजित कार्यक्रम में नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर द्वारा एमओयू हस्ताक्षर किया गया। यह एमओयू नगर निगम ग्रेटर और आईसीएलईआई यूएसए एंड आईसीएलईआई साउथ एशिया की ओर से आयोजित कार्यक्रम हुआ। इस एमओयू के तहत सतत ऊर्जा प्रणाली परिवर्तन, ऊर्जा दक्षता, अपशिष्ट जल उपचार एवं जल उपचार, ठोस अपशिष्ट निपटान एवं वायु प्रदूषण उपशमन विषयों पर कार्य किया जायेगा। यह नगर निगम ग्रेटर के लिये एक बड़ा अवसर है। जिसके तहत यूएस के प्रातों के साथ एमओयू किया गया है जिससे दोनों देशों के स्वायत्त निकाय एक दूसरे के तकनीक, नवाचार और प्रशासन के लिये एकजुट होकर कार्य करेंगे। यह एमओयू दोनों देशों के बीच एक ऐतिहासिक पहल होगी जिससे शहरीकरण में आ रही चुनौतियों का सामना करने एवं वैदेशिक आधुनिक तकनीकी का प्रयोग कर शहर के आधुनिकिरण के साथ तीव्र एवं सुव्यवस्थित विकास के रास्ते खुलेंगे और साथ ही सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा दिया जायेगा तथा व्यवस्थाओं में सुधार करने के प्रयास होगे।

मणिपुर में 50 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी, पर्वतीय क्षेत्रों में 902 किलोमीटर सड़कों के विकास को प्राथमिकता

नई दिल्ली। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने मणिपुर में 1,026 किलोमीटर की 50 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें से 902 किलोमीटर की 44 परियोजनाएं राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में हैं। इन क्षेत्रों में 125 किलोमीटर की 8 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और 12,000 करोड़ रुपये की लागत वाली 777 किलोमीटर की शेष 36 परियोजनाएं प्रगति पर हैं। 2024-25 के लिए मंत्रालय की वार्षिक योजना में पर्वतीय क्षेत्र में 1,350 करोड़ रुपये की दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं शामिल हैं, जिनकी कुल लंबाई 90 किलोमीटर है। केंद्रीय सड़क और अवसंचरना निधि (सीआरआईएफ) के अंतर्गत मंत्रालय राज्य सरकार द्वारा प्राथमिकता के आधार पर दी गई राज्य की सड़कों पर कार्य की सूची को मंजूरी देता है। राज्य सरकार की प्राथमिकता सूची में कुल 111 कार्यों में से बीओएस अनुपात के आधार पर मंत्रालय ने प्राथमिकता के क्रम में 57 कार्यों को मंजूरी दी है। इस पर्वतीय राज्य के लिए स्वीकार्य बीओएस अनुपात 4 के मुकाबले 9.81 है।

सिंथेटिक मावा बनाने वाली फैक्ट्री पर छापा, नकली मावा जब्त

मुरैना। मध्यप्रदेश के मुरैना जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने सिंथेटिक मावा बनाने वाली एक फैक्ट्री पर छापा मारकर बड़ी मात्रा में सिंथेटिक मावा और उसे बनाने में प्रयुक्त घातक सामग्री बरामद की है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार विभाग को निरंतर सूचनाएं मिल रहीं थी कि दीपावली के त्यौहार को देखते हुए मुरैना और आसपास के क्षेत्रों में मिलावटखोर माफिया सक्रिय होकर नकली मावा तैयार कर उससे बनने वाली मिठाइयां खुले बाजार में बेच रहें हैं। खाद्य एवं औषधि विभाग की टीम ने आज सिंथेटिक मावा बनाने की फैक्ट्री पर छापा मार कार्रवाई की गई, सिविल लाइन थाना इलाके की शहराना रोड स्थित इस फैक्ट्री में दस क्विंटल सिंथेटिक मावा 15 टीन रिफाइंड ऑयल, मिल्क पाउडर, सफेद खड़िया पाउडर सहित भारी मात्रा में मिलावटी सामग्री जप्त की जाकर फैक्ट्री को सील्ड कर दिया है। सूत्रों ने बताया कि सभी जप्त सामग्री के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोग शाला भेजे गए हैं।

किशनगंज में कश्मीर जैसे हालत बनाने की कोशिश : गिरिराज सिंह

एजेंसी ◀ किशनगंज
www.dailypioneer.com

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार के सीमांचल इलाके में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि सभी को एकजुट होकर प्रतिकार करने की जरूरत है। सिंह ने मंगलवार को हिंदू स्वाभिमान यात्रा के क्रम में यहां लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ लोग किशनगंज में कश्मीर जैसे हालात पैदा करना चाहते है। उन्होंने कहा कि सीमांचल क्षेत्र में हिंदुओं का बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों के द्वारा बड़े पैमाने पर शोषण हो रहा है। आए दिन जबरन यहां के अल्पसंख्यक हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। 'लव जिहाद' के तहत हिंदुओं की बेटियों को झूठे सपनों दिखा कर उनका शोषण किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में जहां 20-25 घर है हिंदुओं का। वहां ये बांग्लादेशी और रोहंगिया जबरन जमीन कब्जा कर लेते है, मंदिरों को तोड़ देते है और पूजा भी नहीं करने देते। बांग्लादेशी हो या रोहंगिया यदि हिंदू बेटियों के साथ गलत करेंगे तो हम प्रतिकार करेंगे । उन्होंने कहा, यदि हम एक हो जाएं, संगठित हो जाए तो कोई माई का लाल कुछ नहीं कर सकता है।

किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 65 लाख से अधिक किसान लाभान्वित

भोपाल। किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत प्रदेश में 65 लाख 83 हजार 726 किसानों को कार्ड बनाकर जारी किए गए है। केन्द्रीय योजनाओं का प्रदेश में बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है। किसानों को सशक्त और समृद्ध बनाने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। प्रदेश के 3 लाख 44 हजार किसानों ने सोयाबीन उपार्जन के लिए पंजीयन कराया है। सोयाबीन की उपार्जन प्रक्रिया 25 अक्टूबर से शुरू होगी। न्यूनतम समर्थन मूल्य 4 हजार 892 रूपये प्रति क्विंटल की दर पर सोयाबीन की खरीदी होगी। आगामी 22 नबंबर से मोटा अनाज (ज्वार, बाजरा) का एवं 2 दिसंबर से धान का उपार्जन होगा। राज्य सरकार ने किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर अल्पकालीन कृषि ऋण (3 लाख रूपये तक अधिकतम) उपलब्ध कराने का फैसला लिया है।

कोयला मंत्रालय ने कोयला क्षेत्र में ओवरबर्डन के लाभकारी उपयोग पर उच्चाधिकार विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट पेश की

एजेंसी ◀ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

कोयला और खान मंत्री किशन रेड्डी ने स्थिरता और कुशल प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कोयला क्षेत्र में ओवरबर्डन के लाभकारी उपयोग पर उच्चाधिकार विशेषज्ञ समिति (एचपीईसी) की रिपोर्ट पेश की। नई दिल्ली स्थित सुषमा स्वराज भवन में आयोजित कोयला क्षेत्र की अर्धवार्षिक समीक्षा कार्यक्रम में कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे, कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त, कोयला मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और कोयला/लिग्नाइट पीएसयू के सीएमडी मौजूद रहे। एचपीईसी में पांच केंद्रीय मंत्रालयों, नीति आयोग और कोयला कंपनियों के बहु-विषयक विशेषज्ञ शामिल थे। ओवरबर्डन में मिट्टी, चट्टान और खनिज शामिल हैं और इन्हें पारंपरिक रूप से कोयला खनन के दौरान अपशिष्ट के रूप में त्याग दिया जाता है, समिति को इनके उपयोग के नवीन तरीकों की पहचान करने का काम सौंपा गया था। ओवरबर्डन को मूल्यवान संसाधनों के रूप में उपयोग करने के लिए रिपोर्ट एक व्यापक रूपरेखा तैयार करती है। ऐतिहासिक रूप से अपशिष्ट के रूप में देखे जाने वाले ओवरबर्डन को अब पर्यावरणीय स्थिरता, आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने और स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने की क्षमता वाली संपत्ति के रूप में उपयोग किया जा रहा है। एचपीईसी रिपोर्ट 'संपूर्ण खनन' दृष्टिकोण की वकालत करती है जिसका उद्देश्य स्थायी खनन तरीकों में योगदान करते हुए आर्थिक मूल्य श्रृंखला में ओवरबर्डन को एकीकृत करना है। रिपोर्ट की मुख्य विशेषताओं में ओवरबर्डन को संसाधित करके निर्मित-रेत (एम-रेत) का उत्पादन करने की रणनीतियां शामिल हैं। निर्मित-रेत का उपयोग निर्माण परियोजनाओं में किया जा सकता है, जिससे नदी की रेत पर निर्भरता कम हो सकती है और पर्यावरणीय क्षरण को रोका जा सकेगा है। इस एम-रेत की व्यावसायिक बिक्री से कोयला कंपनियों को महत्वपूर्ण राजस्व प्राप्त होने और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है। एचपीईसी रिपोर्ट में कोयला समुदायों के लिए कई प्रमुख लाभों का अनुमान लगाया गया है।

एम-सैंड का उत्पादन करने के लिए ओवरबर्डन का प्रसंस्करण न केवल कोयला कंपनियों के लिए महत्वपूर्ण राजस्व लेकर आता है, बल्कि निर्माण के लिए सस्ती, उच्च गुणवत्ता वाली रेत की उपलब्ध कराके स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं का भी लाभ पहुंचाता है।

जयपुर में तीन दिवसीय साउथ एशिया क्लीन एनर्जी फोरम की हुई शुरुआत

एजेंसी ◀ जयपुर
www.dailypioneer.com

राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित तीन दिवसीय 'साउथ एशिया एनर्जी फोरम' की मंगलवार को शुरुआत हुई जिसका उद्देश्य बढ़ते तापमान, ऊर्जा की बढ़ती मांग और पर्यावरण के अनुकूल मूलभूत ढांचे की जरूरत जैसी चुनौतियों से निपटने के रास्तों की तलाश करना है। 22 से 24 अक्टूबर तक आयोजित साउथ एशिया एनर्जी फोरम में क्षेत्र में क्षेत्र भर के नेतृत्वकर्ताओं को एक मंच पर लाया गया है। दक्षिण एशिया क्षेत्र में दुनिया की करीब एक चौथाई आबादी बसी हुई है। यहां रहने वाले लोग चरम मौसमी स्थितियों और ऊर्जा की बढ़ती जरूरतों के रूप में जलवायु परितर्वन के गहरे प्रभावों का सामना कर रहे हैं। साउथ एशिया क्लीन एनर्जी फोरम इन चुनौतियों का परस्पर सहयोगात्मक समाधान निकालने, नये आर्थिक अवसरों के रास्ते खोलने और क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने के लिये एक मंच की तरह काम करेगा। उद्घाटन सत्र के दौरान भारत में अमरीका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने जोर देकर कहा अमरीका सरकार दक्षिण एशिया के अक्षय ऊर्जा रूपांतरण का समर्थन करने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध है और आज मैं कई प्रमुख पहलों की शुरुआत को देखकर रोमांचित हूं क्योंकि वे इस प्रयास को आगे बढ़ाने में मदद करेंगे। दक्षिण एशिया ने खुद को अपनी चुनौतियों के लिए रचनात्मक समाधान तैयार करने वाले सबसे प्रभावशाली क्षेत्रों में से एक के रूप में स्थापित किया है। यह नई पहल परिवर्तनकारी कदमों के जरिये जलवायु संकट को दूर करने के लिए देशों के साथ साझेदारी करने की अमरीका की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। हमारे पास एक साथ काम करके अपने धरती और लोगों की रक्षा करने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए अपनी समृद्धि का निर्माण करने का एक असाधारण मौका है। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर ने फोरम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा दक्षिण एशियाई देशों में तेजी से आर्थिक विकास को देखते हुए स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को प्राथमिकता देना समय की मांग है।

बंगाल में नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के बाद हत्या

जयगांव। भारत-भूटान सीमा पर पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार जिले के जयगांव में एक दुखद घटना में नाबालिग बच्ची का शव बरामद हुआ है जिसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या की गई है। पुलिस ने इस मामले में अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

एसडीपीओ प्रसान्ता देबनाथ ने बताया कि बच्ची का शव झाड़ियों में मिला और उसकी पहचान सात वर्षीय किशोरी के रूप में हुई है। बच्ची के परिवार ने उसके अपहरण की शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने तलाश शुरू की थी।

सफाई कर्मचारियों को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए करें कार्य : पंवार

एजेंसी ◀ शिमला
www.dailypioneer.com

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग की बैठक का आयोजन बचत बचत भवन में किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता अंजना पंवार, उपाध्यक्ष राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग केंद्र सरकार ने की। इस बैठक में हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों के नियोजन प्रतिषेध व उनका पुनर्वास अधिनियम 2013 के अंतर्गत प्रगति कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए पंवार ने कहा कि सफाई कर्मियों का साल में दो बार स्वास्थ्य चेकअप करवाया जाए। इस चौकअप में शरीर के सभी अवश्य टेस्ट करवाएं जाएं। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों में सोसाइटी बना कर सफाई कर्मियों की तैनाती के लिए कार्य करें। हर महीने में सफाई कर्मियों के साथ संबंधित अधिकारी बैठक करते हुए विभिन्न मुद्दों के समाधान पर कार्य करें। सफाई कर्मियों के सरकारी आवासों में मरम्मत कार्यों पर प्रशासन कार्य करें। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मियों से मूल पद पर ही कार्य लिया जाए। वहीं पुलिस में सफाई कर्मियों से जुड़े मामले की जांच में तीव्रता लाने के निर्देश पुलिस विभाग को दिए। नगर निगम शिमला में आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्य कर रहे सफाई कर्मियों को आउटसोर्सिंग एजेंसी द्वारा फ्री मेडिकल चेकअप, ग्रुप इंश्योरेंस, पीएफ डिडक्शन की जानकारी पे स्लिप पर अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मियों के पदों में इजाफा किया जाए ताकि सफाई कार्यों को और प्रभावी ढंग से किया जाए। सफाई कर्मियों के रिहायशी क्षेत्रों में सामुदायिक भवन बनाए जाए। जहां पर सामुदायिक भवन है वहां पर एक कमरे में पुस्तकालय स्थापित किया जाएगा। सफाई कर्मी के सेवानिवृत्ति से छह महीने पहले पेंशन केस के सारे दस्तावेज तैयार किए जाए। उन्होंने कहा कोई भी सफाई कर्मी जब सेवानिवृत होगा तो विभाग के कार्यालय से उसे पूरे सम्मान के साथ विदाई दी जाएगी। इसके लिए एक छोटा कार्यक्रम कार्यालय में आयोजित होगा। सफाई कर्मियों की ग्रुप इंश्योरेंस होना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बैंक प्रबंधन को निर्देश दिए गए कि सीएसआर के फंड का इस्तेमाल सफई कर्मियों की बस्तियों में खर्च करें। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के लिए सफाई कर्मियों हेतु जागरूकता शिविरों का आयोजन करें। उन्होंने कहा कि 'मैनुअल स्कैवेंजर्स के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013' के तहत मैनुअल स्कैवेंजिंग को पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है। इसके साथ ही इस अधिनियम के तहत नालियों, सीवर टैंकों, सेप्टिक टैंकों को बिना किसी सुरक्षा उपकरण के मैन्युअल रूप से साफ करने के लिये लोगों को रोजगार देना या उन्हें इससे जोड़ना एक दंडनीय अपराध है।

बिजनेस ब्लास्टर प्रोग्राम के सकारात्मक परिणाम आने लगे : चीमा

दिड़बा। पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कॉमरेड भीम सिंह स्कूल ऑफ एमिनेंस, दिड़बा और सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, महिलां में मेगा पीटीएम के अवसर पर विद्यार्थियों को जीवन में बड़ी उपलब्धियां हासिल करने के लिये प्रेरित किया। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को व्यापार क्षेत्र की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से बिजनेस ब्लास्टर प्रोग्राम की शुरुआत की गयी थी, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को भविष्य के व्यवसायी बनाने के लिये मार्गदर्शन किया जा रहा है और आज के इस कार्यक्रम में उद्यमशीलता कौशल वाले छात्रों द्वारा तैयार किये गये।

पंजाब शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव की राह पर : भगवंत

वार्ता ◀ नंगल
www.dailypioneer.com

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब के शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव के कारण राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में अध्यापक-अभिभावक मुलाकात (मेगा पीटीएम) के दौरान 27 लाख अभिभावकों ने हिस्सा लिया। मेगा पीटीएम के दौरान 'स्कूल ऑफ एमिनेंस' का दौरा करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पंजाब के लिये एक ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि राज्य के हर सरकारी स्कूल में पीटीएम आयोजित की जा रही है।

उन्होंने कहा कि करीब 27 लाख अभिभावक स्कूलों में जाकर पढ़ाई, वातावरण, गतिविधियों और बच्चों को प्रदान की जा रही अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। मान ने कहा कि इस पहल से अध्यापकों को अभिभावकों के साथ विद्यार्थियों के प्रदर्शन पर विचार-विमर्श करने का सही मौका मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के शिक्षा क्षेत्र में पीटीएम आयोजित करने का निर्णय एक अनुकरणीय कदम है, क्योंकि इससे पहले इस तरह की पीटीएम सिर्फनिजी स्कूलों में होती थी, जबकि सरकारी स्कूल ऐसे महत्वपूर्ण अवसरों से वंचित रह जाते थे।

उन्होंने कहा कि यह कदम विद्यार्थियों के हित में शिक्षा के बेहतरीन तरीकों में से एक है। मान ने कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा क्रांति के एक नए युग की शुरुआत की है और इसके लिये कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार 202 प्रिंसिपलों/ शिक्षा अधिकारियों के छह बैचों को पांच दिवसीय लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिये सिंगापुर भेज चुकी है।

छत्तीसगढ़ के सभी आगंनबाड़ी केन्द्र 8 नवम्बर को रहेंगे बंद

सभी जिला मुख्यालय में धरना, रैली, प्रदर्शन कर पीएम-सीएम के नाम सौंपा जाएगा ज्ञापन

पायनियर संवाददाता ➤ किरंदुल
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्र 08 नवम्बर को बन्द रहेंगें। आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ता सहायिका संघ के जिलाध्यक्ष रानी राव,परियोजना अध्यक्ष अनिता मंडावी, मीडिया प्रभारी गीता देवनाथ मीडिया को बताया कि छत्तीसगढ़ में महिला एवं बाल विकास विभाग के अन्तर्गत संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों मे कार्यरत कार्यकर्त्ता एवं सहायिकाओं के जीने लायक वेतन, बुढ़ापे की सहारा पेंशन ग्रेज्युवेटी, समूह बीमा योजना इत्यादी जैसे मूलभूत सुविधाओं के साथ ही साथ केन्द्र संचालन में प्रतिदिन आ रही दैनंदिन व्यवहारिक लम्बित समस्याओं को राज्य सरकार को समय समय पर अवगत कराते आ रहे हैं।केन्द्र संचालन और विभागीय योजनाओं के विभिन्न योजनाओ के सफल क्रियान्वयन और उसका लाभ जन जन को पहुंचें इसके लिये भी चिन्तित है और उस कार्य को भी कर रहे हैं। पर्याप्त सुविधा और उचित प्रशिक्षण के अभाव के बाद भी सभी जानकारियां मोबाईल या विभाग के मंशानुरूप कर रहे हैं। विभागीय कार्यों आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन के साथ ही साथ बीएलओ निर्वाचन एनजीओ का और अन्य विभागों का बहुद्देशयी कार्यकर्ता के रूप मे भी काम कर रहे।सचिव महिला एव बाल विकास का समय समय पर जारी आदेश कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिकाओं से विभागीय कार्य के अलावा दुसरा कार्य ना लिया जाये इसका भी कही कोई पालन नही हो रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को स्वय सरकार कहती है मानसेवी है और ड्रेस नही पहनने पर मानदेय काटना। ड्रेस को ही पहचान बताना कहां तक सही है जबकी ये स्वयं उस गांव के बेटी बहु है उनको सब पहचाते है जानते।वास्तव मे ड्रेस की जरूरत तो उसके लिये है जो सुपरवाईजर बीस पच्चीस केन्द्र अलग अलग गांव में माह में कभी कभी जाती है उसके लिये यह जरूरी हैं।यह और दुखद बात है कि विभागीय गतिविधियो के संचालन मे आ रही समस्याएं। शासन के मंशानुरूप मिलने वाली सुविधा जैसे समय पर हर माह के 5 तारीख तक मानदेय भुगतान।सहायिकाओं को रिक्त कार्यकर्ता के पद पर पदोन्नति दिये जाने की विसंगति। इसी तरह ड्रेस के संबंध मे चर्चा की गई लेकिन उसके कोई सार्थक परिणाम नही आने से क्षुब्ध हैं। पूर्व में सौंपे गए और लम्बित 15 सूत्रीय मांग पत्र के निराकरण सुमन यादव मंच पदाधिकारी के बहाली और सुपरवाईजरों के लिये भी ड्रेस कोड लागू करने तथा विभाग के अतर्गत एक स्थान पर तीन वर्ष से अधिक समय से पदस्थ अधिकारी कर्मचारियो के स्थानान्तरण अन्यत्र किये जाने सबंध माग को लेकर एक दिवसीय प्रदेश भर के हर जिला में 08 नवम्बर धरना प्रदर्शन काम बंद केन्द्र बंद कर किये जाने का निर्णय लिया गया। इसी परिप्रेक्ष्य में दंतेवाड़ा जिले के भी सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को बन्द रखा जाएगा।

एनएमडीसी किरंदुल परियोजना में अंतर परियोजना बॉलीबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ

पायनियर संवाददाता ➤ किरंदुल
www.dailypioneer.com

देश की लोह अयस्क उत्पादन एवं प्रेषण की अव्वल नवरत्न कंपनी एनएमडीसी जहाँ एक तरफ लोह अयस्क का रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन करते हुए देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं तो वहीं दूसरी तरफ एनएमडीसी जिन मेहनत कश श्रमिकों के दम पर उत्पादन के अपने ही बनाये हुए पिछले रिकार्डों को तोड़ कर नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं । तो वहीं दूसरी तरफ एनएमडीसी अपने कर्मचारियों की बेहतर फिटनेस के लिए समय समय पर इंटर प्रोजेक्ट खेलों का भी आयोजन करती रहती हैं। इस ही तारतम्य में एनएमडीसी की मदर प्रोजेक्ट किरंदुल में बैलाडीला आयरन ओर किरंदुल कॉम्प्लेक्स में क्रीड़ा सलाहकार समिति द्वारा किरंदुल परियोजना के फुटबॉल ग्राउंड में इंटर प्रोजेक्ट बॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । उल्लेखनीय हैं कि 21 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक एनएमडीसी किरंदुल परियोजना में एनएमडीसी की पन्ना माइन, हैदराबाद मुख्यालय, द्रोणामल्ली माइंस, नगरनार स्टील प्लांट, बचेली माइंस, किरंदुल माइंस की टीमों के मध्य इंटर प्रोजेक्ट बॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है ।सर्वप्रथम किरंदुल परियोजना प्रमुख संजीव साही ने झंडारोहण पश्चात उपस्थित खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया। इस दौरान कार्मिक प्रमुख बी के माधव, सिविल प्रमुख टी एस रामनाथ, एसके एमएस सचिव राजेश संधू, इंटक सचिव ए के सिंह, विनोद कश्यप, देवाशीष पॉल, दामोदर नाग, जागेश्वर प्रसाद, राजेश दुबे, के साथ क्रीड़ा सलाहकार समिति के अजय बाघे, देवरायलु, बालेंद्र बघेल, मोहम्मद यासीन, बृजेश यादव, महेश संबेटा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक राजनाथ ने किया ।

कोहकामेटा में प्रधानमंत्री आवास मेला आयोजित

पायनियर संवाददाता ➤ नारायणपुर
www.dailypioneer.com

कलेक्टर नारायणपुर बिपीन मांझी के निर्देशन में ग्राम पंचायत कोहकमेटा में प्रधानमंत्री आवास मेंला का आयोजन किया गया उक्त आयोजन में विकासखंड ओरछा के हितग्राही शामिल हुए। इस अवसर पर हितग्राहियों आयतु एवं गिल्लू के आवास में तोरण एवं रंगोली बनाकर उनके परंपरा के अनुरूप आवासों में गृह प्रवेश कराया गया।

इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य प्रताप मंडावी ने स्वीकृत वर्ष 2024-25 में स्वीकृत जन मन योजना के नवीन आवास हितग्राही सुखनी/राजू, रामबती/अजीत, लालचु/कुले का भूमि पूजन करवाया गया। इसके अलावा नए स्वीकृत आवास के हितग्राहियों को स्वीकृति आदेश का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को उनके क्षेत्रीय भाषा में योजना की जानकारी दी गई। इस दौरान आवास मॉडल का प्रदर्शन किया गया ।उक्त आयोजन में जिला पंचायत सदस्य प्रताप मंडावी,मुख्य कार्य पालन अधिकारी जनपद पंचायत ओरछा मेघलाल मंडावी, जिला समन्वयक प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण गिरेंद्र साहू, स्वच्छ भारत मिशन के जिला सलाहकार जीवन, विकासखंड समन्वयक नीलिमा राणेंद्र, सहायक करारोपण अधिकारी चेतन लाल मार्कण्डेय, सरपंच /सचिव ग्राम पंचायत कोहकमेटा, झारवाही, मुरनार एवम जिला/ जनपद के अधिकारी/ कर्मचारी उपस्थित थे।

जनदर्शन में अपर कलेक्टर पंचभाई ने सुनी आमजनों की समस्याएं

पायनियर संवाददाता ➤ नारायणपुर
www.dailypioneer.com

कलेक्टर बिपिन मांझी के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर बीरेन्द्र बहादुर पंचभाई के द्वारा जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के विभिन्न गांवो से पहुंचे लोगों से मुलाकात किया। उन्होंने मुलाकात कर उनकी मांगो एवं समस्याओं और शिकायत संबंधी आवेदनों का निराकरण कराने संबंधित विभाग के अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिये। आज जनदर्शन में समस्त ग्रामवासी ग्राम बेड़मा, करेनार द्वारा ग्राम बेड़मा में पुलिया निर्माण, ज्ञान ज्योति शाला बेड़मा में बाउड्रीवाल स्वीकृत करवाने, नई ट्रांसफार्मर एवं नई विद्युत कनेक्शन लाईन प्रदान करने एवं करेनारपारा, बेड़मा में प्राथमिक शाला एवं आंगनबाड़ी स्वीकृत करवाने, राजबती सरपंच ग्राम पंचायत बोरपाल द्वारा पुलिया बनाने एवं ईदखसा से ईन्दुलपारा झुन्नू के घर तक सड़क बनाने, सुशीला गावड़े ग्राम फरसगांव द्वारा रोजगार मांगने, समस्त ग्रामवासी ग्राम गुमियाबेड़ा द्वारा प्राथमिक शाला गुमियाबेड़ा कोटेनार का अपूर्ण कार्य को अतिशीघ्र पूर्ण करने एवं द्वितीय श्रेणी सड़क निर्माण की मुरूमीकरण कार्य स्वीकृत करने, प्रभावी मिश्रा अधिक्षिका एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय ओरछा, छोटेडोंगर द्वारा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय छोटेडोंगर की समस्याओं के संबंध में, समस्त ग्रामवासी ग्राम परलभाट द्वारा नवीन सड़क निर्माण के संबंध में, माहंगीलाल कोर्राम ग्राम छोटेसुहनार द्वारा खेत में फेंसिंग तार लगाने, फगनी कोर्राम गुडरीपारा नारायणपुर द्वारा पुनः कार्य में वापस रखने हेतु, समस्त ग्रामवासी ग्राम उड़ीदगांव द्वारा गांव में सामुदायिक भवन के निर्माण एवं ग्राम उड़ीदगांव में जात्रा स्थल पहुंच हेतु सी.सी. रोड़ बनाने, समस्त ग्रामवासी गरांजी द्वारा बिगड़े नल सुधारने एवं पानी नल सुधारने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। इस प्रकार जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों पर अपर कलेक्टर बीरेन्द्र बहादुर पंचभाई ने गंभीरतापूर्वक सभी आवेदनों पर शीघ्र कार्यवाही करने के लिए ग्रामीणों को भरोसा दिलाया।

मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता स्वीकृत

नारायणपुर। राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड 6-4 के तहत् प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर बिपिन मांझी के निर्देशन में अपर कलेक्टर बीरेन्द्र बहादूर पंचभाई द्वारा पीड़ित परिवार के परिजनों को 4-4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत दी गई है। मृतिका होलोबाई, पति देशीराम, निवासी ग्राम पुंगारपाल की मृत्यु 15 अक्टूबर 2023 को और मृतिका नंदेबाई, पति मासो, निवासी ग्राम रेंगाबेड़ा की मृत्यु 08 सितम्बर 2023 को सर्पदंश के कारण हुई थी। मृतिका होलोबाई के निकटतम वारिस पति देशीराम तथा मृतिका नंदेबाई के निकटतम वारिस पुत्र दसरू हेतु 4-4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। उक्त स्वीकृत सहायता राशि का भुगतान तहसीलदार नारायणपुर को राशि बैंक ड्राफ्ट या चेक के माध्यम से एक सप्ताह के भीतर कराने के निर्देशित किया गया हैं।

किरन्दुल में की जा रही है निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण का कार्य

पायनियर संवाददाता ➤ किरंदुल
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के आदेश अनुसार वार्ड क्रमांक 5 वोरा कैंप किरंदुल में नगर पालिका निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण का कार्य चल रहा हैं। जिसमें मंगलवार दोपहर 02 बजे जोड़ने, संशोधन,स्थानांतरण एवं नाम विलोपित करने का कार्य किया गया।मौके पर बीएलओ सुरेन्द्र साहू एवं सहयोगी के उषा उपस्थित थे।

किरंदुल में बैलाडीला टैलेंट हंट का मेगा ऑडिशन हुआ संपन्न

पायनियर संवाददाता ➤ किरंदुल
www.dailypioneer.com

लौहनगरी किरन्दुल बैलाडीला क्षेत्र में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है।परंतु सही मंच ना मिलने के कारण उनकी प्रतिभा छुपी रह जाती हैं। ऐसे ही प्रतिभावान कलाकारों को मंच देकर उनके खूबियां को लोगों के बीच लाने के लिए नगर की एक संस्था ÷पहल÷ ने अपना पहला प्रयास करते हुए नगर में गायन एवं समूह नृत्य प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया।जिसके तहत 20 अक्टूबर दोपहर 1:00 बजे से नगर में सभी प्रतिभागियों का मेगा ऑडिशन प्रारंभ किया गया।सिंगिंग में जूनियर एवं सीनियर दो वर्ग रखा गया।जूनियर में 18 वर्ष से कम व सीनियर में 18 वर्ष आए ऊपर के प्रतिभागियों को शामिल किया गया।तथा ग्रुप डान्सिंग में आयु की कोई सीमा नही थी। ऑडिसन के माध्यम से सभी कलाकारों का चयन किया गया।इस मेघा ऑडिसन के विभिन्न प्रतियोगिताओं में लगभग 85 बच्चों ने हिस्सा लिया था।इस मेघा ऑडिसन में जजों के द्वारा सिंगिंग के दोनों वर्ग एवं डान्सिंग के फाइनलिस्ट का चयन किया गया। जिसका फाईनल मुकाबला 25 अक्टूबर को किरंदुल के फुटबॉल ग्राउंड में भव्य रूप से संपन्न कराया जाएगा।जिसमें ग्रुप डांस के विजेता को 25000 रुपए एवं ट्रॉफी, दूतीय स्थान पाने वाले को 15000 एवं तृतीय स्थान पाने वाले को 10000 का नगद पुरस्कार दिया जाएगा।सिंगिंग के जूनियर व सीनियर दोनो वर्ग के विजेता को 15000 एवं ट्रॉफी, द्वितीय स्थान पाने वाले को 10000 और तृतीय स्थान पाने वाले को 5000 दिया जाएगा।इस संबंध में 'पहल' संस्था के अध्यक्ष जमील खान व सचिव के साजी से चर्चा करते हुए कहा हमारी संस्था 'पहल' का यह पहला प्रयास है। हमारी कोशिश यही है कि बैलाडीला क्षेत्र के लोगों में छुपी प्रतिभा को हम निखार कर लोगों के सामने लाएं। हमारे इस छोटे से प्रयास से जहां कलाकारों को अपने प्रतिभा को प्रदर्शित करने मंच प्राप्त होगा वही उनमें से चयनित कलाकारों को अपने कला के बलबूते पर ऊंची उड़ान उड़ने में मदद मिलेगी। आगे भी हम इसी तरह अन्य क्षेत्र के कलाकारों को भी सामने लाने का प्रयास जारी रखेंगे।

सीमांकन कार्य के लिए नगर पालिका किरन्दुल द्वारा अनाउंसमेंट कर दी गई जानकारी

पायनियर संवाददाता ➤ किरंदुल
www.dailypioneer.com

किरन्दुल नगरपालिका परिषद द्वारा मंगलवार दोपहर 03 बजे अनाउंसमेंट करवाकर वार्डवासियों को सूचित किया गया दिनांक 24 अक्टूबर 2024 को व्होरा कैम्प किरन्दुल में राजस्व विभाग द्वारा आवेदक रमेश कुमार जयसवाल पिता सत्यनारायण जयसवाल निवासी निहारिका कोरबा तहसील कोरबा की ग्राम किरन्दुल व्होरा कैम्प घरवारी हल्फ़ा नम्बर 07 तहसील बड़े बचेली में स्थित भूमि खसरा नम्बर 04 रकबा 2.230 हेक्टेयर का सीमांकन कार्य किया जाना हैं।अतः सभी व्होरा कैम्प वार्डवासी उक्त सीमांकन कार्य में सहयोग प्रदान करें और किसी प्रकार का व्यधान न डालें।

जल प्रबंधन के लिए ग्राम सभा का आयोजन

जल जीवन मिशन ग्राम बोरगांव के हर घर में पहुंच रहा शुद्ध पेयजल

पायनियर संवाददाता ➤ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

कोंडागांव विकासखंड के ग्राम बोरगांव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना 'जल जीवन मिशन' के अंतर्गत सभी घरों में पाइपलाइन के माध्यम से स्वच्छ जल पहुंचाया जा रहा है। यह योजना न केवल ग्रामीणों के जीवन में सुधार लाने में कारगर है, बल्कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संकल्पना को भी साकार करती है कि हर नागरिक को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो। जल जीवन मिशन की स्थापना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है। यह मिशन न केवल जल संकट को दूर करता है, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक विकास के लिए भी एक मजबूत आधार तैयार करता है। इस मिशन के तहत, सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि हर घर में नल जल की सुविधा हो, जिससे लोगों को पानी के लिए भटकना न पड़े। ग्राम बोरगांव में योजना का लाभ घर-घर पहुंचाने के लिए ग्राम सभा का आयोजन किया गया, जिसमें ग्राम पंचायत के सरपंच, ग्राम स्तरीय समिति के सदस्य और ग्रामवासी शामिल हुए। इस सभा में नल जल योजना को सुचारू रूप से चलाने के लिए ग्राम वासियों की सहमति ली गई। यह एक महत्वपूर्ण कदम था, क्योंकि इस योजना की सफलता के लिए समुदाय का सहयोग आवश्यक है। सभा में समिति के सभी सदस्यों को योजना के संचालन और रखरखाव के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। यह सुनिश्चित किया गया कि सभी सदस्य अपनी जिम्मेदारियों को समझें और योजना को सही तरीके से लागू करने में सहयोग करें। सभा में जल संरक्षण और जल संवर्धन के महत्व पर भी चर्चा की गई। ग्रामीणों को बताया गया कि पानी की सीमित मात्रा का उपयोग कैसे किया जाए। किचन, गार्डन और अन्य उपयोगों में पानी बचाने के तरीकों पर भी विचार-विमर्श हुआ। यह जागरूकता न केवल जल संकट को दूर करने में मदद करेगी, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी जल संसाधनों को संरक्षित करने में सहायक होगी।

टैप जल आपूर्ति का लाभ ले रहे हैं ग्रामीण - जल जीवन मिशन के तहत अब बोरगांव में घर-घर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। पहले ग्रामीण हैंडपंप और अन्य जल स्त्रोतों पर निर्भर थे, जिससे बरसात के दिनों में पानी भरने में समस्या आती थी, और गर्मियों में भू-जल स्तर कम होने के कारण कठिनाईयों का सामना करना पड़ता था। लेकिन अब, गांव में पानी टंकी के निर्माण से ग्रामीणों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो रहा है।

योजनाओं के सही क्रियान्वयन के लिए ग्रामीणों की सहभागिता जरूरी

ग्राम बोरगांव की इस सफलता की कहानी यह दर्शाती है कि जब सरकार और समुदाय एक साथ मिलकर काम करते हैं, तो किसी भी चुनौती का सामना किया जा सकता है। जल जीवन मिशन के तहत बोरगांव में नल जल प्रदाय का कार्य केवल पानी की उपलब्धता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य, स्वच्छता और विकास का एक समग्र दृष्टिकोण है। इस योजना के माध्यम से, ग्रामीणों को न केवल स्वच्छ पानी मिल रहा है, बल्कि उनकी जीवनशैली में भी सुधार हो रहा है। आज बोरगांव एक उदाहरण प्रस्तुत करता है कि कैसे सही नीतियों और सामुदायिक सहयोग के माध्यम से बदलाव लाया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, यह योजना ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उनका दृढ़ विश्वास है कि जल एक मौलिक अधिकार है और हर व्यक्ति को इसकी उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने हमेशा यह संदेश दिया है कि अगर हम जल संसाधनों का सही उपयोग करें, तो न केवल अपने जीवन को सुधार सकते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक बेहतर भविष्य तैयार कर सकते हैं।

एनएमडीसी स्टील लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
पंजीकृत कार्यालय: द्वारा एनएमडीसी आयरन एंड स्टील प्लांट पोस्ट: नगरनार
जिला: बस्तर, पिन: 494001, छत्तीसगढ
(CIN) – U27310CT2015GO1001618

ऊपर से गुजरने वाले ट्रैक्शन वायर को ऊर्जीकृत करने के लिए सार्वजनिक सूचना (प्रोफार्मा 10.01)

पूर्वी तट रेलवे के निम्नलिखित खंड के पूर्ण किए गए सेक्शन पर स्थित रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं को यह यह सूचित किया जाता है कि 25,000 वोल्ट, 50 हर्ट्ज़, एसी ऊपर से गुजरने वाले ट्रैक्शन वायर को नीचे दिए गए तारीख के अनुसार ऊर्जा दी जाएगी (विद्युत प्रवाह किया जायेगा)। उसी तारीख से, ऊपर से गुजरने वाली ट्रैक्शन लाइनों को हर समय जीवित (लाइव) माना जाएगा और किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति को इन लाइनों के पास आने या इनके निकट कार्य करने की अनुमति नहीं होगी।

खंड	मंडल	ऊर्जा देने की तारीख Date of Charging
लिंक ट्रैक, आमागुड़ा स्टेशन और एनएमडीसी स्टील लिमिटेड की निजी रेलवे साइडिंग (इनप्लांट रेलवे यार्ड सहित)	वाल्टेयर	25.10.2024

एसी 25KV ट्रैक्शन का परिचय
सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए चेतावनी (प्रोफार्मा–10.02)

जनता को सूचित किया जाता है कि **"लिंक ट्रैक के आमागुड़ा स्टेशन और एनएमडीसी स्टील लिमिटेड की निजी रेलवे साइडिंग (इनप्लांट रेलवे यार्ड सहित) पर 1–फेज, 25,000 वोल्ट, 50 हर्ट्ज़ एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के परिचय के संबंध में"** सभी लेवल क्रॉसिंग्स पर 4.78 मीटर की स्पष्ट ऊंचाई के साथ ऊंचाई मापक लगाए गए हैं। इसका उद्देश्य है कि ऊंचाई वाली लोड ट्रैक्शन वायर (संपर्क वायर) से संपर्क या खतरनाक निकटता में न आए, जो रेल स्तर क्रॉसिंग से न्यूनतम 5.5 मीटर की ऊंचाई पर होगा।

सर्वजनों को सूचित किया जाता है कि वे उपर्युक्त ऊंचाई का ध्यान रखें और यह सुनिश्चित करें कि सड़क वाहनों में लदी वस्तुएं किसी भी परिस्थिति में ऊंचाई मापक को पार न करें।

अधिक ऊंचाई वाले लोड के खतरों में शामिल हैं:
1. ऊंचाई मापक को नुकसान और सड़क और रेलवे लाइन दोनों में अवरोध।
2. लदे हुए सामान या वाहन को नुकसान।
3. संपर्क वायर के संपर्क में आने से आग का खतरा और जान का जोखिम।

उप महाप्रबंधक (इलेक्ट्रिकल)
ट्रैफिक विभाग
एनएमडीसी स्टील लिमिटेड, नगरनार

जिला मुख्यालय में 5 नवम्बर को होगा एक दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम

समय सीमा की बैठक में कलेक्टर नम्रता गांधी ने की विभागवार प्रकरणों की समीक्षा

पायनियर संवाददाता ◂ धमतरी
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। इसके मद्देनजर कलेक्टर नम्रता गांधी ने समय सीमा की बैठक में राज्योत्सव की तैयारियां करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय स्थित स्थानीय डॉ शोभाराम देवांगन शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल के एकलव्य खेल परिसर में आगामी 5 नवम्बर को राज्योत्सव का एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विकास विभागों की विभागीय प्रदर्शनी में उपलब्धियों, महत्वपूर्ण योजनाओं एवं सफल परियोजनाओं को विशेष रूप से प्रदर्शित की जाएगी। इसके साथ ही एक नवम्बर से 6 नवम्बर तक सभी शासकीय भवनों में रोशनी करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। उन्होंने विद्युत विभाग को बिजली आपूर्ति बाधित ना होए यह सुनिश्चित करने कहा। बैठक में सीईओ जिला पंचायत रोमा श्रीवास्तव, अपर कलेक्टर जी आर मरकाम सहित जिला स्तरीय अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने नोडल अधिकारियों को धान खरीदी की गाइडलाइन का अध्ययन कर लेने कहा, ताकि नियम प्रक्रिया के अनुरूप धान की खरीदी की जा सके। इसके साथ ही समिति प्रबंधकों से बात कर प्रकरणों की जानकारी लेने और धान खरीदी केन्द्रों में फ्लैक्स लगाने, मुनादी कराने, पेयजल, छाया इत्यादि की व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा। शासन के निर्देशानुसार खसरा नंबर के आधार पर ही धान खरीदी की जानी हैए इसके मद्देनजर कलेक्टर ने खसरा नंबर की जांच पटवारी की उपस्थिति में करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने यह कार्य धान खरीदी शुरू होने से पूर्व कर लेने कहा। कलेक्टर ने कहा कि धान कटाई के बाद किसान खेतों में पैरा नहीं जलाएं, इस पर निगाह रखने के निर्देश कृषि विभाग को दिए। इसके लिए ग्रामसभा आयोजित कर समझाईश देने और पैरा जलाते हुए पाए जाने पर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। इसके साथ ही ग्रीष्मकालीन धान के बदले दलहनए तिलहन को प्रोत्साहित करने हेतु आयोजित शिविरों में किसानों के पंजीयन की स्थिति की जानकारी कलेक्टर ने ली। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर गांधी ने योजना के तहत पूर्ण, अपूर्ण और निर्माणाधीन कार्यों की जानकारी विकासखण्डवार ली। उन्होंने कहा कि आवास निर्माण के कार्यों को लक्ष्य के आधार पर शत.प्रतिशत पूरा कर लिया जाए। समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन, जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविरों में मिले आवेदनों के निराकरण की जानकारी ली और समय सीमा में प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, लोक निर्माण विभाग, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग, खाद्य, जल संसाधन, क्रेडा, आदिवासी विकास विभाग, उद्यानिकी, मत्स्यपालन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग इत्यादि की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिए।

शासकीय महाविद्यालय में हिन्दी सप्ताह व्याख्यान माला कार्यक्रम का उद्घाटन

पायनियर संवाददाता ◂ सरायपाली
www.dailypioneer.com

स्व. राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय में हिंदी विभाग द्वारा हिंदी सप्ताह के अंतर्गत 'हिंदी की गद्य विधाएँ' विषय पर व्याख्यान माला का आयोजन, प्राचार्य पी.के. भोई के संरक्षण एवं विभागाध्यक्ष डॉ. संध्या भोई के निर्देशन में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के प्रथम दिवस में उपन्यास : उद्भव एवं विकास क्रम विषय पर व्याख्यान हुआ। सर्व प्रथम माता सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर एवं राज्य गीत गायन के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया, तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया। कु. गायत्री मिश्रा ने सरस्वती वंदना एवं दीपक भोई ने ओड़िया गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अंकित भोई सहायक प्राध्यापक हिंदी, शासकीय नवीन महाविद्यालय पिरदा रहे। स्वागत संभाषण विभागाध्यक्ष डॉ. संध्या भोई, अध्यक्षीय उद्बोधन, महाविद्यालय के प्राचार्य पी. के. भोई का रहा। विशिष्ट अतिथि के रूप में आई क्यू ए सी समन्वयक के. एस. पटेल उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि अंकित भोई ने हिंदी गद्य की विधाएँ विषयांतर्गत उपन्यास का उद्भव एवं विकासक्रम विषय पर महत्वपूर्ण ज्ञान साझा किया। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. चंद्रिका चौधरी ने किया एवं आभार प्रदर्शन आरती साहू ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय स्नातक तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं के छात्र-छात्राएँ बहु संख्या में उपस्थित रहे।

दस्तावेज लेखक व स्टाम्प वेंडर्स विभिन्न मांगों को लेकर रहे हड़ताल पर

पायनियर संवाददाता ◂ सरायपाली
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ प्रदेश दस्तावेज लेखक जनकल्याण संघ दस्तावेज लेखकों एवं स्टांप वेंडर्स की विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर रहे, जिसमें सरायपाली के दस्तावेज लेखक एवं स्टाम्प वेंडर उपस्थित थे। साथ ही इस संबंध में उनके द्वारा महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक छत्तीसगढ़ रायपुर को ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन में उनके द्वारा दस्तावेज लेखन कार्य में लाइसेंस धारी को ही सर्विस प्रोवाइडर की आईडी प्रदान करने, रजिस्ट्री से संबंधित दस्तावेज भी केवल लाइसेंस धारी आईडी धारकों के माध्यम से बनाए जाने, दस्तावेज लेखन एवं स्टांप वेंडर को दुर्घटना बीमा का लाभ दिए जाने, आईडी प्रदान करने के पश्चात उसका नवीनीकरण प्रतिवर्ष ना करके 5 वर्ष के लिए किए जाने सहित दस्तावेज लेखन हेतु शुल्क निर्धारण व। अन्य मांगों का उल्लेख किया गया है। हड़ताल के दौरान बाबूलाल कर, तिलक प्रसाद साहू, अमृत लाल चौधरी, शिव प्रसाद साहू, भुनेश्वर साहू, मनोज सतपथी, सचिन पात्र, देवेश यादव, खीरराम पटेल, वीरेन्द्र साहू, अनिल आचार्य आदि दस्तावेज लेखन व स्टाम्प वेंडर उपस्थित थे।

शासकीय चराई भूमि घोटाला में नया खुलासा, घनघोर जंगल को बताया गया समतल भूमि

तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक के बाद उपपंजीयक पर भी शासन से धोखाधड़ी का आरोप

पायनियर संवाददाता ◂ धमतरी
www.dailypioneer.com

राज्य शासन द्वारा एक पत्र जारी कर समस्त कलेक्टरों को निर्देशित किया गया है कि वे चरागाह, चराई भूमि, शासकीय भूमि को अपने अपने क्षेत्रों में उसकी सुरक्षा करें और ऐसी भूमियों को किसी भी कीमत पर अतिक्रमणमुक्त रखें। लेकिन धमतरी जिले के विकासखंड मगरलोड के ग्राम राजाडेरा पहनं 13 के राजस्व अभिलेख में चराई मद की भूमि खसरा नं 634 आदि को शासकीय अभिलेखों में कूटरचित रचना कर कुछ व्यक्तियों के नाम पर चढ़ा दिया गया है और उन व्यक्तियों ने इस शासकीय भूमि को लाखों रूपये में विक्रय कर दिया है। यही नहीं उक्त भूमि में घनघोर जंगल है जिसको भी रजिस्ट्री में निरंक बता दिया गया है और वर्तमान में उक्त जंगल की बेरहमी से कटाई की जा रही है, जिसकी शिकायत आरटीआई कार्यकर्ता कृष्ण कुमार साहू ने कलेक्टर धमतरी को करते हुए इसकी उच्च स्तरीय जांच की मांग कर तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पटवारी और संबंधित विक्रेताओं के ऊपर उचित कार्यवाही की मांग की है। कलेक्टर को प्रेषित शिकायत में साहू ने बताया कि विकासखंड मगरलोड अंतर्गत ग्राम राजाडेरा पहनं 13 के अभिलेख में दर्ज शासकीय चराई मद की भूमि खसरा नं 128, खसरा नं 417, 634, 648 को तत्कालीन तहसीलदार विवेक कुमार गोहिया, राजस्व निरीक्षक विमल कुमार भगत तथा पहनं 13 द्वारा शासकीय अभिलेखों में हेरफेर करते हुए उसे रमेश कुमार साहू पिता रामसिंह साहू परसाबुडा, शकुन बाई पिता जगरनाथ सिन्हा परसाबुड़ा, के नाम पर 9.5.22 को दर्ज कर उसकी ऋण पुस्तिका भी जारी कर दी गई। भूमि स्वामी हक प्राप्त होते हुए शकुन बाई पिता जगरनाथ सिन्हा परसाबुडा ने खसरा नं 417 रकबा 0.32, खसरा नं 648 रकबा 0.67 हे भूमि को विक्रय विलेख बैनामा दिनांक 9.9.22 को 7 लाख 57 हजार रूपये में क्रेता रमन चंद्राकर पिता संतोष चंद्राकर निवास नयापारा महासमुंद के नाम पर तथा रमेश साहू पिता रामसिंह निवास ग्राम परसाबुड़ा, ने खसरा नं 128 रकबा 0.42 खनं 634 रकबा 0.72 हे भूमि को विक्रय विलेख बैनामा दिनांक 8.9.22 को 8 लाख 72 हजार रूपये क्रेता ओकार पटेल निवास ग्राम छाती व हरीश देवांगन पिता पृथ्वी देवांगन संजय नगर शिक्षक कालोनी कुरूद जिला धमतरी के नाम पर उपपंजीयक कार्यालय धमतरी में बिक्री कर लाभ अर्जित करते हुए चराई भूमि विक्रय कर दिया। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि उपपंजीयक कार्यालय होने के बावजूद भी उसकी रजिस्ट्री धमतरी में करवाई गई है। और तो और रजिस्ट्री के समय पटवारी प्रतिवेदन में घनघोर वृक्षों के रहते हुए उसे समतल मैदान बताया गया है। शिकायत पत्र आगे यह भी लिखा है कि रजिस्ट्री होने के दो दिवस पश्चात तत्परता दिखाते हुए तहसीलदार विवेक गोहिया ने नामांतरण पंजीयन हेतु आवेदन क्रमांक सीजी 2022-23-101-1-2397 एवं सीजी 2022-23-101-1-2445 दिनांक 12.9.22 दर्ज करते हुए उसी दिन दावा आपत्ति एवं इश्तेहार जारी कर मामले की सुनवाई हेतु 13.12.22 का प्रकाशन किया गया है। जबकि मामले की सुनवाई 13.12.22 के पूर्व ही विक्रय विलेख बैनामा 8.9.22 एवं 9.9.22 को रजिस्ट्री होने के 6 दिवस पश्चात तत्परता दिखाते हुए नामांतरण क्रमांक क्रमशः 5904212/ 170922/ 03448 आदेश क्रमांक सीजी-2022-23-101-1-2397 एवं सीजी 2022-23-101-1-2445 पारित आदेश दिनांक 16.9.22 को क्रेता रमन चंद्राकर पिता संतोष चंद्राकर निवास नयापारा महासमुंद के नाम पर ऋण पुस्तिका क्रमांक 3592112 तथा खसरा नं 128 रकबा 0.42, खनं 634 रकबा 0.72 हे भूमि को विक्रय विलेख बैनामा दिनांक 8.9.22 अनुसार क्रेता ओंकार पटेल पिता आशाराम पटेल निवास ग्राम छाती जिला धमतरी व हरीश देवांगन पिता पृथ्वी देवांगन संजय नगर शिक्षक कालोनी कुरूद जिला धमतरी के नाम पर ऋण पुस्तिका क्रमांक 359216 जारी करते हुए कम्प्यूटरीकृत विलेख में दर्ज कर दिया है। इस तरह हूबहू बनावटी नामांतरण क्रमांक क्रमशः 5904212/170922/ 03448 एवं 5904212/ 170922/ 03448 का हवाला देकर दस्तावेज में कूटरचना कर शासन से छल एवं धोखाधड़ी की गई है। जिला धमतरी में देखा जा रहा है कि पिछले लंबे समय से शासकीय भूमियों में हेरफेर करने वाले कुछ तथाकथित अधिकारी, पटवारी संलग्न हैं। इस मामले की शिकायत लगातार होते रहती है। कुरूद क्षेत्र के कुछ लोगों ने 21 अक्टूबर 2024 को चराई मद की भूमि पर अतिक्रमण को लेकर एक शिकायत की गई है। इसके पूर्व भी ऐसी शिकायतें जिला कार्यालय में प्रस्तुत की जा चुकी है। लेकिन जिला प्रशासन ऐसी शिकायतों को गंभीरता से नहीं ले रहा है। इधर उपपंजीयक कार्यालय जिनके जिम्मे भूमियों को विक्रय के पूर्व जांच पड़ताल करने का दायित्व है, वे आंख मूंदकर ऐसे विवादित भूमि को क्रेता विक्रेताओं के नाम करते आ रहे हैं। ग्राम राजाडेरा पहनं 13 के विक्रय विलेख में भी यही खामियां जान बूझकर उपपंजीयक ने की है और उसमें संलग्न दस्तावेज के अनुसार पंजीयन कार्यवाही कर दी जबकि इन्हें उक्त स्थल जाकर भूमि का मुआयना करना था जहां हजारों की तादाद में वृक्ष रोपित किये गये हैं। क्रेता विक्रेताओं को अघोषित रूप से लाभ पहुंचाने उपपंजीयक धमतरी ने ऐसा कार्य किया है। बताया जाता है कि स्थल निरीक्षण में यदि क्रेता विक्रेताओं द्वारा संलग्न नक्शा जो पटवारी द्वारा प्रस्तुत किया जाता है, उस पर विश्वास करते हुए यह कार्य किया गया है। यदि स्थल का मुआयना किया जाता तो वहां हजारों की तादाद में लगे वृक्षों की गणना कर उसका भी शुल्क वसूला जाना चाहिये था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया है। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि कुरूद उपपंजीयक कार्यालय की रजिस्ट्री धमतरी में कराये जाने से ही मामला संदिग्धता के दायरे में आता है जिस पर उपपंजीयक की लापरवाही प्रमाणित होती है। ग्राम राजाडेरा की लगभग साढ़े 5 एकड़ भूमि का बंदरबांट किया गया है। इस पर जिला प्रशासन जांच में भी कोताही बरत रहा है जिसे लेकर शिकायतकर्ता मायूस है एवं उसके द्वारा यह मामला न्यायालय में प्रस्तुत किये जाने की तैयारी की जा रही है। इस संबंध में जांच अधिकारी अपर कलेक्टर जी आर मरकाम द्वारा दूरभाष पर चर्चा किये जाने पर उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा जांच पूर्ण कर ली गई है तत्काल इसकी जांच रिपोर्ट जिलाधीश को सौंप दिया जायेगा और जो भी जांच में दोषी पाया जायेगा उस पर कार्यवाही भी होगी। इसे लेकर आरटीआई कार्यकर्ता से चर्चा किये जाने पर उन्होंने कहा कि लोकसेवकों को शासन द्वारा समस्त प्रकार की सुविधाएं जैसे वेतन, टीए, डीए के अलावा अन्य सुविधाएं मिलती हैं, बावजूद इसके इनके द्वारा निःस्वार्थ भाव से अपने जीवन में एक भी वृक्ष लगाना एवं उसे तैयार करना असंभव काम होता है। जबकि यहां प्राकृतिक रूप से अनगिनत घनघोर जंगल को रिकॉर्ड में निरंक बताकर उसकी अंधाधुंध कटाई करना गंभीर मामला है।

राजमाता अहिल्याबाई होलकर के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

पायनियर संवाददाता ◂ सरायपाली
www.dailypioneer.com

पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय बिलासपुर के अंतर्गत अध्ययन केंद्र स्व. राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय में पुण्य श्लोक राजमाता अहिल्याबाई होलकर के 300 वीं जयंती के उपलक्ष में निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय एवं स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल में किया गया ।निबंध प्रतियोगिता के पूर्व पुण्यश्लोक राजमाता अहिल्याबाई होलकर के कृतित्व एवं व्यक्ति त्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्य वक्त। के एस पटेल ने उनके योगदान को रेखांकित किया। पुण्य श्लोक राजमाता अहिल्याबाई होलकर की किए गए कार्यों को समाज को परिचित कराने के उद्देश्य से प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पुण्य श्लोक राजमाता अहिल्याबाई होलकर महान शासिका न्यायप्रिय, लोक कल्याणकारी और पर्यावरण संरक्षका थी ।महिला उत्थान एवं समाज सुधार कार्य में उनका योगदान अतुलनीय था, समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण के योगदान में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी ,सामाजिक उत्थान में उनके द्वारा किए गए कार्यों से हम सबको प्रेरणा लेनी चाहिए। यू के बरिहा विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान ने पुण्य श्लोक राजमाता अहिल्याबाई होलकर के व्यक्ति त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राजमाता ने विपरीत परिस्थितियों से लड़ते हुए सामाजिक क्षेत्र के लिए त्याग, बलिदान, समर्पण एवं सेवा भाव को अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित किया। उनके द्वारा सामाजिक आर्थिक राजनीतिक और धार्मिक क्षेत्र में किए गए लोक कल्याणकारी कार्यों पर प्रकाश डाला। यह प्रतियोगिता तीन स्तर पर आयोजित की गई, आठवीं स्तर के प्रतिभागियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम कोमल प्रधान,द्वितीय शेखर वर्ग एवं तृतीय स्थान पर श्रेष्ठ अग्रवाल रहे। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्वाति यादव द्वितीय विमल प्रधान एवं तृतीय स्थान पर आराधना नाग रहे ।इसी प्रकार उच्चतर माध्यमिक स्तर पर नवमी से 12वीं तक के छात्रों के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम निकिता भोई,द्वितीय राशि साहू एवं तृतीय स्थान पर प्रज्ञा साहू रहे ।तथा भाषण प्रतियोगिता में प्रथम आस्था साहू, द्वितीय नीलिमा भोई एवं तृतीय स्थान पर भूपेंद्र पटेल रहे ।महाविद्यालय स्तर में महाविद्यालय के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम गायत्री मिश्रा द्वितीय भूधर चौहान एवं तृतीय स्थान पर उजाला स्वाई रहे तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम भूधर चौहान द्वितीय आशा साहू एवं तृतीय स्थान पर आशा नंद रहे। प्रत्येक स्तर के प्रतिभागियों ने पुण्य श्लोक राजमाता के व्यक्ति त्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला और राजमाता अहिल्याबाई होलकर के समाज और राज्य के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों के संबंध में अपने विचार व्यक्त किया।

जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का अधिकारी गंभीरता से करें निराकरण : कलेक्टर

धमतरी। जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का संबंधित विभाग के अधिकारी गंभीरता से निराकरण करें। आयोजित जनदर्शन में कलेक्टर नम्रता गांधी ने जिले के वनांचल एवं दूर.दराज क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों की समस्याए शिकायत और मांगों को गंभीरता से सुनकर कार्यवाही करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। गौरतलब है कि शासन की मंशानुरूप आमजनों की समस्याए शिकायत और मांगों के त्वरित निराकरण के लिए कलेक्टोरेट में जनदर्शन का आयोजन हर सोमवार को किया जाता है। जनदर्शन में प्रमुख रूप से शौचालय निर्माण, शिक्षकों की व्यवस्था, वृद्धा पेंशन दिलाने, रोजगार दिलाने, मार्ग निर्माण, तालाबों के लीज को नियम विरूद्ध दिए जाने, नल कनेक्शन दिलाने, त्रुटि सुधार, स्कूल भवन निर्माण और आधार कार्ड बनवाने संबंधी आवेदन प्राप्त हुए।

विभिन्न मांगों को लेकर दस्तावेज लेखक एवं स्टाम्प वेंडरों ने किया हड़ताल

पायनियर संवाददाता ◂ कुरुद
www.dailypioneer.com

सभी दस्तावेज लेखको एवं स्टाम्प वेंडरों ने सोमवार को एसडीएम कुरूद को ज्ञापन दिया है। प्रदेश दस्तावेज लेखक एवं स्टाम्प विक्रेता संघ द्वारा पुर्व में प्रस्तावित दिवसीय हड़ताल को 15 दिन के आश्वासन पश्चात् संघ द्वारा 3 दिवसीय हड़ताल को स्थगित कर दिया गया था, परन्तु मांगो पर शासन ने क्या विचार किया यह अब तक ज्ञात नहीं हुआ है। न ही उच्च अधिकारियों द्वारा किसी प्रकार के कार्यवाही के सम्बंध में नहीं बताया गया है, वहीं विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित हो रहे फेसलेश, कैशलेश, पेपरलेश सुगम एप से 21 अक्टूबर से होना प्रदेश सरकार द्वारा अविवार्य कर दिया गया है, जिससे समस्त प्रदेश भर के दस्तावेज लेखक एवं स्टाम्प विक्रेता संघ असंतुष्ट है, जिसका विरोध कर रहे है, संघ के आदेशानुसार अपने अपने तहसील कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी, जिलाधीश को इस पत्र के माध्यम से उक्त विषय के सम्बंध में जानकारी दे रहे है और भविष्य में हम लोगों का रोजगार छिन लिया जायेगा जिससे हम बेरोजगार हो जायेगे। अतः शासन से अनुरोध करते है कि हम लोगो के जिविका का ध्यान रखते हुऐ एवं पक्षकारों की परेशानी को ध्यान में रखते हुऐ सामान्य प्रक्रिया एनजीडी आरएस से रजिस्ट्री हो रहा है जिससे हम संतुष्ट है एवं शासन के पक्ष में है व शासन के पक्ष में कार्यरत है अतः भविष्य में इसी प्रक्रिया से समस्त छत्तीसगढ़ में पंजीयन कार्य किये जाने की 8 सुत्रीय मांग कर रहे है। जिससे समस्त दस्तावेज लेखको, समस्त स्टाम्प वेडरो व पक्षकारों के हित में सर्वोपरि है। हड़ताल में संतोष बेस अधिवक्ता, महेंद्र साहू, गणेश साहू, ललित साहू, जाधव, कबीर, भूपेंद्र निर्मलकर, संजय केला, बीरेंद्र साहू, हिमाचल साहू आदि उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ मे विगत 9 माह मे अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ा : संपत कुमार

प्रदेश सहप्रभारी का कांग्रेसियो ने किया आत्मीय स्वागत, कार्यकर्ताओ की ली बैठक

पायनियर संवाददाता ◂ धमतरी
www.dailypioneer.com

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं छत्तीसगढ़ कांग्रेस के सह प्रभारी एसए संम्पत कुमार का धमतरी आगमन हुआ। वह अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन पहुँचे जहां कांग्रेसियों ने उनका आत्मीय अभिवादन किया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र में माल्यार्पण पश्चात बैठक की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। नव प्रभारी के आगमन की खास बात यह रही कि उन्होंने सभा संबोधन के बाद कार्यकर्ताओं से घंटे देर तक बंद कमरे में वन टू वन मुलाकात की। संगठन का हाल जाना वरिष्ठ कांग्रेसियों से आगामी चुनाव के लिए चर्चा की। युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, छात्र संगठन के कार्यकर्ताओं से मिलकर उनका उत्साह वर्धन किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष शरद लोहाना ने स्वागत उद्बोधन देते हुए पीसीसी सह प्रभारी एसए संम्पत कुमार का अभिवादन करते हुए तीन मे से दो विधानसभा में कांग्रेस की बड़ी जीत के साथ पूर्व मे नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव मे कार्यकर्ताओं की मेहनत को बयां करते हुए अपने उल्लेखनीय कार्यों को बताया। साथ ही कहा की आने वाले चुनाव में समस्त कार्यकर्ताओं की मेहनत और लगन से विजय हासिल करेंगे। प्रभारी कुमार सम्पत ने कार्यकर्ताओं को अभिवादित करते हुए कहा कि मैं युवा कांग्रेस की राजनीति के साथ आगे बढ़ते हुए सोनिया गांधी और खड़गे की कमेटी में कार्य किया और अब छत्तीसगढ़ प्रदेश की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौपी गई है। धमतरी जिला मे विधायक जनपद, नगर पंचायत, जिला पंचायत में कांग्रेस की महिला नेत्रियां प्रतिनिधित्व कर रही है। आज के समय में महिलाओं की सुरक्षा सवालिया निशान बन गई है। यह सरकार महिला सुरक्षा और दिन प्रतिदिन बढ़ते भ्रष्टाचार, दंगे, आम.जनता पर अत्याचार को लेकर अपराधियों के संरक्षण में कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ मे विगत 09 माह मे अपराध का ग्राफलगातार बढ़ा है। आने वाले समय में नगरी निकाय और पंचायत चुनाव होने हैं आप सभी कार्यकर्ताओं ने तीन मे से दो विधानसभा में बड़ी जीत हासिल की है। एक बार फिर आप कार्यकर्ताओं को अपनी जवाबदारी समझकर इन चुनाव में जीत हासिल करनी है। कार्यकर्ता पार्टी और संगठन की जान है आने वाले समय में अनुभवी और सक्रिय कार्यकर्ताओं को अलग-अलग पद और जवाबदारियां सौपी जाएगी। धमतरी विधायक ने प्रभारी का अभिवादन करते हुए सभी कांग्रेस जन और कार्यकर्ताओं को नमन किया और कहा कि आप सभी कार्यकर्ताओं ने हर चुनाव में अपना सर्वस्व दिया है आने वाले चुनाव में आप सभी फिर से एकजुट होकर कांग्रेस के प्रत्याशियों को विजय बनाये। कार्यक्रम का आभार जिला पंचायत उपाध्यक्ष नीशू चंद्राकर एवं संचालन ब्लॉक अध्यक्ष आकाश गोलछा ने किया। इस दौरान अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी सचिव एवं सह प्रभारी छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी एस ए कुमार सम्पत, महासमुंद लोकसभा प्रभारी सकलेन कामदार, जिला कांग्रेस संगठन प्रभारी विनोद तिवारी, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शरद लोहाना, विधानसभा प्रभारी अश्वनी राजपूत, विधायक ओंकार साहू, महापौर विजय देवांगन, पूर्व विधायक गुरुमुख सिंह होरा, डॉ लक्ष्मी ध्रुव, लेखराम साहू, पूर्व अध्यक्ष दिव्यांगजन सलाहकार बोर्ड मोहन लालवानी, पूर्व अध्यक्ष दुग्ध महासंघ विपिन साहू, संयुक्त महामंत्री प्रदेश कांग्रेस पंकज महावर, उपाध्यक्ष जिला पंचायत निशु चंद्राकर, विधायक प्रत्याशी कुरुद तारिणी चंद्राकर, पूर्व मंडी अध्यक्ष कुरुद नीलम चंद्राकर, अध्यक्ष जनपद पंचायत धमतरी मनीषा साहू, अध्यक्ष नगर पंचायत कुरुद तपन चंद्राकर, सभापति जिला पंचायत कविता बाबर, सुमन साहू, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आकाश गोलछा, घनश्याम साहू, राजू साहू, डीहूराम साहू, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष घामेश्वरी साहू, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष नरेंद्र सोनवानी, सेवादल जिला अध्यक्ष होरिलाल साहू, पूर्व पीसीसी सचिव वसीम कुरैशी, प्रदेश प्रवक्ता कृष्णा मरकाम, प्रदेश महिला कांग्रेस उपाध्यक्ष सूर्यप्रभा चेटियार, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष हितेश गंगवीर, देवव्रत साहू, गोपाल प्रसाद शर्मा, विजय प्रकाश जैन, सूर्यारॉव पवार, करण चंद्राकर, जिला कांग्रेस कमेटी कोषाध्यक्ष सलीम रोकडिया, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष मनोज साहू, जिला महामंत्री आलोक जाधव, अमरदीप साहू, नरेश जसुजा, प्रमोद साहू, संतोष सिन्हा, सदस्य जिला पंचायत कुशुमलता साहू, मनोज साक्षी, योगेश बाबर, चंद्रहास साहू, गिरीश साहू, नगर पंचायत आमदी नेता प्रतिपक्ष गजेंद्र कुंभकार, युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव उदित नारायण साहू, ब्लॉक कांग्रेस उपाध्यक्ष योगेश शर्मा, पार्षद दीपक सोनकर, अजय वर्मा, केन्द्रकुमार पेंदरिया, अवैश हासमी, राजेश पांडये, राजेश ठाकुर, प्रवीण नामदेव, गुरुगोपाल गोस्वामी, अवधेश पांडये, तोषण साहू, महेन्द्र साहू, दयाराम साहू, संतोष हिरवानी, राकेश मौर्य, गीतराम सिन्हा, तारिक रजा कादरी, आशुतोष खरे, तोगु गुरुपंच, विजेंद्र रामटेक, राहुल बख्तानी, तोमेश साहू, संजू साहू, सबीना खान, खिलेंद्र साहू, ऋषभ ठाकुर, चुनेश्वर नागेंद्र, पवन यादव, डुमेश्वर साहू, यश दुबे, गंगाराम देशहलहरा, नविन गजेंद्र, नीलकंठ ध्रुव, मोहन जांगड़े, चितेंद्र साहू, नोमेश सिन्हा, धर्मेंद्र पटेल, मिथलेश साहू, शेख सोहेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

व्यापारी एवं उनके कर्मचारी अपने दुकानों के सामने गाड़ी पार्किंग करें बंद : आयुक्त

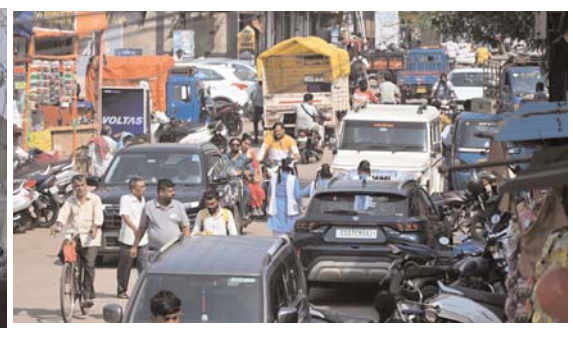

पायनियर संवाददाता ➤ भिलाई
www.dailypioneer.com

अभी त्यौहार का सीजन आ गया है। चारों तरफ मार्केट क्षेत्र में खरीदारी करने के लिए ग्राहक मार्केट में जा रहे हैं। नगर निगम भिलाई द्वारा सभी प्रमुख मार्केट में मार्किंग करवाई जा रही है। एक सर्वे के दौरान यह आया है कि बहुत से दुकानदार अपनी गाड़ी, मोटरसाइकिल, स्कूटी एवं उनके यहां काम करने वाले कर्मचारी साइकिल को अपने दुकानों के सामने किनारे में लगा देते हैं। जिसके कारण आवागमन प्रभावित होता है। उसी के सामने यदि कोई ग्राहक बेतरतीब गाड़ी लगा देता है, जिससे पूरा रास्ता जाम हो जाता है। कुछ व्यापारियों द्वारा सामान की ढुलाई भी दिनों में करवाई जाती है। जिसके कारण ऑटो रिक्शा या ठेला रिक्शा मार्केट में चलते हैं। इससे भी रास्ता जाम हो जाता है। आयुक्त बजरंग दुबे ने सभी अधिकारियो के आदेश डयूटी जारी किये है। जो जोन क्रमांक 01 क्षेत्र में प्र.सहायक राजस्व अधिकारी पी.के.तिवारी, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, राजस्व अधिकारी शशांक शेखर सिंह। जोन क्रं. 02 क्षेत्र में सहायक राजस्व अधिकारी जे.पी.तिवारी, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अनिल मिश्रा। जोन क्रं. 03 मदर टेरेसा नगर क्षेत्र में जोन स्वास्थ्य अधिकारी विरेन्द्र बंजारे, वार्ड प्रभारी दुर्गा माघव पाढ़ी, वार्ड प्रभारी राहुल राजपूत। जोन क्रं. 04 शिवाजी नगर क्षेत्र में सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी। इसी प्रकार जोन क्रं. 05 क्षेत्र में बेदखली दल प्रभारी हरिओम गुप्ता, सहायक दल प्रभारी अंजनी सिंह आकाश गंगा, दक्षिण गंगोत्री, सुपेला कोहका रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, नंदिनी रोड़, जवाहर मार्केट, पावर हाउस, जलेबी चैंक एरिया एरिया में आवागमन को पार्किंग एरिया को व्यवस्थित करवाए। सभी लोग गाड़ियां वहीं पर खड़ा करें, जहां पार्किंग स्थल है। साथ में माल की ढुलाई दुकान बंद होने के बाद करें। दिन में माल की ढुलाई करने से रास्ता बाधित होता है। कभी-कभी गाड़ियां बेतरतीब पार्किंग होने से लोगों को चोट भी लग जाती है। हमको इसका भी ध्यान देना है। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन एवं महापौर नीरज पाल ने सभी व्यापारियों से एवं ग्राहकों से अनुरोध किया है कि गाड़ियों का पार्किंग बनाये गये पार्किंग स्थल पर ही करें, आवागमन को बाधित न करें। त्यौहार का सीजन है लोग घरों से निकलकर सामान खरीदने के लिए आते हैं। पार्किंग में बेतरतीब गाड़ियां खड़ा कर देने से पार्किंग बाधित होता है सहयोग करें।

छत्तीसगढ़ में सतत् योजना के तहत् नगरीय ठोस अपशिष्ट से कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट होगा स्थापित

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

प्रदेश में सतत् एसएटीएटी- सस्टेनेबल अल्टरनेटिव टूवर्ड्स अफोंडेबल ट्रांसपोर्टेशन योजना के अंतर्गत नगरीय ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू) से जैव ईधन जैसे कि कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) उत्पादन की आपार संभावनाओं को देखते हुये छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण (सीबीडीए) द्वारा निरंतर प्रयास के फलस्वरूप भारत सरकार के उपक्रम भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) द्वारा नगर पालिक निगम भिलाई में 100-150 टन प्रतिदिन एमएसडब्ल्यू आधारित कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र की स्थापना की जाएगी। 13 मार्च 2024 को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उप-मुख्यमंत्री अरूण साव की गरिमामय उपस्थिति में नगर पालिक निगम, रायपुर/भिलाई, सीबीडीए एवं बीपीसीएल के मध्य 02 कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्रों की स्थापना हेतु त्रिपय एमओयू निष्पादित किया गया था। इसी क्रम में कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में लोक निर्माण विभाग के सभागार में नगर पालिक निगम भिलाई, सीबीडीए एवं भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के मध्य त्रिपय कंसेशन एग्रीमेंट (सीए) में हस्ताक्षर किया गया। इस एग्रीमेंट के तहत् नगर पालिक निगम भिलाई अंतर्गत ट्रेंचिंग ग्राउड जामुल में बीपीसीएल द्वारा स्वयं के निवेश से सीबीजी संयंत्र की स्थापना की जायेगी, जिससे विभिन्न लाभ होंगे। इससे नगर पालिक निगम भिलाई एवं दुर्ग जिले के आसपास के नगर निगमों के लगभग 150 मिट्रिक टन प्रतिदिन नगरीय ठोस अपशिष्ट (एम एस डबल्यू) का उपयोग जैव ईधन उत्पादन में किया जायेगा। उक्त संयंत्र में लगभग 60.00 करोड़ रूपए की राशि का निवेश शत-प्रतिशत बीपीसीएल द्वारा किया जायेगा। प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 0.30 लाख मानव दिवस प्रतिवर्ष रोजगार सृजित होंगे। संयंत्र निर्माण के दौरान भी बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। कम्प्रेस्ड बायोगैस संयंत्र में पूर्ण क्षमता के उत्पादन एवं विक्रय होने पर प्रतिवर्ष लगभग राशि 1 करोड़ रूपये का जीएसटी प्राप्त होगा। संयंत्र में सह उत्पाद के रूप में प्राप्त जैविक खाद से जैविक खेती को प्रोत्साहन मिलेगा। इसके अलावा संयंत्र की स्थापना से ग्रीन हाऊस गैस के उत्सर्जन में कमी आयेगी तथा पर्यावरण स्वच्छ होगा। सीबीजी के उपयोग से राज्य नेट जीरो एमिशन प्राप्ति की दिशा में अग्रसर होगा।

वाहन चालक के बेटी की शादी के लिए दिए 25000 भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्ट एसोशिएशन का सराहनीय कार्य

पायनियर संवाददाता ➤ भिलाई
www.dailypioneer.com

भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्ट एसोशिएशन के द्वारा अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए आज एसोशिएशन के काफी पुराने सदस्य वाहन चालक अवध सिंह की बेटी कुमारी मोनिका के विवाह में 25000/ नगद राशि सहयोग देकर पूरे परिवार को अग्रिम बधाई एवं बेटी मोनिका को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दी। एसोशिएशन के संरक्षक प्रभुनाथ मिश्रा गनी खान महेंद्र सिंग गोपाल खंडेलवाल सुधीर सिंग ठाकुर अध्यक्ष इंद्रजीत सिंग छोटू कार्यकारणी अध्यक्ष अनिल चौधरी महासचिव मलकीत सिंग लल्लू कोषाध्यक्ष जोगा राव सोम सिंग एसोशिएशन के पदाधिकारीएवं सदस्यों की उपस्थिति में भेट दिया गया।

4 ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य के लिए 29.90 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति

दुर्ग। मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजनांतर्गत वर्ष 2024-2025 में शासन द्वारा अनुमोदित निर्धारित लागत दर अनुसार अधोसंरचना निर्माण कार्यों की अनुशंसा प्राप्त हुई है। इसके आधार पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत धमधा को 4 ग्राम पंचायतों में सी.सी. रोड, सामुदायिक भवन एवं निर्मलाघाट निर्माण हेतु 29 लाख 90 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अश्वनी देवांगन से प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखण्ड धमधा के ग्राम अहेरी एवं ग्राम पंचायत बागडूमर में सी.सी. रोड निर्माण हेतु मशः 10 लाख 40 हजार रूपए एवं 5 लाख 20 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति की गई है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत मेड़ेसरा में सीसी रोड निर्माण हेतु 5 लाख 20 हजार रुपए और निर्मलाघाट निर्माण हेतु 2 लाख 60 हजार रूपए तथा ग्राम पंचायत लिमतरा में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 6 लाख 50 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। कार्यो के संपादन का दायित्व कार्यकारी एजेन्सी संबंधित ग्राम पंचायत की होगी।

महापौर धीरज बाकलीवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई मेयर इन काउंसिल की बैठक, कई प्रस्ताव पारित

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

नगर निगम के डाटा सेंटर में मेयर इन काउंसिल की बैठक महापौर धीरज बाकलीवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। एमआईसी बैठक में आयुक्त लोकेश चन्द्राकर, लोक कर्म प्रभारी अब्दुल गनी, एमआईसी सदस्य संजय कोहले,दीपक साहू, भोला महोविया, जमुना साहू, हमीद खोखर, शंकर ठाकुर, सत्यवती वर्मा, मनदीप सिंह भाटिया के अलावा कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम, मोहनपुरी गोस्वामी, संजय ठाकुर, आरके जैन, स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा, सुरेश केलवानी, मोहित मरकाम, राजेन्द्र ढबाले, रमाकांत शर्मा, सचिव मनीष कुमार गायकवाड़, ईश्वर वर्मा, पंकज चंद्रवंशी आदि मौजूद रहे। बता दे कि मेयर इन काउंसिल की बैठक में 12 एजेंडा पर बारी बारी चर्चा कि गई। लोक कर्म विभाग 15 वे वित्त आयोग अंतर्गत निकाय को इंसेटिव राशि रू. 179 लाख प्राप्त हैं। प्राप्त राशि अंतर्गत दुर्ग शहर के विभिन्न वार्डो में कुल 46 स्थानों पर पेवर ब्लॉक कार्यो हेतु राशि रू. 179.38 लाख का तैयार प्रस्ताव को स्वीकृति किया गया। वार्ड 57 उरला स्थित खेल मैदान का विकास कार्य हेतु राशि रू. 198.39 लाख की स्वीकृति अधोसंरचना मद अंतर्गत शासन के आदेश द्वारा प्राप्त हैं। प्राप्त स्वीकृति के परिपालन में ऑनलाईन निविदा सिस्टम को स्वीकृति दी गई। इसके अलावा 42 एमएलडी, बीआईटी कालेज के पास रिक्त भूमि पर शहर की सौंदर्यीकरण जैसे फुड जोन व अन्य पब्लिक की सुविधा के लिए व्यवसाय आबंटन के साथ ही निगम सीमा क्षेत्र के अंतर्गत निगम स्वामित्व के व्यवसायिक परिसर भूतल पर निर्मित दुकान के प्रथम तल (रिक्त) छत आबंटन किया जाकर लीज पर दिये जाने के संबंध में व्यवसायिक परिसर। सदरनाका व्यवसायिक परिसर (ग्रीन चौक) सुभाष स्कूल व्यवसायिक परिसर, महात्मागांधी व्यवसायिक परिसर अग्रसेन चौक, इंदिरा मार्केट व्यवसायिक परिसर, गंजपारा व्यवसायिक परिसर, बस स्टैण्ड व्यवसायिक परिसर, केलाबाड़ी व्यवसायिक परिसर में वर्तमान कलेक्टर गाईड लाईन अनुसार भूतल पर निर्मित परिसर के 50 प्रतिशत दर पर छत आबंटन हेतु नियम शर्तो के अधीन लीज पर दिये जाने हेतु स्वीकृति एवं ऑफर दर प्राप्त करने की कार्यवाही हेतु विभाग द्वारा प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया हैं जिसे प्रकरण विचार व निर्णय और गंजमण्डी शॉपिंग काम्पलेक्स स्थित छत को लेडिस जिम संचालित करने मेयर इन काउंसिल की बैठक दिनांक 11 अगस्त 2023 को निर्णय लिया गया कि गंजमण्डी की भूमि निगम को आबंटित होने के बाद प्रकरण पर आगामी समय निर्णय लिये जाने हेतु सर्वसम्मति से निर्णय पारित किया गया था। कार्यालय कलेक्टर, दुर्ग छ0ग0 के आदेश क्रमांक/6795/प्र0 नजूल नि0/2024 दुर्ग 07/08/2024 के द्वारा गंजपारा दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग प.ह.न. 24 स्थित शीट कमांक 31 ए भूखण्ड कमांक-100 का भाग क्षेत्रफल 1621 वर्गमीटर अर्थात् 17442 वर्गफुट पर नगर पालिक निगम, दुर्ग का पूर्व से निर्मित दुकानों की भूमि को व्यवसायिक प्रयोजनार्थ आबंटित की गई हैं। पूर्व एमआईसी में प्रस्तुत नियम शर्तो के तहत गंजमण्डी की छत को अस्थायी किराये पर दिये जाने हेतु विभाग द्वारा प्रस्ताव प्रस्तुत एवं हटरी बाजार चावल लाइन आबंटन 20 पक्का दुकान उक्त स्थल पर 20 व्यवसायियों को दुकान आबंटन है।

उरला आई एच एस डी पी आवास का प्रीमियम किश्त जमा नहीं करने वाले हितग्राहियों का होगा आबंटन निरस्त

- दावा आपत्ति 15 दिन के भीतर अपना दावा/आपत्ति निगम कार्यालय के कक्ष क्रमांक 03 में कार्यालयीन समय में कर सकते है

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत उरला में निर्मित आई.एच.एस.डी.पी. आवास निरस्त किये जाने की सूचना एवं दावा आपत्ति। आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश के परिपालन में प्रभारी राजस्व अधिकारी मनीष कुमार द्वारा जानकारी के मुताबिक उरला में निर्मित आई.एच.एस.डी.पी. आवास उक्त आवास आबंटन धारी जिसको बार बार सूचना दिये जाने के पश्चात् भी अपने आबंटित आवास का प्रीमियम किश्त राशि आज दिनांक तक जमा नही किया गया। बता दे कि नगर निगम द्वारा आवास आबंटन नियम के तहत् उक्त आबंटनधारियों का आवास निरस्त किया जाता हैं। उपरोक्तानुसार निरस्त की सूची लगभग 1638 हितग्राहियों के नाम आवास निरस्त की सूची निगम कार्यालय में आई.एच.एस.डी.पी. आवास में अवलोकन हेतु चस्पा किया गया हैं।आवास निरस्त के संबंध में दावा/आपत्ति का समय 15 दिन का समय दिया गया है।आवास संबंध में अपना दावा/आपत्ति निगम कार्यालय का कक्ष क्रमांक 03 में कार्यलीन समय में उपलब्ध रहेगें कार्यालय में 1638 हितग्राहियों की सूचि का अवलोकन कार्यालयीन अवधि में की जा सकती है समयावधि पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा ।

अपर कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी जनसामान्य की समस्याएं एवं शिकायतें, जनदर्शन में 114 आवेदन प्राप्त हुए

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशन में एडीएम अरविंद एक्का एवं डिप्टी कलेक्टर हितेश पिस्दा ने जनदर्शन में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में 114 आवेदन प्राप्त हुए। वार्ड क्रमांक 52 बोरसी निवासियों ने न्यू सुन्दर नगर वार्ड में सड़क निर्माण के लिए आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि कदम प्लाजा के सामने न्यू सुन्दर नगर वार्ड 52 बोरसी की सड़क बहुत खराब हो गई है। जगह-जगह सड़कों में गड्ढे होने के कारण पानी भरा रहता है। पैदल चलने वालों स्कूली बच्चों, बुजुर्ग नागरिकों को आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इस पर एडीएम ने नगर निगम दुर्ग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। वार्ड क्रमांक 38 सोमनी के निवासियों ने पट्टा प्रदाय करने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि पिछले साल लगभग 100 परिवारों को पट्टा प्रदान किया गया, परंतु कुछ परिवारों को पट्टा प्रदान नहीं किया गया। यह परिवार 70 वर्ष से यहां जीवन-यापन कर रहें हैं। पट्टा प्राप्त नही होने के कारण प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ भी नही मिल पा रहा है। इस पर आयुक्त नगर निगम भिलाई-चरोदा को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। स्वास्तिक कॉलोनीवासियों ने पहुंच मार्ग से अवैध कब्जा हटवाने की मांग की। विगत कुछ वर्षो से शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर पहुंच मार्ग अतिक्रमित होने के कारण आवागमन एवं परिवहन बाधित हो रहा है। बीमार को चिकित्सा सुविधा देने के लिए एम्बुलेंस, स्कूल बसे एवं मूलभूत कार्यो में संलग्न वाहनों का आना-जाना मुश्किल हो गया है। स्थानीय स्तर पर संवाद के माध्यम से समस्या के निराकरण हेतु प्रयास भी किया गया।

स्वच्छता की जिम्मेदारी केवल सरकार या संस्थानों की नहीं है, बल्कि हम सभी की है : राज्यपाल डेका

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ प्रदेश के महामहिम राज्यपाल रमेन डेका भिलाई नगर के सिविक सेंटर स्थित कला मंदिर में आयोजित स्वच्छता वीर सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। राज्यपाल ने स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत भिलाई नगर को स्वच्छ बनाये रखने में अपना अमूल्य योगदान देने वाले 55 स्वच्छता वीरों को महात्मा गांधी जी का छायाचित्र, प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय, वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन और दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव भी सम्मलित हुए। समारोह को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल डेका ने सम्मान समरोह में शामिल सभी स्वच्छता वीरों को अपनी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ दी। उन्होने कहा कि आज का यह अवसर हमारे समाज के उन सच्चे नायकों और नायिकाओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने का है, जिनकी निस्वार्थ सेवा और परिश्रम से हमारा शहर स्वच्छ और स्वस्थ रहता है। राज्यपाल ने कहा कि हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सफाई का महत्व बहुत अधिक है, लेकिन इसके पीछे की मेहनत को हम अक्सर नज़र अंदाज़ कर देते हैं। जो कठिन परिश्रम आप करते हैं, वह हमारे पर्यावरण को स्वच्छ बनाता है, हमारे स्वास्थ्य और जीवन स्तर को भी बेहतर करता है। आप सब वास्तव में 'स्वच्छता वीर' हैं, क्योंकि आप अपनी सेवाओं से हमें स्वस्थ जीवन जीने का आधार देते हैं। राज्यपाल ने गांधी जी के कथन को उद्धृत करते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने कहा था कि 'स्वच्छता, स्वतंत्रता से भी अधिक महत्वपूर्ण है। इसी विचार को लेकर हमारा देश स्वच्छता अभियान को बढ़ावा दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने महात्मा गांधी के स्वच्छता के सपनों को साकार करने के लिए उनकी जयंती पर स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की थी। मोदी ने इस अभियान को एक जन आंदोलन बनाया। स्वच्छता ही सेवा अभियान जैसे कार्यक्रम से लोगों को स्वच्छता के प्रति संवेदनशील बनाने का प्रयास किया गया। स्वच्छता अभियान में आप सभी की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। आप सभी ने इस जिम्मेदारी को जिस कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ निभाया है, वह सराहनीय है। राज्यपाल डेका ने उपस्थित जनों से आग्रह किया कि इसी तरह अपना योगदान देते रहें और हमें प्रेरित करते रहें। आप सभी का यह परिश्रम न केवल भिलाई बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्रोत है। स्वच्छता वीरों का यह योगदान समाज के हर वर्ग के लिए आदर्श है।

नारायणपुर जिले से जूनियर बालिका कु. नीलिमा मण्डावी एवं कोरिया जिले से जूनियर बालक रमेश कुमार को सर्वश्रेष्ठ कैडेट से किया गया सम्मानित

राज्यपाल प्रथम राज्य स्तरीय जूनियर रेडक्रॉस मीट के समापन समारोह में हुए शामिल

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ प्रदेश के महामहिम राज्यपाल रमेन डेका भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी दुर्ग द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय जूनियर रेडक्रॉस प्रशिक्षण सह सदभावना शिविर के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। रेडक्रॉस सोसायटी के पांच दिवसीय कार्यक्रम में 33 जिलों से आए छात्र-छात्राओं के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। ओवर ऑल बेहतर प्रदर्शन के लिए दुर्ग जिले को प्रथम एवं बालोद जिले को द्वितीय स्थान और नारायणपुर जिले से जूनियर बालिका कु. नीलिमा मण्डावी व कोरिया जिले से जूनियर बालक रमेश कुमार को सर्वश्रेष्ठ कैडेट से सम्मानित किया। इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसायटी सीईओ एम.के.राउत, चेयरमेन अशोक कुमार अग्रवाल, संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग, जिला रेडक्रॉस समिति की अध्यक्ष कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी सम्मलित हुए। समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल डेका ने छत्तीसगढ़ में पहली बार राज्य स्तरीय जूनियर रेडक्रॉस मीट 2024 कार्यक्रम के लिए प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने रेडक्रास के इस महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम का हिस्सा बनकर युवा स्वयंसेवकों के समर्पण और सेवा भावना को नमन किया जो देश के भविष्य हैं और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझते हैं। राज्यपाल ने कहा कि जूनियर रेडक्रास का मुख्य उद्देश्य युवाओं में सेवा और मानवता की भावना जागृत करना है, जिससे वे समाज की बेहतरी में योगदान दे सकें। रेडक्रॉस न केवल आप सभी को चिकित्सा सेवाओं और आपातकालीन परिस्थितियों में मदद करने के गुर सिखाता है, बल्कि यह मानवता के प्रति आपकी संवेदनशीलता और सेवा भावना को भी प्रबल करता है। यह प्रशिक्षण शिविर आपको न केवल कौशल प्रदान करेगा, बल्कि जीवन के उन आदर्शों को भी सिखाएगा, जिनसे समाज में शांति, सद्भावना और एकता को बढ़ावा मिलता है। पूरी दुनिया विभिन्न चुनौतियों से जूझ रही है। प्राकृतिक आपदाओं, महामारी या सामाजिक असमानताओं में मानव सेवा का यह पवित्र कार्य और भी अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाता है। आप सभी रेडक्रास के इस मंच से सीखकर न केवल अपनी क्षमताओं को विकसित कर रहे हैं, बल्कि समाज के प्रति एक सशक्त योगदान दे रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि प्रशिक्षण सह सद्भावना शिविर में न केवल आपातकालीन सहायता, प्राथमिक चिकित्सा और आपदा प्रबंधन के संबंध में प्रशिक्षण दिया जा रहा है, बल्कि समाज में मानवता, शांति और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना, सामुदायिक विकास, सामाजिक समरसता, और नैतिक मूल्यों पर भी विशेष ध्यान दिया गया। यह शिविर सभी को एक बेहतर नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि आप यहां से जो भी सीखकर जाएंगे अपने परिजनों को, मित्रों को भी अवश्य सीखाएं और बताएं ताकि आपाल कालीन परिस्थितियों में वे भी अन्य लोगों की सहायता कर सकें। राज्यपाल डेका ने कहा कि हमारे देश की युवा शक्ति में असीम संभावनाएँ हैं। आप सभी वे युवा हैं जो कल की चुनौतियों का सामना करेंगे और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य करेंगे। इस शिविर के माध्यम से आप सेवा, सद्भावना और नैतिकता के गुणों को अपने जीवन में उतारेंगे और समाज को एक नई दिशा देंगे। राज्यपाल ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को भी उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और भारतीय रेडक्रॉस समिति दुर्ग को इस सफल आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राज्यपाल डेका ने सभी से आग्रह किया कि जो आपने यहाँ सीखा है, उसे जीवन में उतारें और समाज को अपनी सेवाओं से गौरवान्वित करें। चेयरमेन अशोक कुमार अग्रवाल ने कहा कि रेडक्रॉस एक ऐच्छिक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जो 1863 में हेनरी ड्युनॉट द्वारा युद्धभूमि पर जख्मी और पीड़ितों को सहायता प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया।

संपादकीय

बांग्लादेश की स्थिति राजनीतिक उथलपुथल

बांग्लादेश में राजनीतिक उथलपुथल जारी है। ऐसे में 2025 में आम चुनाव से स्थिति सुधर सकती है। लंबी प्रतीक्षा के बाद बांग्लादेश में 2025 में आम चुनाव की संभावना बन रही है। बांग्लादेश के विधि सलाहकार आसिफ नज़रुल ने कहा था कि चुनाव-पूर्व तैयारियां पूरी करने के बाद अगले चुनाव 2025 में होंगे जिनमें नए निर्वाचन आयोग का गठन भी शामिल है। बांग्लादेश में गहराते बहुआयामी संकट के साथ ही नए आम चुनाव के लिए दबाव बढ़ रहा है ताकि लोकतांत्रिक व्यवस्था बहाल होकर देश में स्थायित्व आए। 2025 में आम चुनाव की संभावना राजनीतिक क्षेत्रों में चर्चा का केन्द्र बिंदु बन गई है। बहुत से लोग चुनाव को ऐसी वैध सरकार बनाने का आवश्यक कदम मानते हैं जो देश की आर्थिक समस्याओं का समाधान करे, कानून व्यवस्था की स्थिति बहाल करे तथा बांग्लादेश को ज्यादा स्थाई भविष्य की ओर ले जाए। लेकिन चुनाव के पहले अनेक बाधायें दूर करनी बाकी हैं। वर्तमान समय में व्यवस्था बनाए रखने का काम कर रही अंतरिम सरकार को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों के लिए उपयुक्त माहौल बनाना होगा। इसके लिए चुनावी धोखाधड़ी से निपटने, मतदाताओं और उम्मीदवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा चुनाव आयोग में सुधार जरूरी हैं क्योंकि पिछले वर्षों में 'पक्षपात' के कारण इसकी आलोचना हुई है। खासकर

अमेरिका और यूरोपीय संघ से पड़ने वाला अंतरराष्ट्रीय दबाव बांग्लादेश में पारदर्शी व विश्वसनीय चुनाव कराने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। राजनीतिक समूहों के बीच संवाद विकसित करने तथा चुनाव सुधारों पर निगरानी के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय की सहभागिता बहुत जरूरी है। हालांकि, 2025 में संभावित आम चुनाव आशा की किरण हैं, पर ये संपूर्ण समाधान की गारंटी नहीं हैं। स्थायित्व के रास्ते के लिए जटिल व संवेदनशील कदम जरूरी होंगे जनमें प्रभावी सत्ता-साझा व्यवस्थायें, अतीत की राजनीतिक गलतियों के लिए जवाबदेही तथा ऐसी आर्थिक नीतियां शामिल हैं जिनसे नागरिकों का वित्तीय बोझ कम हो सके। लोकरंजक लफ्फाजी तथा अतिवादी समूहों का उभार भी शांतिपूर्ण चुनावी परिवेश के लिए खतरा है। इसके साथ ही शेख हसीना निर्वासित हैं और उनकी अवामी लीग पार्टी का काफी बड़ा हिस्सा अराजकता का शिकार हो गया है। इसे देखते हुए बांग्लादेश में राजनीतिक परिदृश्य का बड़ा हिस्सा चुनाव प्रक्रिया से बाहर रह सकता है। शेख हसीना के नेतृत्व में देश ने उल्लेखनीय आर्थिक प्रगति की है। लेकिन उनके कार्यकाल में तानाशाही, विरोधियों को कुचलने तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं में बदलाव के आरोप भी लगे हैं। लोकतांत्रिक मानकों में गिरावट तथा बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी-बीएनपी समेत विपक्षी दलों पर कठोर कार्रवाई के कारण बांग्लादेश अत्यधिक राजनीतिक ध्रुवीकरण तथा अशांति का शिकार है। राजनीति के हाशिए पर पहुंच चुके बांग्लादेश में 2025 में आम चुनाव कराने की संभावना आशंकाओं और उम्मीदों से भरी है। राष्ट्र का भविष्य मोटेतौर से अंतरिम सरकार की क्षमता और प्रबंधन पर निर्भर है। देखना होगा कि अंतरिम सरकार राजनीतिक हस्तांतरण का प्रबंधन कहां तक सटीक रूप से कर सकती है। इसके साथ ही यह सवाल भी बार-बार उठ रहा है कि क्या अंतरिम सरकार वास्तव में सच्ची लोकतांत्रिक प्रक्रिया का रास्ता खोलना चाहती है या नहीं। आने वाले महीने यह निर्धारित करने में महत्वपूर्ण होंगे कि क्या बांग्लादेश वर्तमान उथलपुथल वाली स्थिति से उबर सकेगा और उसमें लोकतांत्रिक भावना पुन: पैदा होगी अथवा वह अराजकता और अस्थायित्व में घिरा रहेगा।

जलती पराली, सुलगते सवाल

किसानों को जेल में डालने के पहले ध्यान रखें कि ना तो सरकार की जेलों में ना तो इतनी जगह नहीं है, ना ही उसके खजाने में इतना पैसा है और ना ही सरकारी गोदामों में इतना अनाज है कि वह देश के 16 करोड़ किसान परिवारों (एक परिवार में यदि पांच सदस्य भी मानें तो लगभग 80 करोड़ लोगों) को जेलों में डालकर उन्हें बिठाकर खाना खिला सके। इसलिए किसानों को बेवजह उकसाने से बचें

डॉ. राजाराम त्रिपाठी
राष्ट्रीय संयोजक, अखिल भारतीय किसान महासंघ

हरियाणा सरकार द्वारा किसानों पर पराली जलाने के लिए की जा रही कड़ी कार्रवाई ने देशभर के किसानों में में गहरी नाराजगी और चिंता पैदा कर दी है। हाल ही में, 13 किसानों की गिरफ्तारी, 'रेड एंट्री' जैसे कदम, और किसानों की फसल मंडियों में न बेचने देने के तुगलकी आदेशों ने किसानों में आक्रोश भर दिया है।

किसानों की गिरफ्तारी और उनके माल को मंडी में नहीं बेचने देना एक ऐसा कदम है जो केवल उनकी समस्याओं को बढ़ाएगा। हरियाणा सरकार ने पराली जलाने के 653 मामलों में अब तक 368 किसानों की 'रेड एंट्री' कर दी है, जिससे ये किसान अगले दो साल तक अपनी फसल मंडियों में नहीं बेच पाएंगे। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर होगी, बल्कि उनका आक्रोश भी बढ़ेगा। इस तरह की दमनकारी नीतियां केवल किसानों और सरकार के बीच की खाई को बढ़ाने का काम करती हैं।

किसान पहले से ही पूर्व की हरियाणा सरकार के किसान विरोधी रवैए से नाराज चल रहे थे, फिर भी अंतिम समय में उन्होंने भाजपा सरकार को एक बार और मौका देने का फैसला लेकर हरियाणा में भाजपा की सरकार बनवा दिया। परंतु राज्य में किसानों की इन? गिरफ्तारियों और फसल को मंडियों में न बिकने देने जैसे तुगलकी मध्यकालीन फरमानों ने इस मुद्दे को और गरमा दिया है।

ऐसा लगता है सरकार की नीति-निर्माताओं ने अपना दिमाग खूंटी पर टांग दिया है, वरना इतनी सरल सी बात भी उन्हें समझ में नहीं आती कि, इस समस्या का समाधान केवल दंडात्मक उपायों से कभी भी नहीं हो सकता। किसानों के सामने कई जमीनी व्यावहारिक समस्याएं हैं, जिन्हें समझे बिना ऐसे कबीलाई न्याय और कठोर नीतियां लागू करना उनके साथ घोर अन्याय है, और व्यापक देश हित के भी खिलाफ है।

इस बात से किसी को भी इनकार नहीं है कि पराली जलाना एक गंभीर पर्यावरणीय मुद्दा है, लेकिन इसे केवल किसानों की गलती मानना उचित नहीं है, यह सिक्के का केवल एक पहलू है। इस संवेदनशील मामले में किसानों की मजबूरी को समझना अत्यंत आवश्यक है। पराली का निपटान एक महंगी और समय-साध्य प्रक्रिया है, जिसमें किसान को बड़ी आर्थिक हानि झेलनी पड़ती है। ट्रैक्टरों और पानी के इस्तेमाल से पराली को मिट्टी में मिलाने का खर्च प्रति एकड़ ?5000 से अधिक होता है, जो छोटे और मझोले किसानों के लिए एक भारी बोझ है। इसके अलावा, फसल के सीजन के बीच में समय की कमी भी उन्हें पराली जलाने के लिए मजबूर कर देती है।

किसानों के सम्मुख चुनौतियाँ और व्यावहारिकता – किसान फसल कटाई के तुरंत बाद अगली फसल के लिए खेत तैयार करने की जल्दी में होते हैं। यदि पराली को सड़ने के लिए खेत में छोड़ा जाता है, तो इसमें काफी समय लगता है, और इस देरी से उन्हें दूसरी फसल का नुकसान होता है। जैसा कि डॉ. राजाराम त्रिपाठी ने कहा है कि, ÷समय से चूका किसान, डाल से चूका बंदर की तरह होता है, जो धरती पर मुंह के बल गिरा नजर आता है।÷ इस स्थिति में, किसानों के पास न तो इतना समय होता है और न ही इतनी आर्थिक क्षमता कि वे पराली के प्रबंधन के लिए आवश्यक संसाधनों में निवेश कर सकें।

दुनिया के प्रसिद्ध पर्यावरणविदों और शोधकर्ताओं ने भी इस समस्या की जड़ को समझा है। नॉर्वे के जलवायु विशेषज्ञ एरिक सोल्हेम का कहना है, 'सस्टेनेबल खेती का विकास तभी संभव है जब किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पर्यावरणीय नीतियां बनाई जाएं। किसान पर्यावरण का दुश्मन नहीं है, वह इसका साथी है।' यह विचार स्पष्ट करता है कि किसानों को दोषी ठहराने के बजाय उन्हें टिकाऊ समाधान प्रदान करना आवश्यक है।

विकल्पों की खोज और सरकार की भूमिका – पराली की समस्या के समाधान के लिए सरकार को किसानों के साथ मिलकर विचार-विमर्श करना चाहिए। सरकार का यह दायित्व है कि वह किसानों के लिए ऐसे टिकाऊ विकल्प तैयार करे, जो व्यवहारिक हों और किसानों के हित में हों। किसानों को तकनीकी सहायता, संसाधन और आर्थिक सहायता प्रदान की जानी चाहिए ताकि वे पराली जलाने के समुचित विकल्पों को अपना सकें। पंजाब और हरियाणा में पहले से ही कई पायलट प्रोजेक्ट्स भी चल रहे हैं, जहाँ पराली से जैविक खाद बनाई जा रही है या उसे ऊर्जा के उत्पादन के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। लेकिन यह समाधान तब तक सफल नहीं होंगे जब तक किसानों को इसका उपयोग करने के लिए पर्याप्त आर्थिक सहायता, जरूरी संसाधन और तकनीकी मार्गदर्शन नहीं मिलेगा।

किसानों को जेल और उद्योगपतियों को बेल? – किसानों का यह भी मानना है कि पराली के पर्यावरणीय मुद्दे पर किसानों को जेल में डालने जैसी कठोर दमनात्मक कार्यवाही करने के पहले महानगरों में दौड़ रहे जहर उगलते करोड़ों वाहन मालिकों और वायुमंडल में विशाक्त धुआं उगलते कारखानों के मालिकों के खिलाफ कार्यवाही कर उन्हें जेल में डालने की हिम्मत दिखाए। देश देश में कितने ही कारखाने पर्यावरण के नियमों, ग्रीन ट्रिब्यूनल को छकाते हुए धज्जियां उड़ाते हुए जीवनदायिनी नदियों में गंदगी और जहर उड़ेल रहे हैं ,वायुमंडल में लगातार 24 घंटे जहरीला धुआं भर रहे हैं। लेकिन आज तक सरकार ने किसी एक भी उद्योगपति को पर्यावरण के मुद्दे पर जेल में नहीं डाला है। चूंकि किसान अकेला है, गरीब है, बेसहारा है, इनमें एकजुटता का अभाव है और चौधरी चरणसिंह जैसा उसका कोई सक्षम राजनीतिक आका नहीं है, इसीलिए सरकार जब चाहे किसान की गर्दन दबोच लेती है और उस पर लट्ठ बजा देती है। यही सरकारें जीत के आते ही हफ्ते भर के भीतर ही अपने खिलाफ सारे मामलों को राजनीतिक मामले कहकर वापस ले लेती है, और किसान-आंदोलनों में जेल गए किसान साथी आज भी जेलों में सड़ रहे हैं, उनकी सुध लेने वाला भी कोई नहीं है। पर इन सारे घटनाक्रमों से किसानों में धीरे-धीरे सरकार के ख़िलाफ़ नफरत और गुस्सा बढ़ते जा रहा है। आगे चलकर यह स्थिति विस्फोटक हो सकती है।

सरकार इस तरह से किसानों को जेल में डालने के पहले ध्यान रखें की सरकार की जेलों में ना तो इतनी जगह नहीं है, और ना ही सरकार के खजाने में इतना पैसा है, और ना ही सरकार के गोदाम में इतना अनाज है कि वह देश के 16 करोड़ किसान परिवारों ,एक परिवार में यदि पांच सदस्य भी मन तो लगभग 80 करोड़ लोगों को जेल में डालकर उन्हें बिठाकर खाना खिला सके।

सर्वोत्तम सर्वमान्य समाधान की आवश्यकता – पराली जलाने की समस्या के समाधान के लिए एक सामूहिक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। पर्यावरण की सुरक्षा और किसानों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए एक संतुलित नीति बनाई जानी चाहिए। सरकार को किसानों के साथ मिलकर एक समाधान ढूंढना चाहिए, जिसमें किसानों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाए। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ भी मानते हैं कि किसी भी पर्यावरणीय नीति की सफलता तभी संभव है जब उसे सामाजिक और आर्थिक रूप से उचित ढंग से लागू किया जाए।

अंत में :- किसान संगठनों का स्पष्ट मत है कि किसानों के खिलाफ कठोर नीतियां अपनाने के बजाय सरकार को उनके साथ संवाद कर समाधान निकालना चाहिए। किसानों की आर्थिक स्थिति और पर्यावरण की रक्षा, दोनों को ध्यान में रखते हुए एक सुदृढ़ और व्यवहारिक नीति बनाई जानी चाहिए। पराली जलाने के बजाय किसानों को विकल्पों पर कार्य करना चाहिए।

सरकार को भी अपने कठोर रवैये पर पुनर्विचार कर, किसान संगठनों और विशेषज्ञों के साथ मिलकर इस समस्या का समाधान खोजना चाहिए।

उच्च शिक्षा में मुस्लिम प्रतिनिधित्व : अवसर और आगे की चुनौतियां

भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है, देश भर में 1,000 से अधिक विश्वविद्यालय और लगभग 40,000 कॉलेज फैले हुए हैं। आईआईटी, आईआईएम और एनआईटी जैसे संस्थान अकादमिक उत्कृष्टता का प्रतीक हैं, जो विभिन्न विषयों में विविध कार्यक्रम प्रदान करते हैं। हालांकि, इस क्षेत्र के तेजी से विकास के बावजूद, मुसलमानों का प्रतिनिधित्व, विशेष रूप से संकाय पदों पर, उल्लेखनीय रूप से कम है। प्रतिनिधित्व की यह कमी जागरूकता की कमी और सांस्कृतिक बाधाओं के व्यापक मुद्दे को उजागर करती है जो उच्च शिक्षा में मुस्लिम समुदाय की पूर्ण भागीदारी को बाधित करती रहती है। जबकि हाशिए पर पड़े समुदायों की सहायता के लिए विभिन्न सरकारी छात्रवृत्तियाँ, वित्तीय सहायता कार्यक्रम और सकारात्मक कार्रवाई पहल उपलब्ध हैं, मुसलमानों की भागीदारी अनुपातहीन रूप से कम है।

उच्च शिक्षा और संकाय पदों में मुसलमानों की अधिक भागीदारी के लिए मुख्य बाधाओं में से एक जागरूकता की कमी है। कई छात्र और परिवार उच्च शिक्षा की आकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं और छात्रवृत्तियों से अनजान हैं। अल्पसंख्यक छात्रों के लिए प्री और पोस्ट-मैट्रिकछात्रवृत्ति जैसे कार्यक्रमों का कम उपयोग किया जाता है क्योंकि इन पहलों के बारे में जानकारी हमेशा इच्छित लाभार्थियों तक नहीं पहुँच पाती है। इसके अतिरिक्त, सामाजिक-आर्थिक बाधाएँ और सांस्कृतिक कारक अक्सर छात्रों की इन अवसरों तक पहुँच को सीमित करते हैं। कई मुस्लिम परिवारों के लिए, विशेष रूप से आर्थिक रूप से वंचित परिस्थितियों में, प्राथमिकता दीर्घकालिक शैक्षिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के बजाय तत्काल आजीविका विकल्प हासिल करना है। अकादमिक नेतृत्व और संकाय पदों में दृश्यमान मुस्लिम रोलमॉडल की कमी से यह अंतर और बढ़ जाता है। समान पृष्ठभूमि से शिक्षक या प्रोफेसर होने से युवा मुसलमानों की अकादमिक संभावनाओं की धारणा पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ सकता है। रोलमॉडल इस बात का जीवंत प्रमाण हैं कि अकादमिक सफलता और नेतृत्व की स्थिति प्राप्त की जा सकती है, यहाँ तक कि हाशिए पर रहने वाले लोगों के लिए भी।

मुस्लिम महिलाएँ, खास तौर पर रूढ़िवादी परिवारों की महिलाएँ, दोहरी चुनौतियों का सामना करती हैं-सामाजिक अपेक्षाएँ और शिक्षा के अवसरों तक सीमित पहुँच। उन्हें सौंपी गई पारंपरिक भूमिकाएँ, सांस्कृतिक प्रतिबंधों के साथ

फाइल फोटो

मिलकर अक्सर उनकी शैक्षणिक महत्वाकांक्षाओं को दबा देती हैं। हालाँकि, अल्पसंख्यक महिलाओं के बीच उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किए गए विभिन्न सरकारी कार्यक्रम इन बाधाओं को दूर करने के लिए महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में काम कर सकते हैं। अल्पसंख्यक समुदायों की लड़कियों के लिए बेगम हज़रत महल राष्ट्रीय छात्रवृत्ति जैसी छात्रवृत्तियाँ वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं जो शिक्षा को और अधिक सुलभ बना सकती हैं। फिर भी, इन संसाधनों की उपलब्धता को उन लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने में चुनौती बनी हुई है जिन्हें इनकी सबसे अधिक आवश्यकता है। उच्च शिक्षा संस्थानों में मुस्लिम प्रतिनिधित्व, खास तौर पर मुस्लिम महिलाओं का, बढ़ाना रूढ़िवादिता को तोड़ने और सामाजिक अपेक्षाओं को नया आकार देने के लिए आवश्यक है। शैक्षणिक भूमिकाओं में मुस्लिम महिलाओं की अधिक दृश्यता अन्य युवा महिलाओं को शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित कर सकती है, जो लंबे समय से उन्हें रोके हुए पारंपरिक बाधाओं को खत्म कर रही हैं।

यह न केवल लिंग-आधारित हाशिए पर जाने को चुनौती देगा बल्कि अधिक विविधतापूर्ण, न्यायसंगत शैक्षिक वातावरण में भी योगदान देगा। इतिहास ऐसे उदाहरणों से रहित है जहाँ मुस्लिम महिलाओं ने नेतृत्व की भूमिकाएँ निभाई हों। पैगंबर के समय और उसके बाद कई मुस्लिम महिलाओं ने शिक्षा और व्यवसाय सहित सार्वजनिक स्थानों पर महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाईं। आयशाबिन्तअबूबकर एक प्रमुख विद्वान और राजनीतिक नेता थीं, जबकि अस्माबिन्तयज़ीद ने हदीसें सुनाई और फ़ातिमाअल-फ़िहरी ने दुनिया के सबसे पुराने विश्वविद्यालय अल-क़रावियिन की स्थापना की। उम्मवरका एक कुरानिक विद्वान थीं जो नमाज़ का नेतृत्व करती थीं और उम्म हकीम युद्ध में एक विशेषज्ञ थीं। इन महिलाओं ने शुरुआती इस्लामी इतिहास में नेतृत्व, बहादुरी और बौद्धिक योगदान का उदाहरण दिया।

मुसलमानों, विशेषकर अल्पसंख्यकों, का प्रतिनिधित्व बढ़ाने की आवश्यकता है। उच्च शिक्षा संस्थानों में मुस्लिम महिलाओं की उपस्थिति एक सशक्त समाज के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है। समावेशी शैक्षणिक परिदृश्य। सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक बाधाएं जो इन स्थानों तक पहुंच को सीमित करती हैं, और मुस्लिम छात्रों के लिए उच्च शिक्षा की आकांक्षा के मार्ग प्रशस्त करने के लिए हम आगे बढ़ सकते हैं। एक अधिक न्यायसंगत प्रणाली की ओर। आगे बढ़ने के लिए एक ठोस कदम की आवश्यकता है। संस्थानों और नीति निर्माताओं दोनों की ओर से प्रयास। उच्च शिक्षा के संस्थान शिक्षा को जागरूकता बढ़ाने की दिशा में सक्रिय रूप से काम करना चाहिए। छात्रवृत्ति, ऋण और अन्य शैक्षिक सहायता प्रणालियाँ जो वंचित छात्रों के लिए उच्च शिक्षा एक वास्तविकता है। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालयों में मार्गदर्शन कार्यक्रम मुस्लिम छात्रों को मार्गदर्शन देने में मदद कर सकते हैं, उन्हें नेतृत्व की भूमिका के लिए आकांक्षा रखने हेतु उपकरण और आत्मविश्वास प्रदान करना शिक्षा जगत में। दूसरी ओर, नीति निर्माताओं को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि मौजूदा छात्रवृत्तियाँ और सकारात्मक कार्रवाई पहल न केवल इसे बनाए रखा गया, लेकिन व्यापक दर्शकों तक पहुंचने के लिए इसका विस्तार भी किया गया। नियमित इन योजनाओं की लेखापरीक्षा, साथ ही इनके क्रियान्वयन को बढ़ाने के लिए लक्षित अभियान जागरूकता, नीति और कार्यान्वयन के बीच के अंतर को पाटने में मदद कर सकती है।

आप की बात

आयुष्मान भारत योजना

आयुष्मान भारत योजना से बड़ी संख्या में लोग इलाज का लाभ उठा रहे हैं। बायोमीट्रिक पहचान के जरिए सही लोग इसका लाभ उठा रहे हैं। मगर कुछ हॉस्पिटल इस योजना में गलत तरीके से फायदा उठाने से बाज नहीं आ रहे हैं। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक-कैग ने ऐसे 24 अस्पताल चिन्हित किए हैं जिन्होंने अपनी क्षमता से अधिक मरीजों की भर्ती बताकर सरकार से भुगतान प्राप्त किया है। इसके अलावा आयुष्मान योजना में इलाज पूर्णतः निशुल्क होने के बावजूद भी कुछ हॉस्पिटल मरीजों के परिवारों से दवाइयां व जांच व अन्य सामग्री के पैसे लेते हैं। यह सरासर बेइमानी है जिसका कारण इस योजना से लाभ उठाने वाले अधिकांश लोगों को पूरी जानकारी का अभाव है। इसके साथ ही शिकायतें मिली हैं कि आयुष्मान योजना के लाभार्थियों के प्रति हॉस्पिटल के स्टाफ और डॉक्टर उचित व्यवहार नहीं करते हैं। इससे मरीजों को अपमान झेलना पड़ता है। कई हॉस्पिटल तो आयुष्मान कार्ड धारकों का इलाज करने से मना कर देते हैं। आयुष्मान भारत योजना के लक्ष्यों को विफल करने वाले अस्पतालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई के साथ इस योजना के लाभ सभी जरूरतमंदों तक पहुंचाने के लिए एक व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। इससे जनता को पूरा लाभ आसानी से मिलेगा।

-सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

चंद्रबाबू नायडू की राय

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू उस सरकार का हिस्सा हैं जिसके अनेक नेता पिछले काफी समय से जनसंख्या नियंत्रण नीतियां लागू करने की मांग कर रहे हैं। कुछ भाजपा सदस्यों ने दो बच्चों की नीति पर जोर दिया है। मगर चंद्रबाबू नायडू ठीक इसके विपरीत जाते हुए अपने राज्य में ज्यादा बच्चे पैदा करने वालों को प्रोत्साहित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में बुढ़ाते लोगों की संख्या चिंता का विषय है। राज्य सरकार इसे प्रोत्साहित करने के लिए कानून बनाएगी। नायडू ने कहा कि आंध्र प्रदेश के कई जिले ऐसे हैं जहां गांवों में सिर्फ बुजुर्ग ही बचे हैं। दक्षिण भारत के राज्यों में प्रजनन दर लगातार गिरती जा रही है। देश में जहां औसत प्रजनन दर जहां 2.1 है, वहीं दक्षिण भारतीय राज्यों में यह गिर कर 1.6 तक पहुंच गई है। हालांकि, केंद्र की यूथ इन इंडिया-2022 रिपोर्ट के अनुसार 2036 तक देश की 34.55 करोड़ आबादी ही युवा होगी जो अभी 47 प्रतिशत से ज्यादा है। अभी देश में 25 करोड़ युवा 15 से 25 साल के बीच के हैं, लेकिन अगले 15 साल में यह संख्या और तेजी से गिरेगी। हालांकि, चंद्रबाबू नायडू की चिन्ता दक्षिण भारत के लिए तो ठीक है, पर यही बात बिहार व उत्तर प्रदेश पर लागू नहीं होती है।

- जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

चुनावी राजनीति

चुनावों की घोषणा होते ही मतदाताओं को लुभाने, भरमाने या भड़काने की होड़ मच जाती है। महाराष्ट्र और झारखंड में प्रमुख दो गठबंधन चुनाव मैदान में हैं तथा मतदाताओं को रिझाने के लिए लुभावनी घोषणायें कर रहे हैं। लेकिन जाति और धर्म के मुद्दे को उठाकर राजनीति करने वाले दलों के लिए विजय पथ अधिक पथरीला हो गया है क्योंकि जनता अब खोखले नारों की असलियत समझने का प्रयास कर रही है। मुस्लिमों को भाजपा का भय दिखाकर और भाजपा को उनका स्थाई दुश्मन बताने वाली कांग्रेस व उसके गठबंधन के साथियों के विरुद्ध मुस्लिमों के मन में लगातार बढ़ता संदेह यही सिद्ध करता है। अनेक प्रकार के मुल्ला-मौलवी सोशल मीडिया पर मुसलमानों को भाजपा के खिलाफ भड़काने वाली बातें करते हैं। इनमें से अधिकांश कांग्रेस या उसके सहयोगियों के बजाय छोटी मुस्लिम पार्टियों के समर्थक हैं। इनकी भड़काऊ बातें कई बार कानून और संविधान की सीमायें तोड़ती नजर आती हैं, लेकिन विडंबना है कि ऐसे तत्वों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। समय आ गया है कि सिर तन से जुदा जैसे नारे लगाने वालों के खिलाफ तत्काल और प्रभावी कार्रवाई हर स्तर पर सुनिश्चित की जाए।

- सुधाकर आशावादी, मेरठ

सोने के दाम

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में सोने पर 6 प्रतिशत ड्यूटी घटाकर जो राहत और खुशी महिलाओं दी थी वो कुछ माह में ही गुम हो गई। ड्यूटी घटाने पर सोना 3000 रुपये प्रति 10 ग्राम कम होकर करीब 68800 हो गया था किन्तु अब तो वह 79000 पार हो गया। कहते हैं सोना जितना तपता है उतना ही निखरता है। लेकिन बढ़ती कीमतों ने तो उल्टे उसके खरीदारों को ही तपा दिया। धनतेरस तक तो इसके दाम और बढ़ने की आशंका बनी हुई है। निर्मला जी ने सोना सस्ता कर महिलाओं का जितना दिल जीता था आज उतना ही महंगा होने से सोना नारियों के लिए अब दिलजला होता जा रहा है। सरकार को घरेलू बाजार में सोने के दाम कम करने के उपाय करने चाहिए। शायद ड्यूटी और घटाने पर विचार हो सकता है। सोने के दामों से उसके खरीदारों के साथ ही लाखों छोटे-बड़े कारीगरों की किस्मत भी जुड़ी है। यह देखना भी जरूरी हो गया है कि बड़ी-बड़ी कंपनियों के लिए काम करने वाले कारीगरों की जिंदगी में कितनी चमक आई है।

-शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल pioneer.editorial@gmail.com पर भी भेज सकते है।

विभागीय मेहरबानी में फल-फूल रहा है झोलाछाप डॉक्टरों की क्लिनिक

कार्यवाही का आभाव

दिखावे की कार्रवाई

जिले में उपचार के नाम पर गरीब आदिवासियों का शोषण करने वाले इन झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्रवाई के नाम पर अब तक सिर्फखानापूर्ति ही की गई है। जिला, तहसील व विकासखंड मुख्यालय पर जब नए अधिकारी पदस्थ होते हैं, तब शुरुआती दौर में इन झोलाछाप डॉक्टरों के यहां छापे और उनके फर्जी क्लीनिक को सील करने जैसी कार्रवाई होती है, लेकिन समय बीतने के साथ मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। जिले में सैकड़ों झोलाछाप व बंगाली डॉक्टरों का जाल फैल चुका है। ये नई-नई फर्जी दवा कंपनियों का जहर जिले के गरीब आदिवासियों की रगों में उतार रहे हैं।

जिले में बना ली पैठ

मूलतः बंगाल के इन झोलाछाप चिकित्सकों ने इस आदिवासी जिले में पैठ बना ली है। इन लोगों ने यहां का मूल निवासी होने का प्रमाण-पत्र हासिल करने के साथ ही निर्वाचन नामावली में भी स्थान पा लिया है। इन्हीं में से कुछ तो ऐसे भी हैं जो आदिवासी होने का दावा करते हैं। यहां आकर बस गए झोलाछाप बंगाली डॉक्टरों ने न सिर्फ इस कवर्धा बल्कि पंडरिया, लोहारा, बोड़ला और महली, कुन्डा, रवेली, बोककर खार, धवाईपानी तक लाखों रुपए की संपत्ति बना ली है। इनके बच्चे भी महंगे स्कूलों में पढ़ाई कर रहे हैं और ये अपने बच्चों का उपचार बड़े-बड़े अस्पताल में करवाते हैं, जबकि यहां के गरीब आदिवासियों की ये तमाम किस्म की जांच भी अपने क्लीनिक में ही कर डालते हैं।

पायनियर संवाददाता < कवर्धा
www.dailypioneer.com

जिले में इन दिनों झोलाछाप डॉक्टर बेखौफ होकर अपना काम कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई नहीं करने से ये झोलाछाप डॉक्टर जिले में अपना धंधा फैलाने में जुटे हैं, वहीं उपचार के नाम पर ग्रामीणों का शोषण किया जा रहा है। झोलाछाप डॉक्टरों को प्रशासन का कोई खौफ नहीं है। वनांचल चिल्फी , झलमला, कुई कुकदुर, पोलमी , रेंगाखार, तरेगांव , दलदली सहित जिला मुख्यालय, विकासखंड मुख्यालय, ग्रामों में ये झोलाछाप डॉक्टर अपना अवैध दवाखाना संचालित करते देखे जा सकते हैं। प्रशासन के सुस्त रवैये के कारण झोलाछाप डॉक्टरों में मस्ती छाई हुई है।

स्वास्थ्य विभाग क्यों मेहरबान!

आखिर ऐसा क्या कारण है कि जिला मुख्यालय पर संचालित इन झोलाछाप डॉक्टरों के दवाखानों में स्वास्थ्य विभाग के बड़े अधिकारी एवं जिला प्रशासन छापामार कार्रवाई करने से डर रहे हैं। जिला मुख्यालय पर प्रशासन इन अवैध झोलाछाप डॉक्टरों पर क्यों मेहरबान है? देखा जाए तो जिला मुख्यालय के मिनीमाता चौक, लोहारा नाका चौक, बिजली ऑफिस, बस स्टैंड सहित जिले के कई ग्रामीण इलाकों में ये बंगाली डॉक्टर अपना अवैध दवाखाना खोलकर बैठे हैं।

एथेनाल प्लांट बंद करने के लिए आंदोलनरत किसानों का एक माह पूर्ण

पायनियर संवाददाता < बेमेतरा
www.dailypioneer.com

23सितंबर को रांका और पथर्रा में निर्माणाधीन एथेनाल और पावर प्लांट को बंद करने के लिए शुरू किए गए आंदोलन एक माह का समय पूर्ण हो गया ।इस बीच प्रशासन बदबूदार एथेनाल प्लांट पर रोक लगाने की बजाय शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे किसानो को झूठे केस में फंसाकर प्लांट की जगह पर आंदोलन को बंद कराने की रणनीति पर काम कर रही है।इस एक महीने में धरने के पहले दिन विधायक दीपेश साहू धरना स्थल पर पहुंचे थे। आंदोलन सौ, पचास रुपए के छोटे चंदे पर जो आस पास की किसान और छोटे छोटे बच्चे तक अपनी पैकेट खर्च के दस, बीस दे रहे उसी पर चल रहा है। दशहरे के बाद उपमुख्यमंत्री से आंदोलन करियों को चर्चा कराकर हाल निकलने की बात भी अभी तक गलत ही साबित हुई है। इस संबंध में और जानकारी देते हुए बेरला जनपद पंचायत सभापति सिद्दीक खान ने बताया कि चुनाव के पहले तक इन प्लांट का विरोध करने वाली भारतीय जनता पार्टी अब खुल कर अपने सोशल मीडिया पेज फंसे बुक पर बेमेतरा को एथेनाल प्लांट एवं स्पंज आयरन हब के रूप में प्रचारित कर, इन किसानो का उपहास उड़ाने का ही काम कर रही है। ऐसे में क्षेत्र के किसान अब आस पास के गांव के समर्थन से आंदोलन को आगे बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रहे है। बेमेतरा जिला के इतिहास में कोई किसान आंदोलन पहली बार एक माह चला है। एक माह की लंबी अवधि के बाद भी किसानो में जुनून और जज्बा आज भी पहले दिन की ही तरह दिखाई दे रहा है। अपनी ताकत बढ़ाने किसान प्रति दिन आस पास की गांव में पद यात्रा कर जन जागरण कर इस आंदोलन के लिए जन समर्थन को और मजबूत कर रहे है। किसानो का आरोप है कि पहली बार इतनी संवेदनहीन और निष्क्रिय शासन प्रशासन देखने मिल रहा है।वही उद्योग पति और प्रशासन भी इस आंदोलन को बिखेरने के लिए हर तरह का हटकंडा अपना रहे है।इसकी परिणीति का जा कर रुकेगी अभी कुछ भी कहना जल्द बाजी होगी ।इस एथेनाल प्लांट के प्रारंभ होने से एवं इसकी बदबू और प्रदूषण होने की इस स्थिति में इस आंदोलन का स्वरूप और वृहद रूप ले सकता है।

मुख्य न्यायाधिपति सिन्हा ने वर्चुअल किया नवीन परिवार भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास

2.63 करोड़ की लागत से बन कर तैयार होगा नया भवन

पायनियर संवाददाता < बेमेतरा
www.dailypioneer.com

ज़िला मुख्यालय बेमेतरा में अधिवक्ताओं और पक्षकारों की और बेहतर सुविधा और न्याय प्रणाली में तेजी लाने के लिए आज माननीय मुख्य न्यायाधिपति, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर रमेश कुमार सिन्हा ने नवीन परिवार भवन का वर्चुअल भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। साथ में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के न्यायाधिपति नरेंद्र कुमार व्यास जो कि जिला न्यायालय बेमेतरा के पोर्टफ ोलियों न्यायाधीश विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। उनकी वर्चुअल उपस्थित एवं अनुमति से कार्यक्रम में प्रधान ज़िला एवं सत्र न्यायाधीश बृजेंद्र शास्त्री, और न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय नीलिमा सिंह बघेल ने भूमिपूजन एवं शिलालेख का अनावरण किया। ये नवीन परिवार न्यायालय भवन कलेक्ट्रेट के पास निर्मित होगा । भवन के लिये भूमि आवंटित की गयी है। नया भवन 2.63 करोड़ की लागत से बन कर तैयार होगा। भूमि पूजन में पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू, प्रथम ज़िला एवं अपर सत्र न्यायाधीश देवेंद्र कुमार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी ज़िला पंचायत, टेकचन्द्र अग्रवाल, अध्यक्ष अधिवक्ता संघ प्रणिश चौबे सहित अधिवक्ता, न्यायालय के कर्मचारी गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। मुख्य न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि अति शीघ्र परिवार न्यायालय भवन निर्माण आज भूमि पूजन व शिलान्यास किया गया है। इस भवन में सभी प्रकार की सुविधा सुसज्जित होगी, जिससे यहां आने वाले पक्षकारों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। आप सभी को जितनी अच्छी सुविधा मिलेगी उतने बेहतर परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने कहा कि जैसे नवीन परिवार न्यायालय भवन निर्माण की खूबियां बतायी तो भवन अच्छा बनेगा।ज़रूरत देखरेख और साफ़-सफ़ाई की होगी। उन्होंने सभी से अपेक्षा की भवन जब बनकर तैयार होगा तो वहां काम-काज करने वाले कर्मचारियों को भी अच्छा महसूस होगा और वह पूरी ऊर्जा के साथ काम करेंगे। प्रकरणों के निपटारे में आप सभी अधिवक्ताओं का भी सकारात्मक प्रयास निश्चित रूप से मिलेगा।उन्होंने अधिवक्ताओं से भी अपेक्षा की कि वह भी इसकी गुणवत्ता के साथ हमेशा की तरह स्वच्छता पर विशेष ध्यान देंगे। जैसे अपने घर-परिवार को स्वच्छ रखते है इसे भी वैसे ही रहेंगे। उन्होंने लोक निर्माण विभाग से भी आशा की कि तय समय-सीमा 15 माह में भवन का निर्माण काम पूरा कर लेंगे। उन्होंने सभी को धन्यवाद दिया। नवीन परिवार न्यायालय भवन में, कोर्ट रूम, मीटिंग रूम, लाइब्रेरी, काउंसलिंग, किलकाी, अधिवक्ता कक्ष, रिकॉर्ड रूम, महिला वेटिंग रूम सहित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम सहित अन्य सुविधाएँ होंगी। मेडिटेशन आदि का निर्माण कार्य किया जायेगा। यह भवन 15 महीने में बनकर तैयार होगा।

नपा सीएमओ और एसडीओपी ने कलेक्टर, एसडीएम को पत्र लिख सरयू प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम में अस्थाई पटाखा दुकान को संचालित करना बताया उचित

सीएमओ ने दीपावली के मद्देनजर सरदार पटेल मैदान को पार्किंग व्यवस्था,फूलमाला, मिठाई, लाइट झालर, मिट्टी के बर्तन, पसरा ठेला के लिए किया आरक्षित

पायनियर संवाददाता < बालोद
www.dailypioneer.com

आगामी दीपावली के मद्देनजर नगर के सरदार पटेल मैदान को पालिका ने पार्किंग व्यवस्था, फूलमाला, मिठाई, लाइट झालर, मिट्टी के बर्तन, पसरा ठेला इत्यादि के लिए आरक्षित करते हुए सरयू प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम में अस्थाई पटाखा विक्रय हेतु स्थल किया जाना उचित बताते हुए कलेक्टर को पत्र लिख अपना अभिमत दिया है। वही एसडीओपी ने भी एसडीएम को पत्र लिख सरदार पटेल मैदान में पटाखा दुकान लगने से जान माल की हानि बताते हुए सरयू प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम में अस्थाई पटाखा दुकान को संचालित करना उचित बताया है। शहर की लगातार बढ़ती आबादी और यातायात के दबाव के बीच फटाखा दुकान को शहर से बाहर लगाने नगर पालिका और एसडीओपी द्वारा कलेक्टर व एसडीएम को पत्र लिखा गया हैं। बावजूद दूसरी तरफ सरदार पटेल मैदान में पटाखा दुकान लगाने की तैयारी प्रारंभ हो चुकी है। आपको बता दे नगर के सरदार पटेल मैदान में हर साल करीब तकरीबन 50 पटाखा दुकानों को अस्थाई रूप से लगाया जाता है। यही नही इन पटाखा दुकानों में शासन के गाइडलाइंस के अनुसार जहां हर दुकानों के बीच एक दूरी होनी चाहिए, लेकिन सरदार पटेल मैदान पर लगने वाली दुकानों को एक कॉम्प्लेक्स की तरह एक दूसरे से सटाकर लगाया जाता है। ऐसे में किसी भी एक दुकान यदि कोई घटना घटित होती है, तो पूरा बालोद शहर पर इसका असर हो सकता है। बारूद की ढेर में दुकानें यहां संचालित की जाती हैं।

यातायात का बढ़ जाता है दबाव

हर साल दीपावली के समय सरदार पटेल मैदान में पटाखा दुकान लगाने नगर के दल्ली चौक से लेकर घड़ी चौक तक यातायात दबाव बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। यही नही इस बीच सड़क के किनारे लगने वाले अन्य दुकानों से वाहनों की पार्किंग की समस्या भी बढ़ जाती है। जिसके चलते ग्रामीण इलाको शहर में दीपावली सामान की खरीदी करने आने वालो के सामने वाहन पार्किंग की समस्या भी खड़ी हो जाती है। और लोग अपने वाहनों को सदर बाजार में दुकानों के सामने या सड़क किनारे खड़े कर देते है। जिसके चलते पूरा सदर बाजार में कभी कभी ऐसी स्थिति निर्मित हो जाती है कि लोगो को पैदल चलने की जगह भी नहीं होती है।

एसडीओपी और नपा सीएमओ ने कलेक्टर को लिखा ये पत्र

मामले पर स्थानीय फटाखा व्यापारियों द्वारा प्रशासन से बालोद के सरदार पटेल मैदान में फटाखा दुकान लगाने की अनुमति मांग करने के बाद नगर पालिका सीएमओ सौरभ शर्मा तथा एसडीओपी देवांश राठौर द्वारा कलेक्टर एवं एसडीएम को पत्र लिख अवगत कराया गया कि आगामी दीपावली पर्व पर बालोद जिला मुख्यालय में शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्रों के बहुतायत संख्या में लोग पहुंचते है तथा दीवाली सामानों की खरीदी करने बालोद के मेन मार्केट, सदर रोड़ एवं घड़ी चौक के आसपास व सदर क्षेत्र के रोड़ किनारे में अपना वाहन का पार्किंग किया जाता है। इसी तरह व्यवसायियों एवं दुकानदार द्वारा सड़क किनारे फूलमाला, मिठाई, लाईट झालर, मिट्टी के बर्तन, पसरा, ठेला लगाने से सड़क पर जाम की स्थिति निर्मित होती है। जिसके कारण दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी रहती है। वही इन समस्यायों को देखते हुए स्थानीय पालिका प्रशासन ने सरदार पटेल मैदान में पार्किंग व्यवस्था के अलावा सड़क किनारे लगने वाली फूलमाला, मिठाई, लाईट झालर, मिट्टी के बर्तन, पसरा, ठेला लगाने वालों को सरदार पटेल मैदान में जगह दिये जाने की अनुशंसा करते बताए की इससे शहर मार्केट में होने वाली भीड़ को भी व्यवस्थित किया जा

अप्रिय घटना घटित होने पर हो सकती है जानमाल की हानि

वही पत्र में सीएमओ द्वारा स्पष्ट कहा गया है कि सरदार पटेल मैदान के आसपास भीड़ वाली क्षेत्र होने से उक्त मैदान में फटाका दुकान का स्टाल लगाने से अप्रिय घटना घटित होने की स्थिति में अधिक जान-माल की हानि हो सकती है। और सरदार पटेल मैदान को पार्किंग व्यवस्था, फूलमाला, मिठाई, लाईट झालर, मिट्टी के बर्तन, पसरा, ठेला इत्यादि के लिये आरक्षित करते हुए सरयू प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम बालोद में अस्थाई फटाका दुकान आबंटन के लिए उचित बताया गया। बहरहाल एक तरफ पालिका प्रशासन और स्थानीय पुलिस द्वारा जिस जगह को फटाखा दुकान के लिए अनुचित बताया जा रहा उस स्थान पर तेजी से अस्थाई फटाखा दुकान का निर्माण कराया जाना प्रशासन को चुनौती देने जैसी बात नजर आ रही है। बहरहाल देखना होगा पूरे मामले को लेकर प्रशासन आगे क्या रुख इख्तियार करती है।

अमृत भारत योजना: रायपुर मंडल के 15 स्टेशनों पर पुनर्विकास कार्य तेजी से जारी

पायनियर संवाददाता < दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में स्थित 15 स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार के मार्गदर्शन में तेजी से प्रगति कर रहा है। इन स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करके यात्रियों के लिए अधिक आरामदायक, सुरक्षित और स्तरीय बनाया जा रहा है। भारतीय रेलवे द्वारा इस योजना के तहत मंडल में यात्री सुविधाओं को और बेहतर करने हेतु विशेष प्रयास किए जा रहे हैं, जोकि यात्रियों की सुरक्षा, संरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। मंडल के 15 स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है जिनमे 1) भाटापारा, (2) भिलाई पावर हाउस, (3) तिल्दा-नेवरा, (4) बेल्हा, (5) भिलाई, (6) बालोद, (7) दल्ली राजहरा, (8) भानुप्रतापपुर, (9) हथबंद, (10) सरोना, (11) मरोदा, (12) मंदिर हसौद, (13) उरकुरा, (14) निपनिया, (15) भिलाई नगर, शामिल हैं। स्टेशनों की सुंदरता, स्वच्छता और यात्री सेवाओं का उच्चतम स्तर सुनिश्चित किया जा रहा है। साथ ही पर्यावरण-अनुकूल तकनीक और डिज़ाइन से पुनर्विकसित किया जा रहा है, जिससे इनकी स्थिरता और साज-सज्जा में वृद्धि हो रही है। पुनर्विकास कार्य दीर्घकालिक विकास के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है, जिससे रेल सेवाओं में वृद्धि के साथ यात्रियों की यात्रा अनुभव को बेहतर बनाया जा सके। इन स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्न कार्य किए जा रहे हैं - भव्य प्रवेश द्वार : यात्रियों के सुगम स्टेशन प्रवेश व निकासी हेतु भव्य प्रवेश द्वार बनाया जा रहा है साथ ही स्टेशन के भी आकर्षक लगेगा। चौडे फुट ओवर ब्रिजः इस ब्रिज को एयर कांकॉर्स के रूप में विकसित किया जा रहा है ताकि यात्रियों को प्लेटफार्मों पर जाने में अधिक आसानी हो। लिफ्ट : यात्रियों की सुविधा के लिए लिफ्ट की सुविधा दी जा रही है ताकि सभी यात्रियों, विशेषकर बुजुर्गों और दिव्यांगजनों को अधिक आराम मिल सके। प्लेटफार्म पर कवर शेडः बारिश और धूप से बचने के लिए प्लेटफार्मों पर कवर शेड लगाए जा रहे हैं। कोच गाइडेंस डिस्प्ले सिस्टमः यात्रियों को उनकी ट्रेन और कोच की स्थिति के बारे में सटीक जानकारी देने के लिए कोच गाइडेंस डिस्प्ले सिस्टम की स्थापना की जा रही है। डिस्प्ले बोर्ड्स और मार्गदर्शन साइनेजः मॉल्स की तरह, स्टेशनों पर भी दिशा निर्देशों और जानकारी के लिए आधुनिक साइनेज बोर्ड्स लगाए जा रहे हैं ताकि यात्री आसानी से स्टेशन में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त कर सके। दिव्यांगजनों के लिए विशेष सुविधाएंः स्टेशनों पर दिव्यांगजनों (दिव्यांग यात्रियों) के लिए विशेष सुविधाओं का भी प्रावधान किया जा रहा है। इन सुविधाओं में रैंप, मार्क पार्किंग और लो हाइट टिकट बुकिंग काउंटर शामिल हैं, जिससे दिव्यांग यात्रियों को बेहतर सहायता मिल सके। साथ ही, प्लेटफार्म पर दिव्यांगजनों के लिए अलग से टॉयलेट, लो हाइट ड्रिंकिंग वाटर बूथ और व्हीलचेयर की व्यवस्था की जा रही है। इसके अतिरिक्त प्लेटफार्मों पर कोच गाइडेंस सिस्टम, साइनेज, और स्टैंडर्ड टैक्सटाइल गाइड जैसे साधन उपलब्ध कराये जा रहे हैं जिससे दिव्यांगजनों को ट्रेनों तक पहुँचने और आवश्यक जानकारी प्राप्त करने में आसानी होगी । इसके अलावा स्टेशनों में स्थानीय कला-संस्कृति की चित्रकारी, गार्डन निर्माण कर सौंदर्यीकरण के साथ अन्य यात्री सुविधाओं का विकास व विस्तार, प्रतीक्षालयों का नवीनीकरण, सर्कुलेटिंग क्षेत्र को बेहतर बनाते हुये सड़कों को चौड़ा कर सुगम मार्ग बनाना, सुव्यवस्थित पार्किंग एरिया डेवलप करना, बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करना, डिजाइनर साइनेजेस, स्टेशन पहुँचने के लिए सुगम मार्ग बनाने जैसे विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं । यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के प्रति रेलवे की प्रतिबद्धताः भारतीय रेलवे सदैव अपने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। इन पुनर्विकास परियोजनाओं के तहत स्टेशनों को न केवल भौतिक रूप से मजबूत किया जा रहा है, बल्कि अत्याधुनिक सुरक्षा उपाय जैसे सीसीटीवी कैमरे और आपातकालीन सेवाओं की त्वरित उपलब्धता भी सुनिश्चित की जा रही है। इन योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से यात्रियों के सफर को और अधिक सुरक्षित, आरामदायक और सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। मंडल द्वारा किए जा रहे ये कार्य न केवल रेलवे के बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहे हैं, बल्कि क्षेत्रीय विकास और आर्थिक वृद्धि में भी सहायक सिद्ध होंगे ।

नगर में अपराधी बेखौफ, आमजन असुरक्षित सरेआम चाकूबाजी की हो रही हैं घटनाएं

पायनियर संवाददाता < कुम्हारी
www.dailypioneer.com

जितेंद्र सिंह पिता स्व उत्तीम लाल सिंह (कुर्मी) उम्र 53 साल सा रामनगर बाजार चौक वार्ड नं. 07 थाना कुम्हारी जिला दुर्ग छ.ग. निवासी जो कि केडिया डिस्टलरी में सुपरवाईजर के पद पर काम करता है। 20.10.2024 के 07:30 बजे शाम को अपने घर से निकलकर बस्ती में सत्तु होटल के सामने बैठा था उसी समय संतोष निर्मलकर आया और अश्लील गालियाँ दे रहा था जिसे सुनकर उसे गाली देने से मना करने पर जितेंद्र सिंह से बोला तू मुझे मना करने वाला कौन होता है अभी तुझे जान से मारकर खत्म कर दूँगा इस प्रकार की धमकी देकर अपने कमर से लोहे का चाकू निकाला और जितेंद्र सिंह को जान से मार डालने की नियत से पेट में चाकू मारा चाकू देखकर जितेंद्र सिंह ने बांए हाथ को उठाया तो चाकू जितेंद्र सिंह के पेट में न लगकर बांए हाथ की कोहनी के नीचे काफी गहरा चोट लगा जिस से बहुत रक्तस्त्राव हुआ। जितेंद्र सिंह को चाकू मारने के बाद संतोष निर्मलकर भाग गया। चाकू मारते हुए शांति नगर निवासी कुंज शुक्ला ने देखा। जितेंद्र सिंह ने जोर से आवाज दिया तो उसका भतीजा हिमालय सिंह आया और सत्तु होटल वाला निकला तो उन्हें घटना के बारे में बताया तब उसका भतीजा हिमालय सिंह जितेंद्र सिंह को तत्काल कुम्हारी अस्पताल ले गया और प्राथमिक उपचार के बाद अच्छे ईलाज हेतु स्थानीय एपेक्स अस्पताल कुम्हारी में ले जाकर ईलाज कराया । उक्त जानकारी प्रदान करते हुए थाना प्रभारी जनकराम कुर्रे ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या शिकायत दर्ज किया जाकर तत्काल आरोपी संतोष निर्मलकर पिता स्व. रामू निर्मलकर उम्र 45 साल निवासी महामाया पारा वार्ड नं 04 थाना कुम्हारी जिला दुर्ग छ.ग. को पकड़ कर थाने में लाया गया तथा धारा 296, 109 के अंतर्गत संबंधित प्रक्रिया की कार्यवाही समाचार लिखे जाने तक की जा रही थी ।

संयुक्त खदान मजदूर संघ कार्यालय दल्लीराजहरा में यूनियन की हुई बैठक

पायनियर संवाददाता < दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

संयुक्त खदान मजदूर संघ कार्यालय दल्ली राजहरा में यूनियन की आवश्यक बैठक हुई। जिसमें संयुक्त खदान मजदूर संघ के केंद्रीय अध्यक्ष कामरेड सी आर बक्शी एवं महामंत्री कामरेड आर डी सी पी राव बैठक में शामिल हुए। इस दौरान यूनियन के सचिव कमलजीत सिंह मांन ने कहा की ठेका श्रमिकों के लिए चिकित्सा सुविधा लागू करने में प्रबंधन आनाकानी कर रहा था। इस मांग को लेकर 26 सितंबर को प्रबंधन को सूचना दी गई थी की खदान के ठेका श्रमिक एवं यहां की यूनियनें 14 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल सहित सीधी कार्रवाई करेगी। यूनियन के आव्हान के चलते 14 अक्टूबर से जो अनिश्चितकालीन हड़ताल करने वाले थे उस पर प्रबंधन के द्वारा यूनियनों के साथ बैठक 12 अक्टूबर को कराई गई, जिसमें प्रबंधन की ओर से इस समस्या का समाधान करने के लिए अतिरिक्त समय की मांग की गई। प्रबंधन के अनुरोध पर दिनांक 14 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल को दिनांक 27 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। यदि प्रबंधन 27 अक्टूबर तक उचित कार्रवाई नहीं करती है तो खदान के ठेका श्रमिक एवं यूनियनें 28 अक्टूबर से अनिश्चित हड़ताल करने के लिए बाध्य होगी। इसके लिए आप सभी तैयार रहें । कंवल जीत मान ने आगे कहा कि नियमित कर्मचारियों का 1 जनवरी 2017 से प्रभावित वेतन समझौते के सभी लंबित मुद्दे जिसमें 39 महीने का एरियर्स का तत्काल भुगतान किया जाए। बोनस फॉर्मूला को रद्द करते हुए द्विपक्षी वार्ता बुलाकर बोनस पुनर्निर्धारण किया जाए। ग्रेच्युटी सीमित करने संबंधी एक तरफ आदेश को निरस्त कर ग्रेच्युटी पर सीलिंग को हटाया जाए। इंसेंटिव स्कीम को रिवाइज किया जाए। स्थाई कर्मचारियों के साथ ठेका कर्मचारियों का वेतन समझौता भी किया जाए तथा एस1 ग्रेड का वेतनमान ठेका कर्मचारियों को दिया जाए। ठेका कर्मचारियों की ई एस आई की सीमा 21000 से बढ़कर 30000 किया जाए। ठेका कर्मियों को 20त्न बोनस दिया जाए । इन मांगों को लेकर प्रबंधन को 27 अक्टूबर तक का समय दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि यूनियन का नया भवन बहुत संघर्षों के बाद यूनियन के समस्त सदस्यों के सहयोग से बना है। इस यूनियन कार्यालय में नियमित कर्मचारी एवं ठेका श्रमिक कभी भी उपस्थित होकर बैठक कर सकते हैं। यहां पर ठेका कर्मचारी की पूरी जानकारी कंप्यूटर में उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा ।कोई भी ठेका कर्मचारी अपनी जानकारी कार्यालय में आकर ले सकता सकेगा। कामरेड सी आर बख्शी ने कहा कि हमारा संगठन एटक की स्थापना सन 1920 में हुआ था। एटक के लोगों ने आजादी की लड़ाई में अपना योगदान दिया था। हमारा संगठन श्रमिकों के हित के लिए हमेशा लड़ता आया है संयुक्त खदान मजदूर संघ मजदूरों के हक की लड़ाई लड़ने वाला संगठन है। मजदूरों को उनका हक दिलाने वाला संगठन है ।आज यहां का कार्यालय देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है कि मजदूर का इतना बड़ा कार्यालय हमारे दल्ली राजहरा संगठन ने बनाया है ।इसके लिए सचिव और यहां के साथियों को बहुत-बहुत बधाई। कामरेड आरडीसीपी राव ने कहा कि आपको इस नए कार्यालय बनाने के लिए बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं आपका कार्यालय बनने से निजी एवं ठेका श्रमिकों की समस्याओं के लिए बैठने का एक उचित स्थान मिलेगा। जहां पर आप एकत्रित होकर मजदूरों के हक के लिए चर्चा करेंगे और प्रबंधन से मजदूरों का हक लेकर रहेंगे। इसके लिए आप लोगों को निरंतर अनेक लड़ाइयां लड़नी पड़ेगी। आप लोगों को निरंतर मिलजुल कर संगठन को मजबूत करना पड़ेगा। संगठन जीतना मजबूत रहेगा तब हम प्रबंधन से कोई भी लड़ाई जीत पाएंगे।

जिन्हें बेकार समझकर पाट दिये, वही तालाब अब बुझा रहे फसलों की प्यास

धमधा में विलुप्त हो चुके तालाबों के पुनर्निर्माण से हो रहा किसानों को फायदा, दर्जनों एकड़ क्षेत्र में धान की फसल की हो रही सिंचाई

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

धमधा के जिन सात तालाबों को किसानों ने अनुपयोगी समझकर पाट दिया था, उनमें खेती करने लगे थे, लेकिन अब जब उन विलुप्त तालाबों को पुनर्जीवित किया गया, तब जाकर उन तालाबों का महत्व समझ में आ रहा है। धमधा के ये सात तालाब किसानों की फसलों के लिए जीवनदायी साबित हो रहे हैं। इस साल बारिश नहीं होने से धान की फसल संकट में आ गई है। ऐसे में फिर से खोदे गए ये तालाब ही उन फसलों की प्यास बुझा रहे हैं। यह किसानों के लिए अमृत का काम कर रहे हैं। दुर्ग जिले के ऐतिहासिक नगर धमधा को छह आगर छह कोरी तरिया यानी 126 तालाबों की नगरी के नाम से जाना जाता है। ये तालाब बौद्ध काल से गोंडवाना शासन तक धीरे-धीरे खोदे गए थे। लेकिन समय के साथ लोगों ने इसे बिसार दिया। ट्यूबवेल आने के बाद लोगों ने इन तालाबों से सिंचाई करना बंद कर दिया और ये समय के साथ पटते चले गए। धमधा के 56 से ज्यादा तालाब विलुप्त हो चुके हैं। इनमें से 36 तालाब तो आज भी सरकारी भूमि के रूप में अंकित हैं। धर्मधाम गौरवगाथा समिति ने इन तालाबों को खोज और उन्हें फिर से खोदने की पहल की, जिसके बाद शासन-प्रशासन व नागरिकों के सहयोग से अब तक सात तालाबों को पुनर्जीवन प्रदान किया जा चुका है। उनकी खुदाई करके उनमें काष्ठस्तंभ की स्थापना भी की गई है, जिसके बाद यह सबके लिए उपयोगी साबित हो रहा है। इस साल किसानों को इसकी सबसे अधिक जरूरत महसूस हुई, जब अक्टूबर महीने में बारिश नहीं होने से उनकी फसल सूखने लगी। किसानों ने फिर से खोदे गए तालाबों में मोटर पंप व डीजल पंप लगाकर पानी खींच रहे हैं और अपने खेतों में सिंचाई कर रहे हैं। भानपुर स्थित बनफरा तालाब व कुकुरचब्बा तालाब से अशोक साहू, रोहित साहू, रमेशर साहू, रामचंद्र देवांगन ने अपने खेत में सिंचाई की है। इसके साथ ही हाथी बूढ़ान तालाब, तेली डबरी, घोड़ा बूढ़ान तालाब भी अच्छा जल संचय हुआ, जिससे जीव-जन्तु व मवेशियों के लिए पानी मिल रहा है। लोकईया तालाब और चरगोड़िया तालाब में कमल व कुमुदनी खिले हुए हैं, जिसे पूजा के लिए लोग बेचने ले जा रहे हैं। इसके अलावा तितुरघाट के चतुर्भुजी विष्णु कुंड का उपयोग श्रद्धालुओं के साथ मवेशियों के लिए हो रहा है। धर्मधाम गौरवगाथा समिति ने गोपाल व गोपालीन तालाब में भी पानी भरने के लिए खेतों से निकलने वाले पानी को डायवर्ट किया, जिसके बाद वहां जलभराव हुआ है, जिससे विजय ढीमर और बड़कू साहू के खेतों में धान की फसल के लिए सिंचाई हो रही है। इस तरह सात तालाबों के फिर से बनने से अनेक लोगों को लाभ मिल रहा है।

30 सरकारी तालाबों के लिए मांगी रिपोर्ट

धमधा के तीस और तालाब हैं, जो विलुप्त हो चुके हैं। परन्तु सरकारी रिकार्ड में वे तालाब या डबरी के रूप में दर्ज हैं। ये सरकारी तालाब हैं, जिनका उपयोग निस्तारी व सिंचाई के लिए किया जाता था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ऐसे तालाबों के चिन्हांकन और सीमांकन के लिए तहसीलदार ताराचंद खरे ने रिपोर्ट मंगाई है, उन्होंने इसके लिए राजस्व निरीक्षक को निर्देशित किया है। ऐसे तालाबों को चिन्हांकित कर कब्जा मुक्त करने व फिर से तालाब बनाने की मांग मुख्यमंत्री से की गई है।

कुरकुट नदी से अवैध खनन से बढ़ रहा है पर्यावरणीय खतरा

नाबालिग चालक बना रहे हैं स्थिति को और भी गंभीर

पायनियर संवाददाता ➤ रायगढ़
www.dailypioneer.com

जिले के घरघोड़ा शहर की जीवनदायिनी मानी जाने वाली कुरकुट नदी के तटों से दिन-रात रेत की अवैध चोरी और तस्करी की घटनाएँ बढ़ती जा रही हैं। इस अवैध खनन से न केवल पर्यावरण को नुकसान हो रहा है, बल्कि शहर के लोगों के लिए कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि रेत तस्करी में नाबालिग चालकों द्वारा ट्रैक्टरों का इस्तेमाल हो रहा है, जिससे सड़क सुरक्षा भी गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है।

पर्यावरण पर पड़ रहा गंभीर असर- कुरकुट नदी, जो घरघोड़ा की जीवनरेखा मानी जाती है, इन अवैध खनन गतिविधियों के कारण अपने अस्तित्व पर संकट का सामना कर रही है। लगातार रेत की निकासी से नदी का जलस्तर घटता जा रहा है, जिससे जलस्रोतों पर दबाव बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह अवैध खनन ऐसे ही चलता रहा, तो नदी के तटीय क्षेत्रों का क्षरण और जलधाराओं का प्रवाह असंतुलित हो सकता है। इसके अलावा, नदी के आसपास की पारिस्थितिकी तंत्र को भी बड़ा नुकसान हो रहा है। स्थानीय निवासी इस अवैध रेत खनन से परेशान हैं और कई बार प्रशासन से इसकी शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अभी तक इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। एक निवासी ने बताया, 'रेत तस्करों की गतिविधियों के कारण नदी के किनारे की जमीन धीरे-धीरे कमजोर हो रही है, जिससे बाढ़ और भूमि धंसने का खतरा बढ़ सकता है। हमारी फसलें और जीविका इससे प्रभावित हो रही हैं।

नाबालिग चालकों द्वारा ट्रैक्टरों का संचालन- सड़क सुरक्षा खतरे में रूरेत की तस्करी में नाबालिग चालकों द्वारा ट्रैक्टरों का संचालन एक और गंभीर समस्या बन गई है। नाबालिग बच्चों द्वारा ट्रैक्टर चलाकर रेत का परिवहन किया जा रहा है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई है। ये नाबालिग चालक बिना किसी प्रशिक्षण या लाइसेंस के ट्रैक्टर चला रहे हैं, जिससे सड़कों पर चलने वाले अन्य लोगों की जान को खतरा पैदा हो रहा है।

रीना की सक्रियता- पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष पार्षद रीना नरेश गेवाड़ीन पहुंची नगर पालिका

पायनियर संवाददाता ➤ सक्ती
www.dailypioneer.com

नगर पालिका परिषद शक्ति की पूर्व उपाध्यक्ष एवं वार्ड क्रमांक- 17 की पार्षद तथा नगर पालिका की सभापति रीना नरेश गेवाडीन ने 22 अक्टूबर को अपने वार्ड की विभिन्न समस्याओं को लेकर वार्ड वासियों के साथ नगर पालिका कार्यालय पहुंच कर वहां मौजूद मुख्य नगर पालिका अधिकारी संजय सिंह को ज्ञापन सौपा,इस दौरान पार्षद रीना नरेश गेवाडीन ने बताया कि उनके वार्ड में नागरिकों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ बहुत से परिवारों को नहीं मिल पाया है, तथा पीएम आवास योजना का लाभ उनके वार्ड के नागरिकों को तत्काल दिया जाए, साथ ही रीना ने वार्ड क्रमांक- 17 में आवश्यकता अनुसार सड़कों का निर्माण, नालियों का निर्माण एवं पेयजल की समस्या सहित विभिन्न समस्याओं से सीएमओ आपका ध्यान आकृष्ट करवाया जिस पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी संजय सिंह ने भी कहा कि उपरोक्त सभी मांगों पर नगर पालिका द्वारा उचित पहल की जाएगी तथा रीना गेवाडीन के साथ पहुंचे वार्ड वासियों ने भी कहा कि हमारे वार्ड में पार्षद जी निरंतर वार्ड की समस्यायो के लिए सक्रिय रहती है तथा हमें नगर पालिका आने की जरूरत नहीं पड़ती-ज्ञात हो की वार्ड क्रमांक- 17 की पार्षद रीना नरेश गेवाड़ीन द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान समय-समय पर शासन की योजनाओं के लिए वार्ड में ही शिविर लगाकर लोगों को वहीं इसका लाभ दिलाने प्रयास किया जाता है, तथा विगत महीनो जब छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना प्रारंभ हुई जब रीना ने अपने वार्ड में उपस्थित होकर प्रत्येक हितग्राहियों का फॉर्म भरवाया, जिसका लाभ आज हितग्राहियों को मिल रहा है।

जिन्दल पैंथर सीमेंट की बड़ी छलांग, 15 लाख टन क्षमता के साथ ग्रीन सीमेंट क्रांति की शुरुआत

ओडिशा के अंगुल में सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट शुरू, जेपीसी डिकार्बोनाइजेशन के लिए प्रतिबद्ध

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

जिन्दल समूह के एक अभिन्न अंग, जिन्दल पैंथर सीमेंट (जेपीसी) ने ओडिशा के अंगुल में अपनी पहली सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट शुरू कर एक बड़ी छलांग लगाई है। 15 लाख टन प्रतिवर्ष (1.5 एम.टी.पी.ए.) क्षमता की यह अत्याधुनिक यूनिट नवीन जिन्दल के नेतृत्व वाली कंपनी जिन्दल स्टील एंड पावर (जेएसपी) के अंगुल इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट से निकलने वाले लगभग 10 लाख टन (1 एम.टी.पी.ए.) ब्लास्ट फर्नेस स्लैग का इस्तेमाल सीमेंट बनाने में करेगी। बड़ी बात यह है कि पूरे सीमेंट उद्योग जगत में सबसे कम क्लिंकर का उपयोग कर यह यूनिट न्यूनतम कार्बन फुटप्रिंट घटाने और दीर्घकालिक औद्योगिक प्रथाओं को स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण काम कर रहा है।

ग्रीन सीमेंट की दिशा में अग्रसर- जिन्दल पैंथर सीमेंट की अंगुल ग्राइंडिंग यूनिट का उद्देश्य मध्य और पूर्वी भारत के उपभोक्ताओं के लिए न्यूनतम कार्बन उत्सर्जन सुनिश्चित करते हुए उच्च गुणवत्ता वाला पोर्टलैंड स्लैग और कंपोजिट सीमेंट बनाना है। खास बात यह है कि जेएसपी में स्टील उत्पादन प्रक्रिया से निकले अपशिष्ट (वेस्टेज) का पुनः उपयोग करके जिन्दल पैंथर सीमेंट कार्बन फुटप्रिंट घटाने और दीर्घकालिक औद्योगिक प्रथाओं को स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण काम कर रहा है। आने वाले समय की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जेपीसी जिस तरह आगे बढ़ रहा है। वह जिन्दल स्टील एंड पावर (जेएसपी) के बड़े पैमाने पर कार्बन फुटप्रिंट घटाने के उद्देश्यों से मेल खाता है, जो पूरे समूह को एक हरित एवं स्थायी भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में अग्रसर करेगा।

भविष्य की योजनाएं- जिन्दल पैंथर सीमेंट ने अब अंगुल और रायगढ़ यूनिटों में उत्पादन क्षमता को 70 लाख टन प्रतिवर्ष (7 एम.टी.पी.ए.) तक बढ़ाने की योजना बनाई है, जिसमें 2160 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। यह विस्तार क्षेत्र में बुनियादी ढांचा निर्माण के लिए बढ़ती विश्वसनीय सामग्रियों की आसान उपलब्धता सुनिश्चित कराने के साथ-साथ सीमेंट उद्योग में कंपनी की उपस्थिति को और मजबूत करेगा। पूर्वी भारत का पहला वन-स्टॉप शॉप (एक ही स्थान पर समस्त निर्माण सामग्री) बनने की दिशा में अग्रसर जेपीसी का सीमेंट और जेएसपी का रीबार (सरिया) प्रसिद्ध 'जिंदल पैंथर' ब्रांड के अंतर्गत संयुक्त रूप से उपलब्ध कराया जाएगा। इसका उद्देश्य अपना घर बनाने का सपना देख रहे एक-एक व्यक्ति को एक ही स्थान पर स्टील और सीमेंट उपलब्ध कराकर एक सरल समाधान प्रदान करना है। इस सुव्यवस्थित प्रक्रिया से ग्राहकों को गुणवत्ता, सुविधा और प्रतिस्पर्धी दरों का लाभ मिलेगा। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, जेपीसी के सीईओ रोहित वोहरा ने कहा, अंगुल ग्राइंडिंग यूनिट शुरू होना एक बेहतरीन भविष्य निर्माण की दिशा में हमारा एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा लो-कार्बन सीमेंट और बाजार का हमारा नया मॉडल पूर्वी भारत के बुनियादी ढांचे के विकास में हमारी महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करेगा ही, एक हरित धरती के निर्माण के सपने साकार करने में भी हमारा मददगार साबित होगा।

जिन्दल पैंथर सीमेंट (जेपीसी) के बारे में- जिन्दल पैंथर सीमेंट (जेपीसी), जिन्दल समूह का एक अंग है, जो उच्च गुणवत्ता वाले, लो-कार्बन सीमेंट का उत्पादन कर रहा है। यह अंगुल और रायगढ़ में ग्राइंडिंग यूनिटों का सुव्यवस्थित संचालन कर देश की निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्यावरण अनुकूल पोर्टलैंड स्लैग और मिश्रित सीमेंट का उत्पादन कर रहा है। जिन्दल पैंथर सीमेंट सस्टेनेबिलिटी, इनोवेशन और देश के बुनियादी ढांचे के विकास में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

लाइफस्टाइल के नए कलेक्शन के साथ अपने फेस्टिव स्टाइल का मनाएं जश्न

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

भारत के प्रमुख फैशन डेस्टिनेशन लाइफस्टाइल ने इस सीजन के लिए अपना एक्सक्लूसिव फेस्टिव कलेक्शन लॉन्च किया है, जो आपके त्योहारों के खास पलों में स्टाइल और सोफिस्टिकेशन का एक नया तड़का लगाएगा। लाइफस्टाइल का नया फेस्टिव कलेक्शन हर किसी के लिए कुछ खास लेकर आया है। पारंपरिक और फ्यूजन एथनिक वियर की टाइमलेस अपील से लेकर आधुनिक वेस्टर्न स्टाइल्स की ग्लैमर तक, यह कलेक्शन स्टाइल और आकर्षण का शानदार मिश्रण है। इस कलेक्शन में नए डिज़ाइन वाले कुर्ता सेट्स, मॉडर्न सिल्हूट्स, बोल्ड रंग और शानदार पैटर्न्स हैं, जो फेस्टिव फैशन को एक स्टाइलिश टच देते हैं। नए फेस्टिव कलेक्शन में महिलाओं के लिए कई पैटर्न्स और सजीव रंगों से सजे हुए एथनिक वियर ऑप्शन की लंबी रेंज मौजूद है। फ्लोरल और बोटैनिकल्स से प्रेरित पहनने में यह आसान कुर्ते और सेट्स दिन के सेलिब्रेशन्स के लिए एकदम परफेक्ट हैं। पारंपरिक और आधुनिक एस्थेटिक्स को पसंद करने वालों के लिए, यह कलेक्शन समकालीन ब्लॉक-प्रिंट्स, अजरख से प्रेरित पैटर्न्स, और उत्कृष्ट सिल्हूट्स जैसे अनारकली, स्ट्रेट-फिट्स, कुर्ता सेट्स में सजाए गए आकर्षक डिज़ाइन्स पेश करता है, जो त्योहारों के लिए एकदम सही विकल्प हैं। जो लोग मॉडर्न स्टाइल चाहते हैं, उनके लिए यह फेस्टिव कलेक्शन आकर्षक गोल्ड और प्लेटिनम ड्रेसेस और स्टाइलिश टॉप्स पेश करता है। वहीं, दूसरी ओर पुरुषों के लिए नए फेस्टिव कलेक्शन में ट्रेडिशनल और मॉडर्न स्टाइल का अनूठा मेल लेकर आया है, जिसमें कुर्ते और जैकेट्स की शानदार रेंज शामिल है।

जीप ने अपडेटेड फीचर्स और नए वैरिएंट्स के साथ ऑल-न्यू 2025 मेरिडियन पेश की

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

जीप इंडिया ने बेहतर फीचर्स और चार नए डायनामिक ट्रिम्स - लॉन्गिट्यूड, लॉन्गिट्यूड प्लस, लिमिटेड (ओ), और ओवरलैंड के साथ नई जीप मेरिडियन पेश की है। अपने साइज़ और सॉफिस्टिकेशन के लिए लोकप्रिय हुई, मेरिडियन में अब सुरक्षा, टेक्नोलॉजी, और कम्फर्ट के मामले में ज्यादा आधुनिक और अतुलनीय विशेषताएं दी गई हैं। इसकी बोल्ड रिपोज़िशनिंग के साथ अब जीप का आईकोनिक अनुभव और ज्यादा ग्राहक ले सकेंगे, जो इस ब्रांड की लीजेंडरी क्षमता और भावना का प्रतिनिधित्व करेगा। जीप इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर, कुमार प्रियेश ने कहा, जीप मेरिडियन उन ग्राहकों द्वारा प्रीमियम मॉडल की मांग को पूरा करने के लिए बनाई गई है, जिनका अनुभव जीप की श्रृंखला के साथ विकसित हुआ है। मेरिडियन भारत में जीप के एक नए चरण की शुरुआत करेगी और अपने प्रभावशाली एवं सॉफिस्टिकेटेड डिजाईन, प्रीमियम फिनिश तथा अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ विशेष व्यक्तित्व पेश करेगी, जो जीप की लीजेंडरी एडवेंचर क्षमताओं के अनुरूप होगा। अतिरिक्त वैरिएंट्स के साथ हम जीप को भारत में ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों तक पहुँचाने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप विभिन्न ग्राहकों की मांग को पूरा करने के लिए उत्साहित हैं। जीप मेरिडियन सौंदर्य और डायनामिज़्म का बेहतरीन संतुलन प्रदान करती है, जो जीप ब्रांड की पहचान है। इसमें यूनिफाईड हेडलैंप्स के साथ सिग्नेचर सैवन-स्लॉट ग्रिल वाहन को एक प्रभावशाली लुक प्रदान करता है।

जिला शिक्षा अधिकारी ने जारी किया आदेश शासन के निर्देशों के तहत की अनुकंपा नियुक्ति

पायनियर संवाददाता ➤ सक्ती
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार प्रदेश के विभिन्न सरकारी विभागों में समय-समय पर अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों पर तत्काल अविलंब कार्रवाई की जा रही है, इसी श्रृंखला में शक्ति जिले के जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र कुमार चंद्रा ने भी अपने पत्र क्रमांक 3248 सक्ती दिनांक 21.10. 2024 में तुषार वैष्णव पिता स्व घनश्याम दास वैष्णव अमर नगर वार्ड नम्बर 03 नगर पंचायत डभरा का उनके पिता के स्थान पर अनुकम्पा नियुक्ति चतुर्थश्रेणी कर्मचारी नियमित भृत्य के पद पर शास. उच्च. माध्य. शाला मसनियाकला में तथा पत्र क्रमांक 3250 सक्ती 21.10.2024 में सिद्धार्थ चौबे, पिता खगेश्वर प्रसाद चौबे, ग्राम पोस्ट पेण्डरवा डभरा वर्तमान पता एम-1 महामाया अपार्टमेन्ट सक्ती को उनके माता स्वमती निशा चौबे के स्थान पर अनुकम्पा नियुक्ति चतुर्थश्रेणी कर्मचारी नियमित भृत्य के पद पर शास. उच्च. माध्य. शाला खैरा में किया गया है। इन्हें छ.ग. शासन सामान्य प्रशासन विभाग, (नियम शाखा) मंत्रालय नवा रायपुर के पत्र क्रमांक 1385/35/कोर्ट/2024/एक-3 नवा रायपुर दिनांक 24.07.2024 के नियम 2.4 में दिये निर्देश अनुसार अनुकम्पा नियुक्ति शासन द्वारा दिवंगत शासकीय सेवक के आश्रित परिवार को तात्कालिक आर्थिक सहायता के रूप में दी जाती है, इसमें इच्छानुरूप पद/श्रेणी पर नियुक्ति दिया जाना आवश्यक नहीं है, निर्धारित सीमा के भीतर तृतीय श्रेणी का पद रिक्त न हो तो उक्त स्थिति में आवेदक को चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पद पर अनुकम्पा नियुक्ति की कार्यवाही की जावे, आदेश जारी करते हुये स्पष्ट रूप से उल्लेख करें कि निर्धारित समयावधि में कार्यभार ग्रहण नहीं करने पर अनुकम्पा नियुक्ति आदेश स्वमेव निरस्त माना जावेगा। तथा छ.ग. शासन सामान्य प्रशासन विभाग के एकजाई निर्देश 15.04.2024 के तहत अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान करते हुये कार्यभार ग्रहण के लिये 15 दिवस का समय प्रदान किया गया है। संबंधितों द्वारा समयावधि में कार्यभार ग्रहण नहीं करने पर छ.ग.शासन सामान्य प्रशासन विभाग के नियमानुसार प्रकरण निराकृत माना जावेगा।

टेक, ऑटोमोबाइल्स, गोल्ड और अन्य त्योहारी वस्तुओं के साथ लाइव हुआ अमेजन.इन का धनतेरस स्टोर

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

इस बार धनतेरस पर अमेजन.इन उन ग्राहकों के लिए वन-स्टॉप शॉपिंग डेस्टिनेशन लेकर आया है, जो नए टेक गैजेट्स, ऑटोमोबाइल्स, गोल्ड और त्योहार के लिए जरूरी उत्पादों पर सर्वश्रेष्ठ डील्स चाहते हैं। 100 प्रतिशत पिन कोड्स पर डिलीवरी के साथ, यह स्टोर अद्वितीय चयन और सुविधा के माध्यम से खरीदारी के अनुभव को और बेहतर बनाता है। सैमसंग गैलेक्सी द्वारा समर्थित और विडा द्वारा सह-समर्थित अमेजन.इन पर धनतेरस स्टोर, नए इलेक्ट्रिक स्कूटर्स, अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी, एथनिक कपड़े, होम एप्लाएंसेस, शुभ सजावट, ब्यूटी प्रोडक्ट्स और गोल्ड सहिततमाम उत्पादों का एक व्यापक संग्रह पेश करता है। ग्राहक एप्पल, सैमसंग, वनप्लस, तनिष्क, टाइटन, बीबा, हॉकिंस, जीवा, ओला और विडा सहित अन्य शीर्ष ब्रांड्स की ओर से एक्सक्लूसिव डील्स का फायदा उठा सकते हैं, और त्योहारों से जुड़ी अपनी सभी जरूरतों को एक ही स्थान पर पूरा कर सकते हैं। नीचे कुछ शीर्ष उत्पादों की जानकारी दी गई है, जिन्हें आप अपनी शॉपिंग लिस्ट में शामिल कर सकते हैं।

चोरी की एलईडी टीवी के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। चक्रधरनगर पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर अंबेडकर चैक पर एक व्यक्ति को चोरी की स्मक् टीवी बेचने की कोशिश करते हुए पकड़ा। पकड़े गए युवक का नाम दीपक उर्फ बिहू यादव (23 साल), कच्ची खोली भैसा कोटा जमुनाईन चैक चक्रधरनगर का निवासी है। चक्रधरनगर थाना में रिपोर्टकर्ता गंगा पाल मिश्रा (82 वर्ष) ने कल थाना चक्रधरनगर में टीवी चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराया गया था, जिसमें 12-13 अक्टूबर की रात को घर के ऑफिस का ताला तोड़कर ऑफिस से 32 इंच की क्राउन कंपनी की टीवी अज्ञात आरोपी द्वारा चोरी कर ले जाना बताया गया था।

रायगढ़ सांसद, कलेक्टर और एसपी ने शहीदों को श्रद्धांजलि देकर, शहीद परिवारों का किया सम्मान

पुलिस स्मृति दिवस: कर्तव्य परायण में शहीद हुए जवानों को स्मरण कर अर्पित की गई श्रद्धांजलि

पायनियर संवाददाता ➤ रायगढ़
www.dailypioneer.com

जिले के रक्षित केंद्र उर्दना स्थित शहीद स्मारक प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में एसपी दिव्यांग कुमार पटेल ने 1 सितंबर 2023 से 31 अगस्त तक शहीद हुए 216 जवानों के नामों का पठन किया, जिसके बाद सशस्त्र जवानों द्वारा शहीदों को सलामी दी गई और फिर शोक शस्त्र कर शहीदों के सम्मान में सशस्त्र जवानों के साथ उपस्थित सभी आगंतुकों ने सिर झुकाकर बारी-बारी से शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

इस अवसर पर रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया, जिला पंचायत अध्यक्ष निराकार पटेल, कलेक्टर रायगढ़ कार्तिकेया गोयल, एसपी रायगढ़दिव्यांग कुमार पटेल, एसपी सारंगढ़-बिलाईगढ़ पुष्कर शर्मा ने रायगढ़ एवं सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के शहीद पुलिस परिवार के सदस्यों का शाल, श्रीफल से सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सल्पाहर पश्चात शहीद परिवारों को उनके घर तक पहुंचाया गया। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर राजीव कुमार पाण्डेय, उप सेनानी सुरेशा चैबे, एडिशनल एसपी रामगोपाल करियारे, आकाश मरकाम, एसडीम रायगढ़ प्रवीण तिवारी, डीएसपी अखिलेश कौशिक, उत्तम प्रताप सिंह,रमेश चंद्रा समेत जिला पुलिस और छठवीं वाहिनी रायगढ़ के जवान व पुलिस परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। चीनी फायरिंग में शहीद हुए जवानों की याद में मनाया जाता है यह दिवस-प्रतिवर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस परेड का आयोजन किया जाता है। यह दिवस सन 1959 में लद्दाख के हॉट स्प्रिंग में चीनी फायरिंग में शहीद हुए 10 पुलिस जवानों की शहादत की स्मृति में प्रतिवर्ष पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। पुलिस स्मृति दिवस पर भारत के सभी राज्य अथवा केंद्र शासित प्रदेश में बीते 01 सितंबर से वर्तमान 31 अगस्त तक ड्यूटी के दौरान शहीद हुए सभी रैंक के पुलिसकर्मियों की नामावली सूची का पाठन जिले के पुलिस अधीक्षक द्वारा किया जाता है।

आवास मित्र के चयन हेतु अंतिम मेरिट सूची जारी

मुंगेली । जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत जनपदवार आवास मित्र/समर्पित मानव संसाधन के चयन हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया था। प्राप्त आवेदनों की परीक्षण उपरांत पात्र-अपात्र सूची जारी की गई थी, उक्त सूची के संबंध में प्राप्त दावा-आपत्ति के निराकरण उपरांत अंतिम मेरिट सूची जनपद पंचायतवार जारी किया गया है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बालोद, जिला-बालोद (छ.ग.)

// ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना //

Main Portal : https://eproc.cgstate.gov.in

क्रमांक/623/लो.नि.व./न.पा./2024 बालोद दिनांक-22/10/2024

निकाय के वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से अधोसंरचना मद से प्रपत्र ''अ'' अंतर्गत प्रचलित एस.ओ.आर. CGPWD Building/Road PWD SOR w.e.f. 01.01.2015 से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	सिस्टम टेंडर क्र.	कार्य का विवरण	अनु.लागत (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	160356	वार्ड क्र. 03 एवं 04 हलधर चौक, विनय टॉकिज से दिनेश वेल्डिंग दुकान तक सीलकोट कार्य।	38.59	12.11.2024 17:30 IST

टीप :- अन्य शर्तें व विस्तृत जानकारी संबंधित शाखा/विभागीय वेबसाईड www.uad.cg.gov.in में भी देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।

नगर पालिका के करों का भुगतान समय पर करें।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बालोद

न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया (छ.ग.)

// ईश्तहार //

ई-कोड क्र...../ब-121/2023-24

सर्व साधारण ग्राम भांडी राजस्व निरीक्षक बड़गांव तहसीलदार बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छत्तीसगढ़ तथा हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया जाता है कि आवेदक दीपक सिंह चौहान पिता स्व शशी सिंह चौहान निवासी भांडी तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ.ग. के द्वारा आवेदन पत्र पेश किया गया है कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिये आय एवं सम्पत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र का प्रारूप में पुत्री दिव्यांशिका सिंह चौहान के लिये प्रमाण पत्र प्रदाय करने का आवेदन पेश किया गया है। आवेदक आवेदन पत्र के साथ आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, फार्म-16, ऋण पुस्तिका की छायाप्रति अंकसूची की छायाप्रति संलग्न किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वे दिनांक 7/11/2023 तक स्वयं या अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभावक के द्वारा इस न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत दिनांक के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार विमर्श नही किया जावेगा।

जारी दिनांक-22/10/2023

तहसीलदार
बैकुण्ठपुर कोरिया
जिला-कोरिया (छ.ग.)

मुहर

एलुमनी टॉक 22 अक्टूबर 2024 का आयोजन आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, रायपुर में हुआ सम्पन्न

पायनियर संवाददाता ➤ कुम्हारी
www.dailypioneer.com

आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, रायपुर ने 22 अक्टूबर 2024 को एक विशेष एलुमनी टॉक का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की शोभा कई प्रतिष्ठित कंपनियों में कार्यरत, विभिन्न बैचों के सफल उद्यमियों और पूर्व छात्रों ने बढ़ाई। यह कार्यक्रम वर्तमान छात्रों के लिए एक अनूठा अवसर बन गया, जिसमें उन्हें उद्योग के दिग्गजों और अपने पूर्व छात्रों से मिलने और सीखने का अवसर मिला । इन पूर्व छात्रों ने अपने व्यावसायिक सफर और उद्यम शीलता के अनुभवों को साझा किया, जो छात्रों के लिए प्रेरणादायक साबित हुए। इस कार्यक्रम की खास बात यह थी कि इसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पूर्व छात्र वक्ताओं का संगम था । प्रमुख कॉर्पोरेट लीडरों से लेकर नवाचारी उद्यमियों तक, उन्होंने आई सी एफ एआई विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई शिक्षा और मूल्यों की चर्चा की, जिसने उनके करियर को आकार दिया । कुलपति प्रो. सत्य प्रकाश दुबे ने अपने संबोधन में कहा कि संस्थान का गर्व आपको अधिक आत्मविश्वास से भरता है और करियर योजना और आपके चरित्र निर्माण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने में मदद करता है। उन्होंने पूर्व छात्रों को आशीर्वाद दिया और उनसे आग्रह किया कि वे विश्व विद्यालय के स्नातक हो रहे छात्रों का मार्गदर्शन करें । वक्ताओं ने विश्वविद्यालय में बिताए अपने शुरुआती दिनों की कहानियाँ साझा कीं, अपने पेशेवर जीवन में सामना की गई चुनौतियों के बारे में बातें की और यह बताया कि उनके अल्मा मेटर ने उन्हें इन चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक उपकरण कैसे प्रदान किए । उन्होंने छात्रों को कॉर्पोरेट दुनिया में अपने रास्ते को कैसे सफलतापूर्वक तय करें, जोखिम कैसे लें, और सतत् सीखने और दृढ़ता के महत्व के बारे में सलाह दी । इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख पूर्व छात्रों में शिवम सोलंकी, बिग डेटा इंजीनियर, हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज प्रा. लि., पुणे, आकाश उइके, डेटा इंजीनियर, मर्सिडीज बेंज रिसर्च एंड डेवलपमेंट इंडिया, बेंगलुरु कंचन अग्रवाल, स्वामी/उद्यमी, एम/एस कॉस्मो एंटरप्राइजेज और एम/एस प्रकाश मोनोमर्स प्रा. लि., रायपुर, शुभम सचान, स्वामी/उद्यमी, एम/एस सचान बाजार, रायपुर, भानु प्रताप सिंह मोयल, स्वामी/उद्यमी, एम/एस मोयल एंटरप्राइजेज, रायपुर शामिल थे । प्रोफेसर मनीष उपाध्याय, रजिस्ट्रार, ने अपने संबोधन में छात्रों के कल्याण के लिए हो रहे प्रगति और विकसित किए जा रहे संसाधनों के बारे में जानकारी दी । उन्होंने छात्रों को अपनी शुभकामनाएं दीं और एलुमनी वार्ता के लिए कैम्पस पहुंचने के लिए उनके प्रयासों की सराहना की । कार्यक्रम का समापन एक इंटरैक्टिव सत्र के साथ हुआ, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे और पूर्व छात्रों की सफलता की कहानियों से मार्गदर्शन प्राप्त किया । यह कार्यक्रम पूर्व छात्रों और उनके अल्मा मेटर के बीच के मजबूत संबंध को फिर से स्थापित करता है, और वर्तमान छात्रों को बड़े सपने देखने और अपने चुने हुए क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है । कार्यक्रम का सफलता पूर्वक समन्वयन प्रो. दिलीप मिश्रा, डॉ. श्वेता देवांगन, और डॉ. पियूष कुमार ठाकुर द्वारा किया गया ।

एनटीपीसी कोरबा ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए स्वास्थ्य किओस्क स्थापित किया

पायनियर संवाददाता ➤ कोरबा
www.dailypioneer.com

कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, एनटीपीसी कोरबा ने अपने प्रशासनिक भवन में अत्याधुनिक स्वास्थ्य किओस्क स्थापित किया है। इस पहल का नेतृत्व परियोजना प्रमुख कोरबा, राजीव खन्ना ने किया, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों को स्वास्थ्य मेट्रिक्स तक आसान पहुँच प्रदान करना और सक्रिय स्वास्थ्य प्रबंधन को प्रोत्साहित करना है।इस स्वास्थ्य किओस्क में एक एकीकृत बीएमआई मशीन है, जो वजन और ऊँचाई को सटीक रूप से मापती है और स्वचालित रूप से व्यक्तियों के बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) की गणना करती है। यह उपकरण परिणामों को प्रदर्शित करता है, जो अधिक या कम वजन से संबंधित चिंताओं को उजागर करता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि कर्मचारियों को उनके स्वास्थ्य स्थिति पर तुरंत फीडबैक मिलता है। इस पहल को और बढ़ावा देने के लिए, कर्मचारी किओस्क पर प्रदर्शित क्यूआर कोड को स्कैन करके अपने स्वास्थ्य डेटा को गुगल फोर्म के माध्यम से सबमिट कर सकते हैं। यह डेटा स्वास्थ्य मानचित्रण में महत्वपूर्ण होगा और कार्यबल की आवश्यकताओं के अनुसार सुधारात्मक उपायों के कार्यान्वयन की अनुमति देगा। एनटीपीसी कोरबा अपने कर्मचारियों के बीच स्वास्थ्य और कल्याण की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, और यह किओस्क इस लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। व्यक्तियों को उनके स्वास्थ्य मेट्रिक्स की निगरानी करने और समय पर हस्तक्षेप को प्रोत्साहित करके, संगठन एक स्वस्थ कार्यस्थल वातावरण बनाने का लक्ष्य रखता है।

जम्बूरी में नशा मुक्ति पर कार्यशाला आयोजित

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

गत 18 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक भारती विश्वविद्यालय पुलगांव दुर्ग में राज्य स्तरीय जूनियर रेडक्रॉस जम्बूरी - 2024 का आयोजन किया गया। शिविर में राज्य भर के जूनियर रेडक्रॉस के 1500 सदस्यों ने हिस्सा लिया। इसी तारतम्य में दुर्ग जिला कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में समाज कल्याण विभाग द्वारा 19 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे से शिविर में नशामुक्ति विषय पर कार्यशाला आयोजित की गयी। जिसमे विषय विशेषज्ञ के रूप में अन्य सामाजिक संस्थाओं के साथ अखिल विश्व गायत्री परिवार दुर्ग-भिलाई को भी आमंत्रित किया गया। शिविर में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज दानी, डॉ प्रमोद गुप्ता के साथ गायत्री परिवार के प्रतिनिधि के रूप दिव्य भारत युवा संघ के प्रांतीय संयोजक डॉ. पी. एल साव एवं डॉ. योगेन्द्र कुमार सम्मिलित हुए। गायत्री परिवार द्वारा चलाये जा रहे नशा मुक्ति अभियान पर प्रकाश डालते हुए डॉ. साव ने बताया कि नशे के गिरफ्त मे बच्चे, युवा व मजदूर वर्ग प्रायः फंसते है। आज का युवा फैशन, देखा-सीखी, रीयल लाइफ और गलत संगति के कारण नशे के गिरफ्त मे फंस जाता है और नशे का दलदल ऐसा दलदल है जिसमे फंसने के बाद निकलना बहुत ही मुश्किल होता है। जरुरी है कि आज का युवा समझदार बने और नशे के जाल में फंसे ही ना और यदि फंस गया हो तो एक ही रास्ता है उसे छोडने का और वो है संकल्प शक्ति। गायत्री मंत्र जाप, योग, ध्यान द्वारा नशा रुपी राक्षस से बचा जा सकता है। शिविर में संजय देशमुख, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी व अन्य समाजिक संस्था के साथ 500 से अधिक रेड क्रास के विद्यार्थी, शिक्षक अधिकारी उपस्थित थे।

श्री बीरा सिंह मल्टीस्पेशालिटी हॉस्पिटल को स्वच्छ हॉस्पिटल के पुरस्कार से राज्यपाल ने किया सम्मानित

पायनियर संवाददाता ➤ भिलाई
www.dailypioneer.com

स्वच्छता अभियान के तहत श्री बीरा सिंह मल्टीस्पेशालिटी हॉस्पिटल को स्वच्छ हॉस्पिटल के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान प्रदेश के राज्यपाल रमन डेका के द्वारा हॉस्पिटल के डायरेक्टर इंद्रजीत सिंह छोटू को प्रदान किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय, वैशालीनगर विधानसभा के विधायक रिकेश सेन तथा दुर्ग विधानसभा के विधायक गजेंद्र यादव भी मौजूद रहे। उनके साथ इस अवसर को साझा करते हुए हॉस्पिटल के समर्पण और प्रयासों की सराहना की गई, जो लगातार उच्चतम मानकों के साथ स्वास्थ्य सेवा में उत्कृष्टता की दिशा में अग्रसर है।

मालखरौदा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के नए ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर होंगे डॉक्टर सुरेंद्र कुमार

पायनियर संवाददाता ➤ सक्ति
www.dailypioneer.com

जिले के आईएएस कलेक्टर अमृत विकास टोपनो ने जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के बेहतर क्रियान्वयन हेतु 21 अक्टूबर 2024 को एक आदेश जारी कर स्वास्थ्य अधिकारियों के स्थानांतरण किए हैं, तथा कलेक्टर साहब द्वारा जारी आदेश के तहत वर्तमान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मालखरौदा में पदस्थ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर के के सिदार को अस्थाई रूप से स्वास्थ्य सुविधाओं के बेहतर क्रियान्वयन हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैजैपुर में पदस्थ किया गया है तो वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मालखरौदा में पदस्थ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुरेंद्र कुमार देवांगन को राष्ट्रीय कार्यक्रमों एवं कार्यालयिन कार्यों के सुचारू संचालन हेतु प्रभारी खंड चिकित्सा अधिकारी मालखरौदा का प्रभार सौपा गया है।

बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने स्वर्ण बिन्दु प्राशन संस्कार 24 को

पायनियर संवाददाता ➤ कोरबा
www.dailypioneer.com

चलो आयुर्वेद की ओर मिशन के तहत लायंस क्लब कोरबा एवरेस्ट एवं श्री शिव औषधालय के संयुक्त तत्वाधान में बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए बच्चे रहे स्वस्थ योजनान्तर्गत नाड़ीवैद्य डॉ.नागेंद्र नारायण शर्मा द्वारा श्री शिव औषधालय एम.आई.जी 20, आर.पी.नगर फेस 2 निहारिका में दिनांक 24 अक्टूबर 2024 गुरुवार को अति शुभ गुरु पुष्य नक्षत्र में आयुर्वेदिक इम्यूनाईजेसन प्रोग्राम के तहत स्वर्ण बिन्दु प्राशन संस्कार कराया जायेगा। चलो आयुर्वेद की ओर मिशन के तहत लायंस क्लब कोरबा एवरेस्ट एवं श्री शिव औषधालय के संयुक्त तत्वाधान में प्रतिमासानुसार इस माह में भी बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए बच्चे रहे स्वस्थ योजनान्तर्गत नाड़ीवैद्य डॉ.नागेन्द्र नारायण शर्मा द्वारा श्री शिव औषधालय एम.आई.जी 20, आर.पी.नगर फेस 2 निहारिका में दिनांक 24 अक्टूबर 2024 गुरुवार को अति शुभ गुरु पुष्य नक्षत्र में आयुर्वेदिक इम्यूनाईजेसन प्रोग्राम के तहत स्वर्ण बिन्दु प्राशन संस्कार कराया जायेगा। जिसमें जन्म से लेकर 18 वर्ष तक के बच्चो को स्वर्ण बिन्दु प्राशन ड्रॉप्स पिलाकर आयुर्वेद पद्धति से टीकाकरण किया जाएगा। साथ ही बच्चों के स्वास्थ्य का निशुल्क चिकित्सकीय परीक्षण करने के साथ-साथ बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिये बच्चों को एवं उनके अभिभावकों को बच्चों की आयुनुसार उनके लिए उपयोगी आहार विहार के विषय मे विस्तार से जानकारी देने के साथ उनके लिए उपयोगी योग प्राणायाम का भी निशुल्क प्रशिक्षण दिया जायेगा।

स्वास्थ्य सुविधाओं के बेहतर संचालन हेतु डॉ. संतोष कुमार पटेल को अतिरिक्त प्रभार एवं वित्तीय अधिकार सौंपा गया

पायनियर संवाददाता ➤ सक्ति
www.dailypioneer.com

कलेक्टर अमृत विकास टोपनो ने जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के बेहतर क्रियान्वन की दिशा में महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है, कलेक्टर साहब के निर्देशानुसार के अंतर्गत डॉ. संतोष कुमार पटेल, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला चिकित्सालय सक्ती, जिला सक्ती छ.ग. को अपने मूल कार्यों के साथ-साथ विकासखण्ड जैजैपुर अंतर्गत राष्ट्रीय कार्यक्रमों एवं कार्यालयीन कार्य के सफल संचालन हेतु प्रभारी विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जैजैपुर, जिला सक्ती छ.ग. का अतिरिक्त प्रभार एवं वित्तीय अधिकार आगामी आदेश पर्यन्त तक अस्थाई रुप से सौंपा गया है, ज्ञात हो की शक्ति जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कलेक्टर अमृत विकास टोपनो संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहे हैं, तथा जिले के सभी विकासखंडों में सरकारी अस्पतालों में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिले एवं सुशासन वाली सरकार की मंशानुरूप त्वरित इलाज उपलब्ध हो इस दिशा में कलेक्टर साहब ने यह पहल की है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद भाटापारा
जिला-बलौदा बाजार-भाटापारा (छ.ग.)
TelePhone 07726-221068 Email Address:- cmobhatapara@rediffmail.com

क्र./931/लो.नि.वि./न.पा.प./2024-25 भाटापारा, दिनांक 22/10/2024

// ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना //

नगर पालिका परिषद भाटापारा द्वारा अधोसंरचना मद अंतर्गत विभिन्न वार्डों में निर्माण कार्य हेतु स्वीकृत राशि से कार्य कराये जाने के लिए सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मों से ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सिस्टम टेंडर क्रमांक	कार्य का नाम	लागत राशि (लाख)	निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	160323	श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड क्र. 01 में नगर पालिका परिषद भाटापारा के फील्टर प्लांट में शेड निर्माण कार्य।	20.86	22.11.2024
2	160325	सुभाष वार्ड क्र. 04 के एस.एल.आर.एम.सेंटर में मशीनरी स्थापना हेतु शेड निर्माण कार्य।	20.86	
3	160327	पं. दीनदयाल उपाध्याय वार्ड क्र. 29 के एस.एल.आर.एम. सेंटर में ई-रिक्शा चार्चिंग पॉइन्ट हेतु शेड निर्माण कार्य।	20.86	

टीप:- उपरोक्त निविदा से संबंधी अन्य एवं विस्तृत जानकारियां सम्बधित विभाग से कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है, तथा निविदा विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in पर देखी जा सकती है।

1. पॉलीथीन का उपयोग ना करें 2. खुले में शौच प्रथा बंद कर स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद भाटापारा

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के निदेशक डॉ. राघवेन्द्र राव ने किया श्री रावतपुरा सरकार इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस का भ्रमण

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

नवा रायपुर, अटल नगर के अंचल में स्थित श्री रावतपुरा सरकार इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस एण्ड रिसर्च, 635 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल एवं 150 सीटों का मेडिकल कॉलेज में केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसन्धान परिषद् (आयुष मंत्रालय, भारत सरकार) के निदेशक डॉ. राघवेन्द्र राव एम, बीएनवायएस, पीएचडी (योग एवं जीव विज्ञान) भ्रमण किये भ्रमण की इस कड़ी में सर्वप्रथम श्री रावतपुरा सरकार इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस एण्ड रिसर्च के निदेशक अतुल कुमार तिवारी द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किए उसके उपरांत हॉस्पिटल भवन का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान निदेशक द्वारा हॉस्पिटल में संचालित विभिन्न विभागों एवं हॉस्पिटल में उपलब्ध ष्ट्रञ्ज स्कैन मशीन, एक्स-रे मशीन, सोनोग्राफी मशीन का निरक्षण किया गया उसके उपरांत हॉस्पिटल में भर्ती हुए मरीजों की स्वास्थ की जानकारी ली। निदेशक महोदय द्वारा नवा रायपुर अंचल में स्थित 635 बिस्तरों वाला सर्वसुविधायुक्त अस्पताल के अधोसंचना के प्रसंशा की एवं हॉस्पिटल में उपलब्ध सुविधाओं की प्रसंशा किये जिसके उपरांत निदेशक महोदय में निदेशक, श्री रावतपुरा सरकार इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस एण्ड रिसर्च से वार्तालाप किये जिसके उपरांत भ्रमण के आखरी कड़ी में निदेशक, श्री रावतपुरा सरकार इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस एण्ड रिसर्च द्वारा मोमेंटो एवं शॉल भेंट कर आभार व्यक्त किया गया।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दन्तेवाड़ा, जिला-दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)
मो.नं. :- 09424160732 ई मेल पता :- ee-res.Dantewada@nic.in

// मैनुअल पद्धति निविदा सूचना प्रथम बार //
-: निविदा क्रमांक-06 :-

क्रमांक/1039/व.ले.लि./ग्रा.यां.सेवा/2024, दन्तेवाड़ा दिनांक 21/10/2024

1. एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु मैनुअल निविदा दिनांक 06/11/2024 अपरान्ह 5.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है:-

स. क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	2	3
01.	विकासखंड कुआकोंडा अंतर्गत नवीन आँगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य 19 नग (वाटर सप्लाई एवं सेनेटरी फिटिंग सहित) विद्युतीकरण छोड़कर (प्रति नग 10.65 लाख)	202.35 लाख
02.	सी.सी.सड़क निर्माण चितालंका/कुपेर/मैलावाड़ा/ग्राम रेंगानार एवं हितावर में डबरी निर्माण कार्य/पेंटा से लेंड्रा रोड माहराहाउरनार तक 4 मीटर स्पॉन पुलिया का निर्माण कार्य।	188.59 लाख
03.	आदर्श विद्यालय बालूद में भोजन हाल निर्माण एवं डोम शेड निर्माण, अहाता एवं अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य हायर सेकेण्डरी स्कूल मेटापाल, प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला भवन निर्माण कार्य भाग-1 से 3 गमावाड़ा (विद्युतीकरण छोड़कर)	98.98 लाख

2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभागीय वेब साईट http://res.cg.gov.in में दिनांक 25/10/2024 से 02/11/2024 तक निशुल्क डाऊनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दन्तेवाड़ा
जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

G-242503374/5

रासेयो शिविर में महिला अपराध व सायबर अपराध के प्रति छात्रों को किया गया जागरूक

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

ग्राम कातलबोड़ में आयोजित एनएसएस शिविर में महिला संबंधी अपराध एवं सायबर फ्रॉड, सायबर जागरूकता के संबंध में धमतरी पुलिस, थाना कुरूद द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया। एसडीओपी कुरूद की उपस्थिति में जागरूकता अभियान के तहत पी.जी.कॉलेज कुरूद के छात्राओं को दिये सायबर फ्रॉड एवं महिला संबंधी अपराध की जानकारी दी गई। धमतरी पुलिस, एसडीओपी कुरूद के नेतृत्व में थाना कुरूद के साथ ग्राम कातलबोड़ में आयोजित एनएसएस शिविर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें एसडीओपी कुरूद रागिनी मिश्रा द्वारा महिला संबंधी अपराध, गुड टच बैड टच एवं बालक बालिकाओं के संरक्षण के लिए बनाए गये पॉक्सो एक्ट एवं महिला संबंधी अपराध एवं महिला से संबंधित कानून के संबंध में जानकारी देते हुए एनएसएस छात्राओं को जागरूक किया गया। धमतरी पुलिस,थाना कुरूद द्वारा ग्राम कातलबोड़ में पी.जी.कॉलेज के छात्राओं को एटीएम फ्रॉड एवं अनजान फर्जी कॉल से दूर रहने एवं लॉटरी फंसने का झांसा देने वालों से बचने के संबंध मे महत्वपूर्ण जानकारी दिया गया। उक्त कार्यक्रम में एसडीओपी कुरूद रागिनी मिश्रा, थाना कुरूद से उनि. ईश्वर साकार, थाना कुरूद के स्टॉफ एवं पी.जी. कॉलेज के प्रोफेसर सहित एनएसएस शिविर के छात्राएं अधिक संख्या में उपस्थित थे।

बड़ा हादसा टला... कलमना में डिरेल हुए शालिमार-कुर्ला के दो कोच, मुंबई-हावड़ा रुट पर प्रभावित हुई ट्रेनें

रेस्क्यू टीम ने देर शाम पटरी पर वापस चढ़ाया, घटना में कोई हताहत नहीं

पायनियर संवाददाता ◂ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

नागपुर के पास कलमना स्टेशन पर शालीमार-कुर्ला की दो बोगियां पटरी से उतर गई जिनमें एक यात्री रिजर्वेशन कोच और पार्सल वेन शामिल थे। कुल 8 पहिओं ने पटरी छोड़ दी थी। मंगलवार की दोपहर 2 बजकर 10 मिनट पर ये दुर्घटना हुई।

इस घटना के बाद मुंबई-हावड़ा रुट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। हादसे में किसी यात्री को चोट नहीं लगी है। रेस्क्यू टीम देर शाम तक जद्दोजहद करते हुए दो डिब्बों को वापस पटरी पर ले आई। हालांकि शाम 7 बजे तक मुंबई-हावड़ा रुट पर ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित रही। अमहदाबाद-हावड़ा को भी नागपुर में खड़ा किया गया था।

नागपुर के पास कलमना स्टेशन के पास कुर्ला-शालीमार एक्सप्रेस के एस-2 और पार्सल वेन के कुल आठ पहिए पटरी से उतर गए। यह घटना मंगलवार दोपहर करीब 2 बजकर 10 मिनट की है, जब ट्रेन इतवारी से कविनगर लाइन पर क्रॉस कर रही थी।

हादसे के वक्त कई यात्री ट्रेन में सवार थे। इनमे बच्चो और महिलाओं की संख्या सबसे अधिक थी। हादसे के कुछ देर पहले यात्री खाना खा कर बैठे ही थे की ये हादसा हो गया। जिसके बाद यात्रियों में काफी दहशत फैल गई। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, हादसा ट्रेन की धीमी रफ्तार के दौरान हुआ, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है।

जांच के आदेश

घटना की जानकारी लगते ही रेलवे रेस्क्यू टीम तुरंत मौके पर पहुंची और ट्रेन को फिर से ट्रैक पर लाने का काम शुरू कर दिया। शाम तक हालात काबू में कर लिए और ट्रेन को फिर से पटरी पर ला दिया गया। फिलहाल रेलवे ने जांच के आदेश दे दिए हैं कि आखिर इस घटना का कारण क्या था।

परेशान हुए यात्री

शालीमार-कुर्ला के डिरेल होने के चलते मुंबई-हावड़ा रेल मार्ग बुरी तरह प्रभावित हुआ। इस ट्रेन के पीछे आ रही अहमदाबाद-हावड़ा को नागपुर में खड़ा किया गया। इसके पीछे आने वाली गीतांजलि एक्सप्रेस के 7 घंटा देरी से चलने के कारण यह ट्रेन प्रभावित नहीं हुई। इस बीच शाम 5.49 को राजनांदगांव पहुंचने वाली शालीमार-कुर्ला देर शाम 7.30 तक यहां नहीं पहुंची थी। अहमदाबाद-हावड़ा के लेट होने के चलते भी यात्रियों को परेशान होना पड़ा।

मोहनपुर में विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविर आयोजित

पायनियर संवाददाता ◂ छुरिया
www.dailypioneer.com

एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से शिखर युवा मंच राजनांदगांव द्वारा संचालित एमएमयू टीम द्वारा डोंगरगढ़ के ग्राम पंचायत मोहनपुर में 21 अक्टूबर को विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविर चर्म रोग निवारण एवं जनरल जांच को लेकर शिविर आयोजित किया गया। आसपास के सात गांव के 318 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं 29 लोगों का पैथोलॉजिकल परीक्षण किया एवं निशुल्क दवाइयां वितरित की गई। एसबीआई संजीवनी के जिला समन्वयक योगेश चौहान ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में त्वचा से संबंधित बीमारियों की रोकथाम और उपचार के प्रति जागरूकता फैलाना एवं गांव के लोगों को उनके गांव में ही स्वास्थ्य उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉक्टर फिरोज खान, स्वास्थ टीम से एसके चौहान, टी घोष, सुरेश, इंदु चंद्रवंशी, वीणा चंद्रवंशी व कमलेश चंद्रवंशी, डॉक्टर अनीश, डॉक्टर राजेश, योगेश चौहान, आशीष साहू, मनोज कश्यप, दीपिका जोशी, लिखिल सहारे उपस्थित थे।

24 को शिक्षकों का हल्ला बोल, पूर्व सेवा अवधि की गणना सहित 5 सूत्रीय मांग

राजनांदगांव। पूर्व सेवा गणना मिशन के तहत मोदी की गारंटी की मांग को लेकर प्रदेश भर के शिक्षक एलबी संवर्ग कर्मचारीगण 24 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ के सभी जिला मुख्यालय में एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन एवं रैली कर अपना अधिकार मांगेंगे। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा के जिला संचालक एवं नवीन शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष छन्नूलाल साहू ने बताया कि 5 सूत्रीय मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले चरणबद्ध आंदोलन किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला राजनांदगांव में जिला कलेक्ट्रेट के सामने फ्लाईओवर के नीचे जिले के सभी विकासखंडों में कार्यरत शिक्षक एलबी संवर्ग कर्मचारी धरना प्रदर्शन कर अपनी आवाज बुलंद करेंगे। जिला संचालक छन्नूलाल साहू ने बताया कि भाजपा ने चुनाव पूर्व अपने संकल्प पत्र में सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर करने का वादा किया था लेकिन संकल्प पत्र की ओर सरकार ध्यान नहीं दे रही है। इससे शिक्षक संवर्ग कर्मचारी नाखुश है।

ऑडिटोरियम के किराए पर घमासान

पायनियर संवाददाता ◂ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

बीते अगस्त माह में राजनांदगांव में कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की शिवमहापुराण कथा के आयोजन से जुड़े मसला एक बार फिर चर्चा में है। कांग्रेस पार्षद कुलबीर सिंह छाबड़ा ने इस आयोजन में इस्तेमाल किए गए ऑडिटोरियम का किराया निगम में न जमा किए जाने के मामले में एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग करते हुए पुलिस को शिकातय सौंपी है। उन्होंने इस निगम आयुक्त की गंभीर आर्थिक अनियमितता भी कहा है। उन्होंने दावा किया कि इस मामले से जुड़ी नस्ती दो माह से उन्हें अवलोकन के लिए नहीं दी जा रही है। इससे स्पष्ट है कि लाखों के किराया भुगतान के मामले में गड़बड़ी की गई है। उन्होंने कोतवाली थाना प्रभारी एमन साहू को शिकायत सौंपी है।

जलाशय से बरामद हुई लापता युवक की लाश

राजनांदगांव। डोंगरगढ़ शहर के एक युवक का शव पनियाजोब जलाशय में मिला है। सड़ी-गली अवस्था में मिले इस शव की फॉरेंसिक जांच की जा रही है। पुलिस मर्ग कायम कर मौत की असल वजह पता लगाने जुटी हुई है। पनियाजोब जलाशय में पुलिस को सोमवार को एक अज्ञात शव मिला। जिसकी शिनाख्ती पुलिस ने डोंगरगढ़ के कबरबला चौक निवासी थामस नायगम के रूप में की। बताया जा रहा है कि मृतक 17 अक्टूबर को काम पर जाने घर से निकला था। दो-तीन दिनों से वह लापता था। पुलिस ने इस मामले में परिजनों के रिपोर्ट पर गुमशुदगी कायम की थी, तब से उसकी तलाश की जा रही थी। सोमवार सुबह पनियोजाब बांध में एक शव तैरते देखकर कुछ ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पानी में डूबे रहने के कारण शव काफी क्षत-विक्षत अवस्था में पाया गया। डोंगरगढ़ एसडीओपी आशीष कुंजाम ने बताया कि मृतक की पहचान कर ली गई है। परिजनों को पोस्टमार्टम के पश्चात शव सौंप दिया गया है। इस मामले में पुलिस जांच कर रही है।

रबि फसलों के सिर्फ उत्पादन पर जोर, समर्थन मूल्य और क्षतिपूर्ति का क्या : पूर्व विधायक छन्नी साहू

पायनियर संवाददाता ◂ रायपुर
www.dailypioneer.com

जिला प्रशासन द्वारा इन दिनों रबि सीजन में धान की जगह मक्का, गन्ना, दलहन-तिलहन और दूसरी फसलें बोने गांव-गांव में मुनादी करवाई जा रही है। खुज्जी की पूर्व विधायक श्रीमती छन्नी चंदू साहू ने इस अपील को गंभीरता से लेते हुए किसानों से जुड़े सवाल उठाएं हैं। उन्होंने कहा कि, एक ओर भाजपा सरकार गन्ने की बोनस राशि में कटौती करने का आदेश जारी कर रही है। तो दूसरी ओर किसानों से अपील की जा रही है कि वे मिलेट्स और दूसरी फसलों का उत्पादन करें। भाजपा शासन में यह बड़ी भ्रामक स्थिति है। जिसका उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है उसमें ही बोनस की कटौती कर किसानों को हतोत्साहित किया जा रहा है। पूर्व विधायक श्रीमती साहू ने कहा कि, प्रदेश की भाजपा सरकार मक्का, गेंहू, रागी, दलहन, तिलहन, गन्ना और सब्जी की फसल को प्रोत्साहित करने से पहले छत्तीसगढ़ सरकार इनकी खरीदी और समर्थन मूल्य तय करे। उन्होंने कहा कि जिन फसलों का उत्पादन किसानों को करने कहा जा रहा है उससे बड़ा फायदा व्यापारियों को मिलेगा। जबकि भौगालिक परिस्थितियों, मिट्टी की उपजाऊ क्षमता, उसका परीक्षण और गुणवत्ता के साथ ही इस तरह की फसलों के लिए आवश्यक जानकारी, दवा, बीज, खाद और प्रशिक्षण का अभाव है।

इन सबके चलते किसानों को इन फसलों के उत्पादन में बड़े नुकसान की भी आशंका है। इस तरह की फसलों को लेकर किसानों को जो आवश्यक जानकारी मिलनी चाहिए वो उनके पास नहीं है। जागरुकता के लिए कार्यशाला और दूसरे तरह के प्रयासों के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति ही की गई है। कई कारण है कि किसान ये फसल नहीं ले पाएंगे, जिसमें सबसे बड़ा कारण समर्थन मूल्य है।

आदिवासी, किसान का शोषण - पूर्व विधायक साहू ने कहा कि, मैं हालही में हसदेव से लौटी हूं। वहां अंधाधुन जंगल काटे जा रहे हैं। आदिवासियों के गांव नेस्तानाबूत कर दिए गए हैं। उन पर लाठियां चलाई जा रही है। जल-जंगल-जमीन की लड़ाई लड़ने वाले आदिवासी लहूलुहान हो रहे हैं। पर, निर्दयी और मतलब परस्त सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ रहा। मौजूदा सरकार ने आदिवासी, किसानों का सिर्फ शोषण करने की ठान ली है। उन्होंने कहा कि, 15 अक्टूबर को राज्य शासन ने गन्ना विक्रय पर भुगतान और बोनस का पुर्ननिर्धारण किया है। इसमें किसानों को मिलने वाले गन्ने के बोनस पर 9 रुपए की कटौती की गई है। ऐसे निर्णयों से साफ है कि, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार सुशासन नहीं बल्कि गरीबों, किसानों, आदिवासियों को कुचलने का काम कर रही है।

बीटीआई में विद्यार्थियों ने ली मतदान की शपथ

डोंगरगांव नगर। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जागरूक वोटर जाबो कार्यक्रम के तहत बुनियादी प्रशिक्षण संस्था बीटीआई मे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर बीटीआई के प्राध्यापकों एवं प्रशिक्षणार्थियों को मतदान करने तथा अपने आसपास के लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करने कि शपथ दिलाई गई। इस दरम्यान प्रजातंत्र में मतदान के महत्व को उकरित किया गया। उक्त अवसर पर प्राचार्य बुनियादी प्रशिक्षण संस्था केपी साव, व्याख्याता रेवाराम दशलहरे, देवेश जैन, नन्हू राम लेंझारे, शिक्षक नरेन्द्र चंद्रवंशी, इंद्र कुमार सिन्हा, बीएलओ संतोष सिंह ठाकुर सहित समस्त प्राध्यापकगण एवं समस्त प्रशिक्षणार्थी छात्र छात्राऐं उपस्थित थे।

ईतवारी बाजार में पुलिस चौकी की मांग, एसपी को सौंपा ज्ञापन

पायनियर संवाददाता ◂ खैरागढ़
www.dailypioneer.com

पार्षद दीपक देवांगन ने पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर ईतवारी बाजार में पुलिस चौकी खोलने की मांग की है। उन्होंने बताया कि ईतवारी बाजार व्यस्त व्यापारी क्षेत्र है, जहां सप्ताहिक बाजार लगता है और हजारों लोग आते हैं।

देवांगन ने बताया कि ईतवारी बाजार में आये दिन चोरी की घटनाएं होती हैं, जिसमें अज्ञात चोर दुकानों के ताले तोड़कर चोरी करते हैं। इसके अलावा, बड़े वाहनों के चलने से दुर्घटनाएं भी होती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि असामाजिक तत्वों द्वारा शराब के नशे में लोगों से अभद्र व्यवहार किया जाता है और मारपीट की घटनाएं भी होती हैं। देवांगन ने बताया कि नगर पालिका ने ईतवारी बाजार में पुलिस चौकी के लिए कॉम्प्लेक्स तैयार किया है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से अनुरोध किया है कि वे ईतवारी बाजार में पुलिस चौकी खोलने की व्यवस्था करें, जिससे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनी रहे। ज्ञापन देने के दौरान विधायक प्रतिनिधि मनराखन देवांगन, जिला पंचायत सभापति विप्लव साहू, शेखर दास शानू, गोपी रजक, हरि दर्शन ढीमर, विनोद सिन्हा, नरेश सिन्हा, राजू बोगड़े, रतन सिंघी, विनोद टंडन सहित अन्य नागरिकगण मौजूद थे।

चारभाठा में एक दिवसीय भव्य रिकार्डिंग डांस प्रतियोगिता 30 को

राजनांदगांव। ग्राम चारभांठा ठेलकाडीह में एक दिवसीय भव्य रिकार्डिंग डांस प्रतियोगिता का आयोजन 30 अक्टूबर को स्टार क्लब गौरी गणेश उत्सव समिति एवं ग्रामवासियों के तत्वाधान में आयोजित होगा। कार्यक्रम के अध्यक्ष सुरेश कुमार साहू ने बताया कि सामूहिक प्रवेश शुल्क 121 रुपये व एकल-युगल 101 रुपये रखा गया है। कार्यक्रम में अनेक आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। सामूहिक पुरस्कार प्रथम 4001, द्वितीय 2501 और तृतीय 1501 व चतुर्थ 701 रुपए प्रायोजित है। इसके अतिरिक्त, युगल पुरस्कार प्रथम 1501, द्वितीय 801, तृतीय 501 रुपए, एकल पुरस्कार प्रथम 1001, द्वितीय 701, तृतीय 501 रुपए तय की गई है। आयोजक समिति ने प्रतियोगिता में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील प्रतिभागियों से की है।

अवैध रेत परिवहन के खिलाफ कार्रवाई खैरागढ़ और छुईखदान में तीन वाहन जप्त

पायनियर संवाददाता ◂ खैरागढ़
www.dailypioneer.com

अवैध रेत खनन और परिवहन पर नकेल कसने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में खनिज विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। खैरागढ़ और छुईखदान थाना क्षेत्रों में रेत का अवैध परिवहन करते हुए तीन वाहनों को जप्त किया गया है। जिसमें खैरागढ़ के बाजार अतरिया निवासी वाहन मालिक देवेन्द्र साहू का वाहन (नंबर CG 07 CF 9116) रेत का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया और बाजार अतरिया के तरुण पाल का वाहन (नंबर छत्र 08 ,2 6358) भी रेत का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। दोनों वाहनों को खैरागढ़ थाना के सुपूर्द कर दिया गया है। इसी तरह छुईखदान थाना क्षेत्र में मनीष चन्द्राकर का वाहन (नंबर CG 04 NJ 2055) अवैध रेत परिवहन में लिप्त पाया गया। जिस खनिज विभाग ने नियमतः कार्रवाई करते हुए वाहन को जप्त कर छुईखदान थाना को सुपूर्द कर दिया गया है।

नोटरी एवं वकीलों के समर्थन से रजिस्ट्री ठप्प

राज्य शासन के सुगम एप के विरोध में हड़ताल

- दस्तावेज लेखक संघ व स्टॉम्प वेंडर संघ का अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी

पायनियर संवाददाता ◂ डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

राज्य शासन द्वारा हालिया दिनों राजस्व संबंधी कार्यो के लिए सुगम एप्प निर्णय लिया गया। इस निर्णय को लेकर प्रदेशभर के पंजीयन कार्यालय में वर्षों से अवैतनिक सेवा देने वाले दस्तावेज लेखक व स्टॉम्प वेंडर विरोध दर्ज कराते अनिश्चितकालीन हड़ताल में बैठ गए हैं। उक्ताशय को लेकर अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व, उप पंजीयक थाना प्रभारी डोंगरगांव को ज्ञापन भी सौंपा गया है। प्रान्तीय आव्हान पर डोंगरगांव में कार्यरत दस्तावेज लेखक व स्टाम्प वेंडरों के अनिश्चित कालीन हड़ताल पर बैठ जाने से राजस्व संबंधी कार्यो के लिए नागरिकों को भटकना पड़ रहा है। सुगम एप्प के माध्यम से संपति के क्रय विक्रय के लिए राज्य शासन के नए नियम से बेरोजगार होने की आशंका देखते हुए सभी दस्तावेज लेखक व स्टॉम्प वेंडर ने तल्खी प्रदर्शित किया। दरअसल आगामी दिनों में सुगम ऐप के माध्यम से पेपर लेस, कैशलेस सिस्टम से कोई भी व्यक्ति घर बैठे संपति की रजिस्टी करा सकते हैं, जिससे दस्तावेज लेखक व स्टॉम्प वेंडर के पास जाने की जरूरत नहीं होगी। इस व्यवस्था से दस्तावेज लेखक व स्टॉम्प वेंडर बेरोजगार हो जाऐंगे। इसके अलावा आम किसानों व जनसाधारण को भी दिक्कत होगी। हड़ताल में दस्तावेज लेखक संघ अध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा व स्टॉम्प वेंडर संघ अध्यक्ष लोकेश देवांगन के अगुवाई में तहसील मुख्यालय में अनिश्चितकालीन कलम बंद हड़ताल जारी है। धरना प्रदर्शन में संतोष देवांगन, भारत, देवेन्द्र निषाद, कमलेश, राहुल वैष्णव, श्यामसुंदर, वीरेन्द्र, तेज साहू, वीरेन्द्र नामदेव, अजय, पंचू साहू सहित अधिवक्ता व नोटरी ओमप्रकाश पाठक, सफीर अहमद खान एवं रमेश साहू ने समर्थन दिया है।

फॉरेस्ट अफसर के घर चोरी में शामिल आरोपी गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ◂ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

डोंगरगढ़ के आदर्श नगर में एक फारेस्ट अधिकारी के घर से लाखों रुपए की चोरी करने वाले चोर को पुलिस ने लगभग 3 माह बाद रायपुर से गिरफ्तार किया गया है। चोर ने अफसर के घर से 9 लाख रुपए के नगदी व जेवरात पार किए थे। चोरी में शामिल तीन आरोपी पहले से ही जेल में हैं। पुलिस की गिरफ्त में आया चौथा आरोपी हत्या के एक मामले में फरार था। डोंगरगढ़ एसडीओपी आशीष कुंजाम ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। वह मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले का रहने वाला है। डोंगरगढ़ के रिहायशी कालोनी आदर्श नगर में वन अधिकारी शिवेन्द्र भगत का निवास है। 7 जुलाई 2024 को भगत के निवास से सोने-चांदी के जेवरात और नगदी मिलाकर 9 लाख 50 हजार रुपए की चोरी हुई थी। भगत कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर में बतौर एसडीओ पदस्थ हैं। उनके मकान से चौथे आरोपी साबिर अली ने अपने तीन साथियों जितेन्द्र विश्वकर्मा, अजय जैन और दिव्या जैन के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया था। तीन आरोपियों को पुलिस ने वारदात के कुछ दिनों बाद गिरफ्तार कर लिया था। उनके पास से 35 हजार रुपए नगद भी पुलिस ने जब्त किया था।

म्युनिसिपल स्कूल में पंहुची जांच टीम, दिया था बच्चों को नियम विपरीत प्रवेश

राजनांदगांव। पीएमश्री सर्वेश्वरदास नगर पालिक निगम स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में सत्र 2024-25 में बच्चों को नियम विपरीत दिए गए प्रवेश को लेकर मंगलवार को बालोद जिले से पंहुचे जांच दल ने दस्तावेजों को खंगाला और अधिकारियों और शिकायतकर्ता से ली लिखित बयान भी लिया। गौरतलब है कि, कलेक्टर की अध्यक्षता वाली समिति ने प्रत्येक कक्षा के लिए 50 सीटें निर्धारित की थी। रिक्त सीट के विरुद्ध पात्र आवेदकों पर लॉटरी से चयन किया जाना था। प्राप्त पात्र आवेदनों के लिए उच्च अधिकारियों व पालकों के समक्ष आफलाइन लॉटरी निकाली गई थी, वेटिंग लिस्ट वालों के लिए भी लॉटरी निकाली गई थी। लेकिन निर्धारित 50 सीटों पर 60बच्चों को नियम विपरीत प्रवेश दिया गया। अतिरिक्त सीटों पर जिन बच्चों को प्रवेश दिया गया, उनका नाम वेटिंग लिस्ट में भी नही है। कई बच्चों ने तो ऑनलाईन आवेदन तक नहीं किया था। अतिरिक्त सीटों पर प्रवेश लेने कलेक्टर की अध्यक्षता वाली समिति से अनुमति भी नहीं ली गई थी।

पीएमजीएसवाई की अधूरी पुलिया से नदी में गिरकर ग्रामीण की मौत

दो साल से चल रहा सुस्त गति से निर्माण, एक चेतावनी बोर्ड भी नहीं

लापरवाह ठेकेदार ने बढ़ाई विभाग की मुसीबत, कार्य को लेकर नहीं दिख रही गंभीरता

पायनियर संवाददाता ➤ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

मनोरा विकासखंड के ग्राम पंचायत जरिया से ग्राम कुजरी होते हुए ग्राम पंचायत डड़गांव तक जाने वाली प्रधानमंत्री सड़क के बीच आने वाली लावा नदी में विगत 2 वर्ष से पुलिया निर्माणाधीन है। इसके साथ ही कुछ दिनों पहले ही खरसोता ग्राम पंचायत की ओर एक पुलिया का निर्माण सेतू विभाग द्वारा पूरा करा दिया गया, लेकिन पीएमजीएसवाई की ओर से कार्य कराए जा रहे पुलिया का निर्माण अबतक अधूरा ही पड़ा है। इस अधूरी पुलिया में मंगलवार को तड़के सुबह एक ग्रामीण की दर्दनाक मौत हो गई। दरअसल पुलिया का लगभग 60-70 प्रतिशत निर्माण पूरा हो चुका है। लेकिन बाकि 30 प्रतिशत कार्य के बीच सेंट्रिंग प्लेट लगाकर छोड़ दिया गया, जहां से ग्रामीण जान जोखिम में डालकर पैदल पुलिया को पार किया करते थे। रोजाना की तरह मंगलवार की सुबह डड़गांव निवासी सफदर अंसारी उम्र 45 वर्ष प्लेट के ऊपर से पुलिया को पार करने की कोशिश कर रहा था और पांव फिसलते ही वह नदी के नीचे जा गिरा और पानी में डूबने की वजह से उसकी दर्दनाक मौत हो गई।

अस्पताल में मृत घोषित

सुबह हादसा होने के तुरंत बाद घायल सफदर को उसके साथियों ने तत्काल जिला अस्पताल लाया। अस्पताल में कृत्रिम सांस देने के साथ ही पीसीआर दिया गया, लेकिन सफदर को बचाया नहीं जा सका। जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिसिया जांच के बाद पोस्ट मार्टम के पश्चात मृत शरीर को परिजनों को सौंप दिया गया।

गैर जिम्मेदार हुआ विभाग

निर्माण के लिए शेष भाग में सेंट्रिंग किए जाने की जानकारी विभाग के अधिकारियों को थी। उसपर ग्रामीण जान जोखिम में डालकर नदी पार कर रहे हैं इसकी जानकारी लेने की फुर्सत विभाग को नहीं थी। बारिश के दिनों में अपने अधूरे पुलिया को झांकने भी कोई नहीं गया। यही वजह है कि ग्रामीणों की लापरवाही बढ़ती चली गई। ठेकेदार और विभाग ने निर्माण संबंधित खतरे की चेतावनी और संकेत के एक भी बोर्ड निर्माण क्षेत्र में नहीं लगाया था। अधूरा पड़ा क्षेत्र में सुरिक्षा के नजरिए से आवागमन अवरूद्ध करने का प्रयास नहीं किया गया।

4 लड़कियों के पिता थे सफदर

डड़गांव निवासी मृतक सफदर अंसारी चार पुत्रियों के पिता थे। उनमें से एक की शादी उन्होंने इसी वर्ष जून महीने में की थी। अपने पीछे उन्होंने अपनी पत्नी के साथ तीन बेटियों को छोड़ दिया है। ठेकेदार और विभागीय अनदेखी व लापरवाही की वजह से हुई मौत मामले में पीड़ित परिजनों को जीवन निर्वहन की मदद पर विचार करने की आवश्यकता है।

नहीं दिया जवाब

कुजरी लावा नदी में निर्माणाधीन पुलिया से गिरने से ग्रामीण की मौत के मामले में विभाग का पक्ष जानने के लिए ईई एसएन साय के नंबर पर संपर्क किया गया पर उन्होंने जवाब नहीं दिया।

विभिन्न विधाओं से जुड़े लोगो का होगा सम्मान समारोह

बेमेतरा। अभिनंदन सम्मान समिति बेमेतरा द्वारा नगर के माहेश्वरी भवन में 25 अक्टूबर दिन शुक्रवार को दोपहर 2:00 बजे से सम्मान समारोह आयोजित किया गया है जिसमें बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायकों की स्मृति में अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिले के निवासियों को उनके उत्कृष्ट कार्यो के लिए सम्मानित किया जाएगा । समारोह के मुख्य अतिथि शंकराचार्य आश्रम बोरिया कला के ब्रह्मचारी डॉ. इंदूभवानंद जी महाराज एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. चितरंजन कर करेंगे। गरिमामय सम्मान समारोह में बेमेतरा बेमेतरा विधानसभा के पुर्व विधायकों के बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के विकास में उनके योगदान का उल्लेख भी किया जायेगा। विधानसभा क्षेत्र के प्रथम विधायक स्व. गंगाधर यादव राव तामस्कर , स्व. लक्ष्मण प्रसाद वैद्य , स्व. रेवेन्द्र सिंह वर्मा , स्व. डॉ चेतन सिंह वर्मा जी, एवं स्व. महेश तिवारी , की स्मृति में यह सम्मान समारोह आयोजित कर जिले के शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं खेलकूद के अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उत्साही एवं मेहनती लोगों को सम्मानित करना अभिनंदन समिति का उद्देश्य है।

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत कोटपा एक्ट का उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई

पायनियर संवाददाता ➤ मुंगेली
www.dailypioneer.com

कलेक्टर के निर्देशानुसार राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत कोटपा एक्ट का उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. प्रभात चन्द्र प्रभाकर ने बताया कि प्रवर्तन दल द्वारा विकासखण्ड मुंगेली के ग्राम फास्टरपुर के 27 दुकानों मे कोटपा एक्ट के तहत 2650 रूपए की चालानी कार्रवाई की गई तथा 08 दुकानों को चेतावनी देकर छोड़ा गया। साथ ही नाबालिकों को तम्बाकू उत्पाद न बेचने संबंधी विनाइल बोर्ड का वितरण किया गया। तत्पश्चात शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल फास्टरपुर एवं सेतगंगा के स्कूली विद्यार्थियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर नशे से दूर रहने की समझाईश दी गई। औषधि निरीक्षक महेन्द्र देवागंन ने बताया कि नशीली दवाओं के रख-रखाव एवं दुरूपयोग को रोकने हेतु समय-समय पर औषधि संस्थानों की नियमित जांच की जाती है। कोटपा एक्ट की धारा 04 के तहत सार्वजनिक स्थानों में धुम्रपान पर प्रतिबंध, धारा 05 के तहत सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पादों के विज्ञापन पर प्रतिबंध, धारा 06 के तहत नाबालिकों एवं शैक्षणिक संस्थानों के आस-पास सिगरेट या अन्य तम्बाकू उत्पादों पर प्रतिबंध, धारा 07, 08 एवं 10 के तहत बिना विशिष्ट स्वास्थ्य चेतावनियों के सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध है। इस दौरान स्कूल के प्राचार्य, शिक्षक, सोशल वर्कर बलराम साकत सहित संबंधित अमला, पुलिस आरक्षक एवं स्कूली बच्चे मौजूद रहे।

ईश्वर सर्वत्र विराज मान है : स्वामी मज्ज्योतिर्मयानंद सरस्वती

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

सपाद लच्छेश्वर श्री शिव धाम सलधा में पूज्य मज्ज्योतिर्मयानंद सरस्वती जी महराज का चतुर्मास में प्रतिदिन आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक सामाजिक उत्थान के लिए प्रति दिवस जिला मानस संघ बेमेतरा से संबद्ध मानस मंडली की प्रस्तुति दो पालियों में हो रही है जिसमें साजा, बेरला नवागढ़ ,बेमेतरा ब्लाक की मंडली आश्रम में मानस सेवा प्रदान कर रहे है तत्पश्चात दोपहर 3 बजे से स्वामी जी की प्रवचन प्रारंभ हो जाता है आज श्री राम कथा के अंतर्गत भगवान राम का वनवास यात्रा में मुनियों को दर्शन पर विशेष प्रवचन भक्त को सुनने को मिला स्वामी जी ने कहा कि स्वच्छ मन में ही भगवान का निवास है इसलिए मनुष्य को इस कलि काल में छल कपट त्याग कर भगवान का भजन करना चाहिए जिसमें जीव की कल्याण निहित है प्रतिदिवस महाभंडारा का आयोजन किया जा रहा है प्रतिदिवस हजारों की संख्या में भक्त आश्रम पहुंचकर स्वामी जी की चतुर्मास में दर्शन लाभ प्राप्त कर रहे है इसी अवसर में जिला मानस संघ अध्यक्ष देवलाल सिन्हा ने आश्रम पहुंचकर स्वामी जी का आशीर्वाद लिया एवं 30/10/24 को कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को परमाराध्य परमधर्माधीश अनन्त श्री विभूषित उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगदुरू शंकराचार्य स्वामिश्रीः अविमुक्तेश्वरानंदः सरस्वती जी महाराज, कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी 30 अक्टूबर को सपाद लक्षेश्वर धाम सलधा जिला बेमेतरा छत्तीसगढ़ पधार रहे हैं।उस दिन दीपावली एवं मानस महामहोत्सव के साथ अपने विविध कलाओं के द्वारा छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित करने वाले विशिष्ट अतिथियों का सम्मान समारोह भी आयोजित है जिसमें छ ग के समस्त मानस संघ एवं पदाधिकारी लोक कला कार जिस संबंध में विस्तृत चर्चा कर आशीर्वाद लिया अवसर में महेंद्र चौहान उत्तम साहू राजेश वैष्णव गजेंद्र वर्मा धनेश वर्मा सहित संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे यह जानकारी विष्णु साहू ने दिया ।

जनदर्शन में आमजनों को जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित पुस्तक का वितरण किया गया

पायनियर संवाददाता ➤ मुंगेली
www.dailypioneer.com

जिला कलेक्टोरेट में आयोजित जनदर्शन में आमजनों को जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित पुस्तक का वितरण किया गया। यह पुस्तक शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों पर आधारित है। इसे लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा गया। महिलाओं ने कहा कि महतारी वंदन योजना कहानी संग्रह पुस्तक में महिलाएं किस तरह से आत्मनिर्भर, सशक्त और स्वावलंबी हो रही है, इसके बारे में जानकारी दी गई है। यह जानकारी हम सभी महिलाओं के लिए काफी उपयोगी साबित होगी। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवाओं ने कहा कि रोजगार नियोजन, सुशासन के नवीन आयाम और जनमन पत्रिका में शासन की विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों से जुड़ी अद्यतन जानकारी बहुत ही सरल ढंग से दी गई है। इसे पढ़ने से न केवल शासन की नीतियों और कार्ययोजनाओं के प्रति गहरी समझ विकसित होती है, बल्कि पी.एस.सी., व्यापम जैसी राज्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में महत्वपूर्ण साबित होगी।

एसपी बेमेतरा रामकृष्ण साहू के निर्देशन पर थाना नवागढ प्रभारी ने ली ग्राम कोटवारो की बैठक

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्योति सिंह, एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की के मार्गदर्शन में 20.10.2024 को थाना नवागढ प्रभारी उप निरीक्षक दुलेश्वर चंद्रवंशी ने थाना/चौकी क्षेत्रांतर्गत के ग्राम कोटवारों का बैठक लिया गया। जिसमें आगामी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। साथ ही गांवो में बाहरी लोगों की आवाजाही, असामाजिक तत्वों व अवैध कारोबारी में लिप्त लोगो एवं सोना - चांदी चमकाने के नाम पर ठगी करने वालो पर कड़ी नजर रखने आवश्यक दिशा - निर्देश दिया गया। साथ ही कोटवारों को आपसी तालमेल व समन्वय स्थापित करने व बेहतर तरीके से सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा देने की बात कही गई। उक्त बैठक के दौरान चौकी मारो प्रभारी सउनि कृष्ण कुमार क्षत्री व अन्य स्टाफ एवं थाना/चौकी क्षेत्रांतर्गत के ग्राम कोटवार उपस्थित रहे।

विभिन्न चरणों में अपना मांग पत्र सौपा गया

पायनियर संवाददाता ➤ मुंगेली
www.dailypioneer.com

दस्तावल लेखक एव स्टाम्प विक्रेता क द्वारा अपना कुछ जायज मांगो के पुरा किये जाने के लिये शासन का ध्यान आकृष्ट करने बाबत विभिन्न चरणों में अपना मांग पत्र सौपा गया है, परन्तु उक्त मांगों पर कभी भी विचार नही किया गया। जिसके कारण दस्तावेज लेखकों और स्टाम्प विकेता द्वारा अपने प्रदेश संघ के माध्यम से एक दिवसीय कलम बंद हडताल किये। तत्पश्चात एक सप्ताह काली पटटी लगाकर विरोध स्वरूप कार्य किये एंव 18.19,20 सितम्बर को तीन दिवसीय हडताल पर जाने का निर्णय लिया जाकर पुनः ज्ञापन दिया गया था। जिस पर आपके द्वारा हमारे संघ के प्रतिनिधी मंडल को सम्मान पूर्वक वार्ता के लिये आंमत्रित किया था। और हमारी समस्यों को 15 दिवस के अंदर पूरा किये जाने का आश्वासन दिया गया थां परन्तु एक माह बीत जाने पर भी हमे अवगत नही कराया जबकि जानकारी के लिये हमने 10/10/2024 को पत्र लिखा जिसका कोई जवाब नही आया। एंव इस बीच नये नये योजनाओं (आई टी साल्युशन, एन जी डी आर एस, ई दृ स्टाम्प) को लागु कर हमे करने को दिया गया है। हम प्रचार किया जा रहा है। जो एक प्रकार से दस्तावेज लेखकों और स्टाम्प विक्रेताओं को बेरोजगार करने का उपक्रम प्रतीत हो रहा है। इसलिये अब हम शासन से अपनी आजीविका की सुरक्षा की गारंटी के साथ पूर्व में दिये गये ज्ञापन में दर्शित विभिन्न मांग के साथ समस्त दस्तावेज लेखकों एंव स्टाम्प विक्रेताओं को पंजीयन विभाग में समायोजित किये जाने की मांग करते हुये 21 अक्टुबर से अनिश्चित कालीन हडताल पर जाने के लिये बाध्य है।

जिले के गुरुवाइनडबरी धान खरीदी केंद्र में फर्जीवाड़ा करने वाले आरोपी को गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ➤ मुंगेली
www.dailypioneer.com

जिले के लोरमी विकासखंड के गुरुवाइनडबरी धान खरीदी केंद्र में फर्जीवाड़ा करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी रामदास बंजारे ने धान खरीदी केंद्र प्रभारी रहते हुए फर्जीवाड़ा कर शासन को 91 लाख 68 हजार से अधिक का आर्थिक नुकसान पहुंचाया था। कलेक्टर ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी कि जल्द से जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा है कि फर्जीवाड़ा कर शासन को आर्थिक नुकसान पहुंचाने वाले पर किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। अन्य धान खरीदी केंद्रों में भी अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल पूरी तत्परता से इस प्रकरण में स्वयं मॉनिटरिंग कर रहे थे और टीम गठित कर जल्द से जल्द गिरफ्तारी के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए थे। कलेक्टर एवं एसपी के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल एवं विवेक शुक्ला के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी लोरमी माधुरी धीरही के नेतृत्व में थाना लालपुर एवं साइबर सेल की टीम के द्वारा सभी संभावित स्थानों पर छापेमारी की गई। एफआई.आर. के बाद से आरोपी लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। इस दौरान सूचना मिली कि आरोपी बिलासपुर के तिफरा के पास छिपकर अपना नाम पता बदल कर रह रहा था। सूचना पर तत्काल थाना लालपुर और साइबर सेल की टीम को गिरफ्तारी के लिए बिलासपुर भेजा गया और तिफरा के पास आरोपी को घेराबंदी करते हुए गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। सहायक आयुक्त सहकारिता हितेश श्रीवास ने बताया कि रामदास बंजारे द्वारा खरीफविपणन वर्ष 2023-24 में धान खरीदी के दौरान बेईमानीपूर्वक 25 सौ क्विंटल से अधिक धान का गबन किया गया था। इसके साथ ही किसानों से खरीदे गए धान में से 600 बोरी धान को बेईमानी पूर्वक बिक्री करने के लिए श्याम राईस प्रोडक्ट बरेला के ट्रक क्रमांक सीजी 12 एस 2108 में लोड कराया गया था।

राज्य स्तरीय कराटे में चयनित 23 बच्चों को किया सम्मानित

जिला कलेक्टोरेट में जनदर्शन का आयोजन किया गया

पायनियर संवाददाता ➤ मुंगेली
www.dailypioneer.com

जिला कलेक्टोरेट में जनदर्शन का आयोजन किया गया। कलेक्टर ने आमजनों की मांगों एवं समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनी। जनदर्शन में कुल 220 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें लोरमी विकासखण्ड के ग्राम औराबांधा के चेतन साहू ने जल जीवन मिशन के तहत खोदे गए गड्ढों की मरम्मत कराने की मांग की। कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी को निर्देशित करते हुए शीघ्र मरम्मत कराने के निर्देश दिए। वहीं सूदूर वनांचल क्षेत्र के ग्राम जाकड़बांधा के ग्रामीणों के द्वारा ग्राम में नवीन धान खरीदी केन्द्र खोलने की मांग पर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने के लिए कहा। इसी तरह ग्राम कंतेली में मिनी स्टेडियम की जमीन से अतिक्रमण की शिकायत पर कलेक्टर ने राजस्व अधिकारी को मामले की जांच के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि शासकीय भूमि में अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जनदर्शन में बाजारपारा लोरमी के प्रकाश श्रीवास ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजनांतर्गत स्वरोजगार के लिए ऋण दिलाने, ग्राम पैजनिया के अमित कुमार ने स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत शौचालय निर्माण कराने, मुंगेली विकासखण्ड के ग्राम सिंघनपुरी के ग्रामीणों ने नया ट्रांसफार्मर लगाने, ग्राम धरमपुरा के ग्रामीणों ने गॉव में पेयजल की समस्या से निजात दिलाने, ग्राम नुनियाकछार के श्यामू राम पात्रे ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, ग्राम जरहागांव के शशीकुमार कश्यप ने अपनी भूमि का फौती, नामांकन एवं सीमांकन कराने, पथरिया विकासखण्ड की पूर्णिमा ने विवाह उपरांत अपने मायके ग्राम सेंदरी से राशनकार्ड से नाम कटवाने, शासकीय पूर्व माध्यमिक स्कूल पेण्ड्री स. के प्रधानपाठक ने स्कूल पहुंच मार्ग को सीसीरोड बनवाने, ग्राम पेण्ड्री स. गौकरण काठले ने भूमि रकबा सुधार कराने एवं नया पर्ची बनवाने सहित अन्य आवेदकों ने अपनी मांगों एवं समस्याओं से संबधित आवेदन कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए नियमानुसार निराकरण के लिए आश्वस्त किया।

राज्य स्तरीय कराटे में चयनित 23 बच्चों को किया सम्मानित- जनदर्शन के दौरान कलेक्टर ने राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता के लिए चयनित 23 बच्चों को सम्मानित किया। उन्होंने बच्चों को चॉकलेट, पेन व गुलाब फूल देकर उनका उत्साहवर्धन किया। जिला कराटे एसोसिएशन के अध्यक्ष ने बताया कि जिले के विभिन्न स्कूलों में रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के तहत छात्राओं को कराटे में प्रशिक्षित किया गया था, जिसमें से 23 बच्चों का चयन राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता के लिए हुआ है। ये सभी बच्चे बिलासपुर में होने वाले राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे।

कलेक्टर ने रामकुमारी साकत को प्रदान किया अनुकम्पा नियुक्ति पत्र- जनदर्शन में कलेक्टर ने रामकुमारी साकत को अनुकम्पा नियुक्ति पत्र प्रदान किया और बेहतर कार्य करने के लिए उत्साहवर्धन किया। पशु चिकित्सा सेवाएं के उप संचालक डॉ. आर. एम. त्रिपाठी ने बताया कि साकत के पति देवसिंह साकत पट्टीबंधक वर्ग 02 के पद पर पदस्थ थे।

नवागढ, पुलिस चौकी संबलपुर एवं चौकी मारो प्रभारियों, विवेचको की अपराध समीक्षा बैठक

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्योति सिंह के मार्गदर्शन में एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की के द्वारा 20.10.2024 को थाना नवागढ परिसर में थाना नवागढ एवं पुलिस चौकी संबलपुर, मारो प्रभारियों, विवेचको की ली अपराध समीक्षा बैठक। जिसमें लंबित अपराधो, मर्ग, गुम इंसान, लंबित शिकायतो का शीघ्र निकाल करने तथा लंबित संमंस, लंबित वारंट व ऑपरेशन ईगल अभियान चलाकर स्थायी वारंट की तामिली किये जाने, असामाजिक तत्वों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने, जप्ती माल की निकाल हर संभव प्रयास कर करने, जप्ती माल एवं थाना के रिकार्ड को व्यवस्थित ढंग से वर्षवार रखने तथा तथा महिलाओं और थानो में पंजीबद्ध धोखाधडी एवं आईटी एक्ट व महिलाओं और बच्चों से संबंधित प्रकरणों का जल्द से जल्द निकाल करने हेतु थाना प्रभारी की बैठक लेकर धोखाधडी व आईटी एक्ट के प्रकरणों में फरार आरोपियों के विरूद्ध 173 (8) जाफो के मामलो में शीघ्र विवेचना पूर्ण कर फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश करने निर्देश दिये गये। महिलाओं और बच्चों से संबंधित अपराधों की जानकारी लेकर महिलाओं और बच्चों से संबंधित अपराधों को आपरेशन मुस्कान के तहत अभियान चलाकर यथाशीघ्र निराकरण करने तथा सामुदायिक पुलिसिंग के लिए ÷हमर पुलिस हमर बजार एवं हमर पुलिस हमर गांव के माध्यम से चौपाल लगाकर लगातार हॉट/बाजार एवं गांव -गांव, स्कुल, कालेजों में जाकर जागरूक करने निर्देशित किया गया।

युवाओं में सेवा और मानवता की भावना जागृत करना है, जिससे वे समाज की बेहतरी में योगदान दे सकें : राज्यपाल रमेन डेका

राज्यपाल डेका, राज्य स्तरीय जूनियर रेडक्रॉस प्रशिक्षण सह-सदभावना शिविर के समापन समारोह में हुए शामिल

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

राज्यपाल रमेन डेका भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी दुर्ग द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय जूनियर रेडक्रॉस प्रशिक्षण सह सदभावना शिविर के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल डेका ने छत्तीसगढ़ में पहली बार आयोजित राज्य स्तरीय जूनियर रेडक्रॉस मीट 2024 कार्यक्रम के लिए प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने रेडक्रास के इस महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम का हिस्सा बनने वाले युवा स्वयंसेवकों के समर्पण और सेवा भावना को नमन किया जो देश के भविष्य हैं और समाज के प्रति अपनी ज़िम्मेदारियों को समझते हैं। राज्यपाल ने कहा कि रेडक्रॉस न केवल आप सभी को चिकित्सा सेवाओं और आपातकालीन परिस्थितियों में मदद करने का गुर सिखाता है, बल्कि यह मानवता के प्रति आपकी संवेदनशीलता और सेवा भावना को भी प्रबल करता है। यह प्रशिक्षण शिविर आपको न केवल कौशल प्रदान करेगा, बल्कि जीवन के उन आदर्शों को भी सिखाएगा, जिनसे समाज में शांति, सदभावना और एकता को बढ़ावा मिलता है। आज, पूरी दुनिया विभिन्न चुनौतियों से जूझ रही है। राज्यपाल ने कहा कि शिविर में न केवल आपातकालीन सहायता, प्राथमिक चिकित्सा और आपदा प्रबंधन के संबंध में प्रशिक्षण दिया जा रहा है, बल्कि समाज में मानवता, शांति और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना, सामुदायिक विकास, सामाजिक समरसता, और नैतिक मूल्यों पर भी विशेष ध्यान दिया गया। यह शिविर सभी को एक बेहतर नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि आप यहां से जो भी सीखकर जाएंगे, अपने परिजनों को, मित्रों को भी अवश्य सीखाएं और बताएं ताकि आपात कालीन परिस्थितियों में वे भी अन्य लोगों की सहायता कर सकें। राज्यपाल ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को भी उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और भारतीय रेडक्रॉस समिति दुर्ग को इस सफल आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। रेडक्रॉस सोसायटी के पांच दिवसीय कार्यक्रम में 33 जिलों से आए छात्र-छात्राओं के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। ओवर ऑल बेहतर प्रदर्शन के लिए दुर्ग जिले को प्रथम एवं बालोद जिले को द्वितीय स्थान मिला। नारायणपुर जिले की जूनियर रेडक्रॉस सदस्य कु. नीलिमा मण्डावी व कोरिया जिले के बालक रमेश कुमार को सर्वश्रेष्ठ कैडेट के रूप राज्यपाल के हाथों सम्मान प्राप्त हुआ। छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस सोसायटी के सीईओ एम.के.राउत ने शिविर के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला एवं चेयरमेन अशोक कुमार अग्रवाल ने शिविर के गतिविधियों के संबंध में विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं मलखम्भ का भी प्रदर्शन किया गया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव विकास कार्यों की प्रगति और योजनाओं के क्रियान्वयन की करेंगे समीक्षा

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

उप मुख्यमंत्री तथा कोरबा जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव आज कोरबा में विभिन्न कार्यक्रमों और बैठकों में शामिल होंगे। वे सबेरे 11 बजे कोरबा में अग्रसेन महाविद्यालय में आयोजित लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर त्रिशताब्दी जयंती समारोह में शामिल होंगे। वे दोपहर साढ़े 12 बजे अग्रसेन महाविद्यालय से राजीव गांधी ऑडिटोरियम के लिए रवाना होंगे। साव दोपहर 12.40 बजे राजीव गांधी ऑडिटोरियम में आवास मेला तथा शहर में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे। उप मुख्यमंत्री अरुण साव दोपहर तीन बजे कोरबा कलेक्टोरेट में सभी विभागों के जिला अधिकारियों की बैठक लेकर विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे। वे शाम साढ़े चार बजे जिला पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन समिति की बैठक में शामिल होंगे। साव शाम साढ़े पांच बजे कोरबा से सड़क मार्ग से रायपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। वे रात नौ बजे रायपुर पहुंचेंगे।

वनमंत्री ने घायल जवानों से मुलाकात कर कुशलक्षेम जाना

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने राजधानी रायपुर के निजी अस्पताल में इलाजरत घायल जवानों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और उनके जल्द स्वस्थ्य होने की कामना की। गौरतलब है कि विगत दिनों सर्चिंग के दौरान नारायणपुर जिले के ग्राम कोडलियर के समीप जंगल में नक्सलियों द्वारा लगाएं गए आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने से आईटीबीपी के दो जवान शहीद और दो जवान घायल हुए थे, घायल जवानों का इलाज राजधानी रायपुर के एक निजी अस्पताल में हो रहा है।

24 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ में शिक्षकों की हड़ताल शिक्षक संघर्ष मोर्चा करेगा बड़ा प्रदर्शन

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ के शिक्षक अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 24 अक्टूबर को बड़े पैमाने पर हड़ताल और धरना प्रदर्शन करेंगे। इस हड़ताल का आयोजन छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले किया जा रहा है, जिसमें प्रदेश के चार प्रमुख शिक्षक संघ एकजुट होकर अपनी मांगों के लिए आवाज उठा रहे हैं। शिक्षकों ने सामूहिक अवकाश का आवेदन भी जमा कर दिया है, और जिला मुख्यालयों पर धरना, रैली और ज्ञापन सौंपने की योजना बनाई गई है। शिक्षक संघर्ष मोर्चा की प्रमुख मांगों में सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर करना, क्रमोन्नति वेतनमान देना, पुरानी पेंशन योजना लागू करना और केंद्र के समान महंगाई भत्ता प्रदान करना शामिल है। इसके अलावा, पूर्व सेवा गणना मिशन के तहत 20 साल की सेवा में पूर्ण पेंशन देने की मांग की जा रही है।

प्रधानमंत्री किसान समृद्धि सह योजना के तहत एनएफडीपी पर पंजीकरण अनिवार्य, मत्स्य कृषकों से पंजीयन कराने की अपील

रायपुर। मत्स्य कृषकों को केन्द्र शासन द्वारा संचालित प्रधानमंत्री किसान समृद्धि सह योजना के तहत् विभिन्न घटकों का लाभ प्राप्त करने के लिए एनएफडीपी पर पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। संचालक मछली पालन नारायण सिंह नाग ने बताया कि एनएफडीपी का मुख्य उद्देश्य सभी मत्स्य पालक, मत्स्य पालन समूहों एवं मत्स्य समितियों के लिए कार्य आधारित पहचान का डाटाबेस निर्माण के माध्यम से भारतीय मत्स्य पालन को औपचारिक रूप देना है। भविष्य में प्रधानमंत्री किसान समृद्धि सह योजना के तहत् मत्स्य पालन अंतर्गत संचालित सभी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु एनएफडीपी पर पंजीकरण अनिवार्य होगा। इसके तहत मछली पालन, मत्स्याखेट एवं मछली बेचने के व्यवसाय से जुड़े सभी लोगों का पंजीयन कॉमन सर्विस सेंटर (च्वाईस सेंटर) के माध्यम से किया जा सकेगा। संचालक नाग ने बताया कि यदि परिवार के सभी सदस्य मछली पालन कार्य में संलग्न है, तो सभी का पंजीयन व्यक्तिगत रूप से किया जायेगा।

धान खरीदी में फर्जीवाड़ा करने वाला केन्द्र प्रभारी रामदास बंजारे गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड के गुरुवाइनडबरी धान खरीदी केंद्र में फर्जीवाड़ा करने वाले आरोपी रामदास बंजारे को पुलिस ने तिफरा बिलासपुर के पास घेरा बंदी कर गिरफ्तार किया। गुरुवाइनडबरी धान खरीदी केंद्र प्रभारी रहते हुए इसने फर्जीवाड़ा कर शासन को 91 लाख 68 हजार से अधिक का आर्थिक नुकसान पहुंचाया था। धान खरीदी में गड़बड़ी का मामला सामने आने पर कलेक्टर राहुल देव के निर्देश पर केन्द्र प्रभारी के विरूद्ध एफआईआर दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल एवं विवेक शुक्ला के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी लोरमी माधुरी धीरही के नेतृत्व में थाना लालपुर एवं साइबर सेल की टीम द्वारा आरोपी रामदास बंजारे की गिरफ्तारी के लिए सभी संभावित स्थानों पर छापेमारी की गई। एफ.आई.आर. के बाद से आरोपी लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। इस दौरान सूचना मिली कि आरोपी बिलासपुर के तिफरा के पास छिपकर अपना नाम पता बदल कर रह रहा था। सूचना पर तत्काल थाना लालपुर और साइबर सेल की टीम को गिरफ्तारी के लिए बिलासपुर भेजा गया और तिफरा के पास आरोपी को घेराबंदी करते हुए गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

निकाय चुनाव के लिए वार्ड परिसीमन के खिलाफ दायर याचिका हाईकोर्ट ने खारिज की

बिलासपुर। राज्य के कई निकायों में वार्ड परिसीमन के खिलाफ दायर सभी याचिकाओं को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। जस्टिस पीपी साहू की सिंगल बेंच ने इस मामले में फैसला सुनाते हुए कहा कि याचिकाएं अब निरस्त कर दी गई हैं। इस फैसले के बाद निकाय चुनाव के लिए वार्ड परिसीमन का रास्ता पूरी तरह से साफ हो गया है। उल्लेखनीय है कि रायपुर सहित कई नगरीय निकायों में वार्ड परिसीमन को चुनौती देते हुए याचिकाएं दायर की गई थीं, जिन्हें अब कोर्ट ने खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट के इस निर्णय के बाद परिसीमन में तेजी आने की संभावना है, जिससे आगामी चुनाव के लिए तैयारियों को बल मिलेगा।

प्रदेश कांग्रेस असंगठित क्षेत्र समस्या निवारण प्रकोष्ठ की बैठक सम्पन्न, दीपक बैज ने दी ने पदाधिकारियों को बधाई

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

कांग्रेस असंगठित मजदूर एवं समस्या निवारण प्रकोष्ठ की बैठक कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में सम्पन्न हुई। बीते महीने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की अनुशंसा पर प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद सिद्दीक ने प्रदेश उपाध्यक्षों, प्रदेश महासचिवों व जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की थी। राजीव भवन में प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने प्रकोष्ठ के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कांग्रेस देश और समाज के हर वर्ग के हित में काम करने वाला संगठन है। समस्त पदाधिकारी और कार्यकर्ता कांग्रेस की विचारधारा के अनुरूप नई ऊर्जा के साथ के देश हित और संगठन की मजबूती के लिए काम करेंगे। हमें जन जन तक कांग्रेस के विचारों को पहुंचा कर अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ना है। केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकार की ग़लत नीतियों के खिलाफ एकजुटता से आवाज उठाना है। प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मोहम्मद सिद्दीक ने कहा कि आगे जो भी जिम्मेदारी प्रकोष्ठ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा दी जाएगी उसका पालन हम स्थानीय संगठन के माध्यम से पूरा करने का प्रयास करेंगे और संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में निरंतर कार्य करते रहेंगे।

37 करोड़ की 23 किलोमीटर सड़क चौड़ीकरण और मजबूतीकरण चढ़ा भ्रष्टाचार की भेंट

पायनियर संवाददाता ➤ गरियाबंद
www.dailypioneer.com

पीडब्ल्यूडी विभाग ठेकेदार द्वारा अमलीपदर उरमाल देवभोग 23 किलोमीटर सड़क चौडीकरण मजबूतीकरण को गुणवत्ताहीन कार्य महज साल भर के भीतर ही पोल खुल गया है जगह जगह डामर उखड़ने के अलावा सड़क काफी हद दब भी रहा है बावजूद इसके पीडब्ल्यूडी विभाग के एसडीओ सहित तमाम अधिकारी हाथ पर हाथ धरे हुए ना सड़क की मरम्मत कराने की पहल कर रहे हैं और ना कोई कार्यवाही देखने को मिल रहा है ऐसे में आने वाले दिनों सड़क की हालत और ज्यादा खराब होने की संभावना है आपको बता दें कि अमलीपदर उरमाल से देवभोग की 23 किलो मीटर सड़क चौड़ी करण एवं मजबूतीकरण के लिए तात्कालिक सरकार द्वारा 37 करोड़ की लागत से सड़क निर्माण के लिए स्वीकृत किया गया लेकिन स्वीकृत राशि अनुसार बिल्कुल भी राशि का इस्तेमाल सड़क बनाने में नहीं हुआ शायद यही वजह है कि महज साल भर में सड़क मे उपयोग डामर उखड़ने के साथ साथ दरार भी पड़ रही हैं जिससे अधिकारी भी भली भांति अवगत हैं मगर अफसोस की बात है कि मेंटनेंस के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति को अंजाम दिया जा रहा है समय से पहले सड़क की हालत खराब होने का प्रमुख कारण जिस साइड सोल्डर कि कम से कम 50 सेंटीमीटर खुदाई कर सब ग्रेट मटेरियल से भरा जाना चाहिए वह बिल्कुल भी नहीं रहा बल्कि अधिकांश जगह में लेवल कम कर सबग्रेट मटेरियल डाला गया इसके अलावा सीबीआर टेस्ट वैल्यू अनुसार जीएसबी के तहत मिट्टी की 7 प्रतिशत होना चाहिए लेकिन 3 प्रतिशत के आसपास मिट्टी मिक्स मुरूम का इस्तेमाल किए जबकि ऐसे मैटेरियल के इस्तेमाल से सड़क दबने के साथ-साथ समय से पहले बड़े-बड़े गड्ढे होने की पूरी होती हैं और यह देखने को भी मिल रहा है।

समय पर सब ग्रेट काम नहीं कंपेक्शन में संशय

जानकर बताते है कि पीडब्ल्यूडी विभाग के ईई एसडीओ इंजीनियर 37 करोड़ के सड़क चौड़ीकरण कार्य को लेकर कितना गंभीर है यह इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि सड़क चौड़ीकरण मिट्टी गिट्टी मुर्मि सहित अन्य सबग्रेट काम बारिश से पहले क्या जाना चाहिए था ताकि प्रॉपर कॉम्पेक्शन हो पाए क्योंकि बारिश के दौरान गीली मिट्टी के बीच मजबूती के साथ रोलिंग होना मुश्किल बताते हैं इसलिए अक्सर इस तरह के कार्य को सीजन से पहले कराया जाता है लेकिन अफसोस की बात है कि पीडब्ल्यूडी विभाग अधिकारियों की उदासीनता के चलते गुणवत्ता और मापदंड कार्य की ओर बिल्कुल भी रूचि नजर नहीं आते शायद यही वजह है कि करोड़ों के काम मनमर्जी ओर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है।

उच्च स्तरीय जांच की मांग

सड़क निर्माण के समय से ही इस सड़क पर इस्तेमाल मैटेरियल को लेकर नाराज़गी जाहिर करते सवाल खड़ा किया जा रहा था तब अधिकारी आते ओर चले जाते थे तभी करोड़ों की सड़क चौड़ीकरण कार्य में जमकर भर्रा साही को अंजाम दिया गया जिसका खमियाजा वर्तमान में आम राहगीरों को भुगतना पड़ रहा है जिसके मद्दे नजर स्थानीय नेताओं के साथ ग्रामीण पीडब्ल्यूडी मंत्री से शिकायत कर उच्च स्तरीय जांच की मांग करेंगे ताकि मेंटेनेंस के नाम पर खाना पूर्ति को रोकने भ्रष्टाचार में संलिप्त अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही किया जा सके।

23 Oct. 2024 Pride Of Raipur

M A K AZAD COLLEGE OF PHARMACY, RAIPUR (C.G.)
Since – 2004
Approved by PCI New Delhi
Affiliated with CSVTU Bhilai
ADMISSION / REGISTRATION OPEN - 2024-25
B Pharmacy – D Pharmacy
XII Science – PCB/ PCM
B Pharmacy lateral entry
CHOURASIYA COLONY NAV DURGA NAGAR RAIPUR
9329621221 , 9425214413 , 9981224037 ,7714913335
email ID - makazadpharmacy123@gmail.com
For online registration Visit: www.makazadpharmcy.com

DYNAMO Electric Vehicle
ESCAPE EXPLORE EXHILARATE
Price 72000/- Offer 59,990/- Today Only
3 Year Warranty
XL
कोई भी पुरानी गाड़ी लाएं और DYNAMO ले जाएं। बाकि आसान किस्तों में पाएं।
निश्चित उपहार प्रत्येक बुकिंग पर 2999/- देकर बुक करें।
आज ही ले फ्री-टेस्ट ड्राइव
कैशबैक 5000/-
सिर्फ 9999/- देकर घर ले जायें
फाइनेंस सुविधा उपलब्ध
बढ़ती कीमतों से फायदा
CHAWLA ELECTRIC जी.ई. रोड तेलीबांधा रायपुर, मो. 87708 96699, 99079 60900

SAVI Arts
ONE STOP SHOP FOR ALL FINE ART ITEMS
Deals In
Resin work and material
Festival decoration
Handmade bandhanwar (Toran)
Diyas
Painting
Crockery items
Tealight holder (Metal/ cloth/ wood etc)
Call Now 8964029818, 8319103510
Savi Arts And Craft Store, Shop No. 4, Business Apartment Near Shankar Nagar, Chowpaty, Beside Post Office, Shankar Nagar, Raipur (C.G.)

9575261555
VASTU समाधान
दीपक गुप्ता
(PGD In Vaastu, MBA, MA, LLB, MSW)
(वास्तुशास्त्री एवं अंक वास्तुशास्त्र)
Life Designer and Mentor
वास्तुशास्त्र- घर, दुकान, ऑफिस, प्लॉक, फैक्टरी, कारखाना का नींव से लेकर निर्माण तक संपूर्ण वास्तु।
अंक वास्तुशास्त्र- हस्ताक्षर वास्तु, नाम स्पलिंग वास्तु मोबाईल नंबर, घर का नंबर, कार एवं अन्य किसी भी प्रकार के नंबर अंक से जीवन में सुख शांति, सफलता और संपन्नता प्राप्त करने के अचूक सरल उपाय।
पता- उषा इस्टेट, B8/6 फ्लोर, पंडरी मोवा ब्रिज के बगल में, रायपुर

क्या आपके यहां बार - बार चोरी हो रही है ?
तो ब्रांडेड कैमरे ही लगवायें
हम सामान ही नही, सर्विस भी अच्छी देते है
शहर से बाहर गोडाउन, घर एवं शॉप को मोबाईल पर लाईब देखें
क्या आप सस्ते कैमरे लगवाकर नाखुश है ?
सेल्स एण्ड सर्विस के लिए संपर्क करें -
लक्ष्मी सिक्यूरिटी सिस्टम
91652-22223, 93292-94567

बेचना है
रायपुर से 12 किलोमीटर पाटन के बेहतरीन लोकेशन वॉल्फोर्ट ग्रीन के पीछे कोपडीह खुडमुड़ा रोड पर कमर्शियल काम्प्लेक्स, घर एवं गोडाउन बनाने हेतु पूर्व दिशा में 2250 Sqft फीट 58 का फ्रंट प्लाट 1050/- फीट एवं अभनपुर में विशाखापट्टनम रोड से वॉकिंग डिस्टेंस नगरसीमा अंतर्गत 1000 फीट प्लॉट बेचना है।
मो. 8770262964

होमलोन व मार्डगेज लोन
10 लाख से 10 करोड़ तक
राष्ट्रीयकृत एवं प्रतिष्ठित बैंक द्वारा
होम लोन ब्याज दर मात्र 8.70%*
मार्डगेज लोन ब्याज दर मात्र 9.50%*
वर्तमान होमलोन को ट्रांसफर करायें कम ब्याज दर पर 8.70%
पायें उतना ही अतिरिक्त लोन, होम लोन दर पर 8.70%*
SHRI SIDDHI VINAYAK FINACE
Near Samudayik Bhawan, Jorapara, Raipur
Mob.: 9329002356
नोट - बैंकिंग एवं फायनेंस सेक्टर में कार्य करने हेतु अनुभवी लड़कों की आवश्कता है।

विज्ञापन हेतु जगह उपलब्ध है।
9329846567
9827146567

Cartridge Refilling
Refiling @ Your Door Step
JB Mall, Lower Ground Floor, M.G. Road, Raipur (C.G.)
Callaway Print Your Omagination With Us..
9302787900, 9425211789

विज्ञापन के लिये संपर्क करें : 9827146567, 9329846567

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-अच्युतानन्द द्विवेदी*
समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2024-26, दूरभाष नंबर 0771-2972403